हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | रायपुर, शनिवार 1 नवंबर 2025

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस एवं रजत महोत्सव

माननीय प्रधानमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी जी

के कर-कमलों से

लगभग ₹14,300 करोड़

01 नवंबर 2025

राज्योत्सव स्थल
नवा रायपुर अटल नगर, छत्तीसगढ़

की सड़क, ऊर्जा, उद्योग, आवास, ग्रामीण और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी विकास परियोजनाओं का

शिलान्यास / उद्घाटन / लोकार्पण / राष्ट्र को समर्पण और शुभ गृहप्रवेश

लोकार्पण

शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय
₹52 करोड़

छत्तीसगढ़ के नवीन विधानसभा भवन
₹325 करोड़

गृह प्रवेश एवं किस्त जारी ₹1,200 करोड़

- PMAY-G के तहत बने 3.51 लाख आवासों का गृह प्रवेश एवं खुशियों की चाबी का वितरण
- 3 लाख लाभार्थियों को सहायता राशि की किस्त जारी

शिलान्यास ₹7,459 करोड़

- जांजगीर-चांपा और राजनांदगांव में नया स्मार्ट औद्योगिक क्षेत्र
- नवा रायपुर में फार्मास्युटिकल पार्क
- बिलासपुर के ग्राम कोनी और उसलापुर में कार्यरत महिला छात्रावास
- मनेंद्रगढ़, कबीरधाम, जांजगीर-चांपा और गीदम(दंतेवाड़ा) में शासकीय मेडिकल कॉलेज भवन
- बिलासपुर में शासकीय आयुर्वेद कॉलेज एवं चिकित्सालय भवन
- 3 राष्ट्रीय राजमार्ग-130D और पत्थलगांव-कुनकुरी- छत्तीसगढ़/झारखंड सीमा तक चार लेन ग्रीनफील्डराजमार्ग के निर्माण एवं उन्नयन कार्य
- कांकेर में 220 के.वी और बलौदाबाज़ार-भाटापारा में 132 के.वी के विद्युत उपकेंद्र
- आरडीएसएस योजना के तहत विद्युत आधारभूत संरचना का विकास कार्य

उद्घाटन ₹3,250 करोड़

- मुंगेली में 400, राजिम (गरियाबंद) और पाटन (दुर्ग) में 220, रायपुर, बेमेतरा, बिलासपुर और कोरिया में 132 के.वी. ईएचवी के कुल 7 उपकेंद्र
- बस्तर और सुकमा में 33 के.वी. उपकेंद्र
- 9 जिलों के 12 ब्लॉकों में स्टार्ट-अप ग्राम उद्यमिता कार्यक्रम
- छत्तीसगढ़ और ओडिशा खंड (489 किमी) नागपुर-झारसुगुड़ा पाइपलाइन - (GAIL)
- नया पेट्रोलियम ऑयल डिपो (HPCL)
- अंतर-क्षेत्रीय ईआर-डब्ल्यूआर इंटरकनेक्शन ट्रांसमिशन परियोजना (पावरग्रिड)

राष्ट्र को समर्पण ₹1,979 करोड़

- विभिन्न जिलों में नई 11 के.वी. और एल.टी. लाइन, ओवरलोडेड 11 के.वी. फीडर और ट्रांसफार्मर
- कंडक्टर को AB केबल में परिवर्तित करने के कार्य
- राष्ट्रीय राजमार्ग-130C मदांगमुड़ा–देवभोग–ओडिशा सीमा तक 2-लेन पेव्ड शोल्डर सड़क निर्माण कार्य

DD NEWS — कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डीडी न्यूज़ पर देखें

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्कर्ष वर्षों का संकल्प

छत्तीसगढ़ शासन सत्यमेव जयते

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव

मोदी की गारंटी से संवर रहा छत्तीसगढ़

26 लाख से अधिक
परिवारों को पक्की छत

पीएम आवास योजना

6,691 ग्राम
लाभांवित

धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान

₹5 करोड़
की लागत से चारधाम की तर्ज पर पांच शक्तिपीठों का विकास

शक्तिपीठ परियोजना

29 हजार से अधिक
राम भक्तों ने की अयोध्या धाम की निःशुल्क यात्रा

रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना

एनसीआर की तर्ज पर रायपुर-नवा रायपुर-दुर्ग-भिलाई के विकास के लिए प्राधिकरण का गठन

राज्य राजधानी क्षेत्र (SCR)

₹7.5 लाख करोड़
के निवेश प्रस्ताव प्राप्त

इन्वेस्ट छत्तीसगढ़

₹47,447 करोड़
से रेल परियोजनाओं का क्रियान्वयन

रेलवे

₹40 हज़ार करोड़
से अधिक लागत से राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास

सड़क

26 लाख
किसानों को लाभ

पीएम किसान सम्मान निधि

दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना

लगभग 6 लाख
मजदूरों को प्रतिवर्ष ₹10,000 की आर्थिक सहायता

महतारी वंदन योजना

लगभग 70 लाख
महिलाएं लाभांवित

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना

लगभग 37 लाख
महिलाएं लाभांवित

तेंदूपत्ता संग्रहण दर
₹5500 मानक बोरा

13 लाख संग्राहक परिवार लाभांवित

उद्यम क्रांति योजना

युवाओं को स्वरोज़गार के लिये **50% सब्सिडी** पर ब्याजमुक्त ऋण

जल जीवन मिशन

40 लाख
घरों तक नल कनेक्शन

पीएम जनमन योजना

लगभग 60 हज़ार
परिवारों को लाभ

माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
के दूरदर्शी नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को मिल रही नई पहचान

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

नए विधानसभा भवन का लोकार्पण, राज्योत्सव का उद्घाटन भी करेंगे

डॉ. रमन, सीएम साय, मंत्रिमंडल और विधायकों के साथ नेता प्रतिपक्ष महंत भी होंगे शामिल

आनंद का सच्चा भाव*

18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹88428/-

22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹108000/-

24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹117892/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

*Conditions apply

anand Jewels

Pandri, Raipur

14 हजार करोड़ से ज्यादा की परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास करेंगे मोदी

25 साल का हुआ छत्तीसगढ़, पीएम आज आएंगे, सुनेंगे दिल की बात, देंगे कई सौगात

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 1 नवंबर को राज्योत्सव पर छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर(नवा रायपुर) आ रहे हैं। इस दौरान करीब पांच घंटे के व्यस्त कार्यक्रम के दौरान वे राज्य के नए विधानसभा भवन का लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही वे छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जंयती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री अपने इस एक दिवसीय दौरे में राज्य के लिए 14 हजार 260 करोड़ रुपयों की अलग-अलग परियोजनाओं का उद्घाटन ⏭ शेष पेज 5 पर

दिल की बात से कार्यक्रमों की शुरुआत

प्रधानमंत्री सुबह 9.40 बजे माना एयरपोर्ट आएंगे। 10 बजे, 'दिल की बात' कार्यक्रम के तहत, नवा रायपुर अटल नगर स्थित श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल में 'जीवन का उपहार' समारोह में जन्मजात हृदय रोगों का सफलतापूर्वक उपचार करा चुके 2500 बच्चों से परस्पर बातचीत करेंगे। प्रधानमंत्री इसके बाद लगभग 10:45 बजे ब्रह्माकुमारी के शांति शिखर भवन का उद्घाटन करेंगे, जो आध्यात्मिक शिक्षा, शांति और ध्यान का एक आधुनिक केंद्र है।

ये सौगातें भी

- एसवीईपी ब्लाकों का उद्घाटन
- छत्तीसगढ़ के नौ जिलों में 12 नए स्टार्ट-अप ग्राम उद्यमिता कार्यक्रम (एसवीईपी) ब्लॉकों का उद्घाटन
- 3.51 लाख पूर्ण हो चुके घरों का गृह प्रवेश कार्यक्रम। आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत 3 लाख लाभार्थियों को 1200 करोड़ रुपये की किश्तें जारी करेंगे,
- पत्थलगांव-कुनकुरी से छत्तीसगढ़-झारखंड सीमा तक चार लेन वाले ग्रीनफील्ड हाईवे की आधारशिला रखेंगे
- सड़क निर्माण उन्नयन की आधारशिला
- विद्युत क्षेत्र में अंतर-क्षेत्रीय ईआर-डब्ल्यूआर इंटरकनेक्शन परियोजना का उद्घाटन
- 3,750 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई ऊर्जा क्षेत्र परियोजनाओं का लोकार्पण, उद्घाटन और शिलान्यास
- पुनरोद्धार वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के तहत लगभग 1,860 ⏭ शेष पेज 5 पर

राज्योत्सव पर विशेष

जब छत्तीसगढ़ के लिए विधेयक आया, तब मैं बतौर सांसद कृतज्ञ महसूस कर रहा था

■ - विष्णुदेव साय

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत वर्ष पर प्रदेश निर्माण से संबंधित यादों को सहेजते हुए काफी भावुक हो जाता हूं। आज भी 31 जुलाई 2000 का वह दिन ऐसा लगता है, मानो कल की बात हो। संसद में 'मध्य प्रदेश पुनर्गठन विधेयक' प्रस्तुत हो रहा था। छत्तीसगढ़ का भाग्य तब नयी रोशनाई से लिखा जा रहा था। उस लोकसभा का सदस्य होने के सौभाग्य से कृतज्ञ सा महसूस करते हुए तब कल्पना कर रहा था कि नव-निर्मित छत्तीसगढ़ की नियति कैसी होगी। कैसा होगा हमारे सपनों का वह प्रदेश, जो गरीबी, शोषण, पिछड़ापन के दंश से मुक्त होगा, जहां हमारे संसाधनों का उपयोग हमें स्वयं के बेहतरी के लिए करने की स्वतंत्रता होगी। जहां हमारे भाग्य के निर्माता हम स्वयं होंगे।

प्रदेश निर्माता भारत रत्न अटलजी ने छत्तीसगढ़वासियों से किया वादा निभाया और देश के तत्कालीन गृहमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी ने हमारे जीवन को गरिमापूर्ण बनाने का यह विधेयक प्रस्तुत किया था। दोनों सदनों में विधेयक पारित हुआ। फिर 1 नवंबर का वह दिन हमारे सामने था, जब भोपाल स्टेशन से 'छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस' हमारे हिस्से का सपना और सामान लेकर रायपुर की ओर दौड़ पड़ी थी। हम अपने संसाधनों से स्वयं के भविष्य का निर्माण करने के भाव से भरे प्रदेश के जनता से एक अनकहा वादा कर चुके थे। वादा था हर पेट को भोजन, हर खेत को पानी, सभी हाथ को काम और किसानों की उपज के पूरे दाम का।सदियोंसे अंधेरे का शिकार बना दिए गए वंचित तबकों की देहरी पर विकास और लोकतंत्र का एक टिमटिमाता ही सही, किंतु दीप जलाना। उसके बाद की कहानी इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है।

शुरुआती लड़खड़ाहट के बाद पहले निर्वाचित मुख्यमंत्री बने डॉक्टर रमन सिंह जी, और उसके बाद छत्तीसगढ़ छलांगें लगाने लगा था सूरज की ओर। बीच में फिर कुछ बाधाएं आयी, किंतु प्रदेश में राजनीतिक प्रतिकूलताओं के बावजूद भी यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा बिना भेदभाव के बढ़-चढ़ कर सहयोग देते रहने के कारण छत्तीसगढ़ आगे बढ़ता रहा। आज हमारा प्रदेश जब अपना रजत महोत्सव मनाने के लिए तैयार है, जब विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी राज्योत्सव का उद्घाटन करने छत्तीसगढ़ आ रहे हैं, तब प्रदेश के कल, आज और कल के बारे में सोचते हुए भावुक सा हो रहा हूं। स्मरण हो रहा है जब पंच और सरपंच, फिर विधायक के रूप में अविभाजित मध्यप्रदेश के सरगुजा अंचल को महसूस किया था, तमाम विसंगतियों से भरे, शोषण और भूख से बिलबिलाते, संसाधनों की लूट को अभिशप्त तब का छत्तीसगढ़ अंचल, फिर आगे प्रदेश के बनने के कहानी, जिसका जिक्र ऊपर है।

प्रदेश के प्रथम सेवक, मुख्यमंत्री के रूप में चमचमाते छत्तीसगढ़ को देखना, ऐसा छत्तीसगढ़ जो अब विकसित प्रदेश होने के लिए दौड़ पड़ा है, मोदी की गारंटी का विश्वास लिए, अपने नेतृत्व के प्रति ⏭ शेष पेज 5 पर

डा. रमन ने कहा-जब मैं मुख्यमंत्री बना तब 9400 करोड़ का बजट था, आज 1 लाख 64 हजार

भय और आतंक के बूते सरकार नहीं चलाई जा सकती मैंने सबको गले लगाया, किसी को दुश्मन नहीं बनाया

छत्तीसगढ़ राज्य की 25 साल की यात्रा के न केवल साक्षी रहे बल्कि ज्यादातर कालखंड तक राज्य का नेतृत्व करने वाले डॉ रमन सिंह राज्य की प्रगति से संतुष्ट नजर आते हैं। वे अपने 15 साल के कार्यकाल की उपलब्धियां तो गिनाते ही हैं, भूपेश सरकार की विफलता पर भी नजर रखते हैं। वे कहते हैं कि भूपेश सरकार की विदाई के पीछे नीति और नीयत की उलझन रही। डा. रमन का कहना है कि छत्तीसगढ़ की तासीर में भय और आतंक है ही नहीं। भय और आतंक के बूते कोई छत्तीसगढ़ में शासन नहीं चला सकता। वे कहते हैं कि भाजपा ने प्रदेश के विकास की नींव रखी। भविष्य में भी भाजपा ही प्रदेश को विकास की राह दिखाएगी। पेश है हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डा. हिमांशु के साथ डा. रमन का सार्थक संवाद।

■ ***सवाल – जब छत्तीसगढ़ राज्य का मध्य प्रदेश विधानसभा में संकल्प प्रस्तुत हुआ था तब आप उस विधानसभा के सदस्य थे और ईश्वर की कृपा रही कि जब उस संकल्प को मूर्त रूप देने के लिए संसद में जब प्रस्ताव आया तो आप उस सदन के भी हिस्सा थे। जानना ये है कि जब प्रस्ताव आया तब कितना भरोसा था और जब प्रस्ताव के अनुसार राज्य गठन होने जा रहा था तो कितनी उम्मीदें थीं, थोड़ा अतीत के पन्नों को पलटेंगे हमारे साथ ?***

■ **जवाब** - ये यात्रा, लंबी यात्रा छत्तीसगढ़ के निर्माण की रही है। छत्तीसगढ़ सीपी बरार का हिस्सा था, नागपुर राजधानी हुआ करती थी। फिर भाषा के आधार पर जब प्रांतों का गठन हुआ तब मध्यप्रदेश बना और भोपाल राजधानी हुई। फिर 2000 आते-आते मध्य प्रदेश की विधानसभा में एक अशासकीय संकल्प पास किया था। शासन का भी संकल्प नहीं था, लेकिन खासियत यह थी कि सर्वसम्मति से पास किया गया था। इसके बाद घटनाक्रम में तेजी से बदलाव आया। माननीय अटलबिहारी बायपेयी जी का छत्तीसगढ़ प्रवास हुआ। लोकसभा चुनाव का समय था, रायपुर में सभा हुई, उन्होंने उस सभा में पूरे जोर-शोर से घोषणा की कि 11 में से 11 सीटें दीजिए, मैं छत्तीसगढ़ राज्य आपको दूंगा। 11 सीट तो नहीं मिली मगर छत्तीसगढ़ राज्य का गठन हुआ। जब लोकसभा में माननीय लालकृष्ण आडवाणी जी इस बिल को प्रस्तुत कर रहे थे और उस समय लोकसभा में मैं राज्यमंत्री के रूप में उपस्थित था, तब पूरा भरोसा हो गया। मध्य प्रदेश में तो लगता था यह सिर्फ और सिर्फ दिखाने का मामला है, लेकिन जब दिल्ली में जब प्रस्ताव पारित हुआ तो लगा कि अब छत्तीसगढ़ का निर्माण तय है। यह संकल्प माननीय अटलजी और आडवाणीजी का था जो छत्तीसगढ़ का निर्माण हो सका।

आईआईटी, आईआईएम और एम्स जैसे संस्थान लेकर आए, स्वास्थ्य को शिखर तक पहुंचाया

■ ***सवाल – आपसे समझना चाहूंगा, क्या उस समय लगता था कि अलग राज्य की जरूरत थी। उत्तराखंड और झारखंड के संदर्भ में देखें तो बड़े जनआंदोलन देखे गए थे, लेकिन छत्तीसगढ़ के संदर्भ में जनता सड़कों पर उतरी हो, नेता सड़कों पर उतरे हों, ऐसे दृश्य दिखे नहीं थे, तो फिर छत्तीसगढ़ की जरूरत महसूस क्यों हो रही थी ?***

■ **जवाब** – बड़ा जन आंदोलन इस रूप में नहीं हुआ मगर छत्तीसगढ़ निर्माण की बात लोगों के मन में बसी हुई थी। छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय असंतुलन का शिकार रहा। विकास के कोई काम यहां नहीं हो रहे थे। हम लोग विधायक थे मध्य प्रदेश के छोटे-छोटे काम के लिए 5-7 किलोमीटर सड़क निर्माण के लिए 10-10, 20-20 चक्कर लगाने पड़ते थे। मुख्यमंत्री साल में 2 बार आ जाए छत्तीसगढ़ तो बहुत है। एक प्रकार से जनप्रतिनिधि और आम लोगों के मन में विकास कार्य न होने से ये बात थी कि नए राज्य बनने से नई संभावनाओं के दरवाजे खुलेंगे। ⏭ शेष पेज 5 पर

■ ***सवाल – नए विधानसभा भवन के लोकार्पण के लिए पीएम नरेन्द्र मोदी को ही क्यों चुना ?***

■ ***जवाब – आज देश में नरेन्द्र मोदी जी से बेहतर संसदीय प्रकियाओं का जानकार और लगातार क्रियान्वयन करने वाला कोई नहीं है। लगातार 24 साल से पहले मुख्यमंत्री फिर प्रधानमंत्री के रूप में कोई व्यक्ति अपने दायित्वों के प्रति इतना समर्पित हो कि जो एक दिन छुट्टी न ले। गुजरात और फिर देश का चेहरा बदलने वाला, ऐसा काम करने वाला व्यक्ति। मोदीजी से मेरा संबंध संगठन के समय से है। जब वे महामंत्री के रूप में काम करते थे, यात्राओं का संचालन करते थे। फिर मुख्यमंत्री के रूप में यहां के हर प्रमुख अवसर पर वे आते रहे। खाद्यान्न सुरक्षा योजना के समय भी वे आए थे। छत्तीसगढ़ से उन्हें विशेष लगाव रहा है। इसलिए छत्तीसगढ़ के इस महत्वपूर्ण अवसर पर उन्हें बुलाने का निर्णय संसद के लोकार्पण के समय ही मैंने कर लिया था। यह एक रिकॉर्ड होगा कि किसी विधानसभा के लोकार्पण में प्रधानमंत्री उपस्थित हों। ये मोदी जी का चमत्कार है।*

■ ***सवाल – इस चमत्कार को आप ने कब भांप लिया था ?***

■ ***जवाब – उनकी कार्यक्षमता, काम करने का तरीका, उनका चिंतन और लगातार मेहनत से ही लगता था। ऐसे व्यक्ति बिरले ही होते हैं।***

कार्यसमिति में आए थे तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण अडवानी, राष्ट्रीय अध्यक्ष वेंकैया नायडू सहित कई राष्ट्रीय नेता

भाजपा की राष्ट्रीय कार्यसमिति के बाद बदल गई थी प्रदेश की राजनीति, शामिल हुए थे अटल-आडवानी

राजकुमार ग्वालानी ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ के 2000 में अलग राज्य बनने के बाद यहां पर पहली प्रदेश सरकार कांग्रेस की बनी थी और पहले मुख्यमंत्री अजीत जोगी बने थे। श्री जोगी की आक्रामक राजनीति ने भारतीय जनता पार्टी को वेंटीलेटर पर पहुंचा दिया। दिग्गज विधायक भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए। एक वक्त ऐसा भी आया जब लगा कि भाजपा छत्तीसगढ़ के पहले चुनाव में टिक नहीं पाएगी। ऐसे वक्त में भाजपा ने छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय कार्यसमिति की बड़ी बैठक की। बैठक में शामिल होने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण अडवानी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष वेंकैया नायडू, प्रमोद महाजन जैसे दिग्गज दिग्गज राष्ट्रीय नेता आए थे। उस समय छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार लाने के लिए प्रदेशाध्यक्ष का जिम्मा डॉ. रमन सिंह को दिया गया था। प्रदेश संगठन महामंत्री सौदान सिंह थे। कार्यसमिति की बैठक में छत्तीसगढ़ के साथ देश के पांच राज्यों में होने वाले चुनाव पर रणनीति बनी थी। इसी के साथ प्रदेश ⏭ शेष पेज 5 पर

राष्ट्रीय कार्यसमिति की यह फोटो वरिष्ठ फोटोग्राफर स्वर्गीय विनय शर्मा द्वारा ली गई थी। यह फोटो भाजपा के मीडिया प्रभारी हेमंत पाणिग्रही द्वारा उपलब्ध कराई गई है।

बैठक में आए ये दिग्गज नेता

भाजपा की राष्ट्रीय कार्यसमिति में शामिल होने के लिए यहां पर उस समय के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण अडवानी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष वेंकैया नायडू, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संजय जोशी, राष्ट्रीय नेता कुशाभाऊ ठाकरे, राजनाथ सिंह, प्रमोद महाजन, जसवंत सिंह, वसुंधरा राजे सिंधिया, मुरली मनोहर जोशी सहित राष्ट्रीय कार्यसमिति के सभी सदस्य पहुंचे।

बदल गई राजनीति फिजा

भाजपा की राष्ट्रीय कार्यसमिति में छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनाव के साथ ही मप्र, राजस्थान, दिल्ली सहित पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा मंथन किया गया। सबसे अहम छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनाने की रणनीति बनाई गई। इसके बाद साल के अंत में जब विधानसभा चुनाव हुए तो उसी रणनीति पर चलते हुए प्रदेश में पहली चुनी हुई सरकार भाजपा की बनी। विधानसभा का चुनाव प्रदेशाध्यक्ष ⏭ शेष पेज 5 पर

कांग्रेस लगातार तीन चुनाव हारी

अटल-आडवानी और छत्तीसगढ़ में डा. रमन सिंह का नेतृत्व ने छत्तीसगढ़ की राजनीति को ही बदल दिया। कांग्रेस लगातार तीन चुनाव हार गई। डा. रमन सिंह अजेय बने रहे और छत्तीसगढ़ में 15 साल तक उन्होंने शासन किया। पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी दुर्घटना के बाद भी राजनीतिक रूप से सक्रिय बने रहे। उसके बाद भी कांग्रेस सत्ता हासिल न कर सके। केंद्रीय राजनीति के धुरंधरों का साथ छत्तीसगढ़ भाजपा को मिलता रहा और कांग्रेस हाशिए पर रही। उसके बाद भूपेश बघेल के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनाई लेकिन फिर उसके बाद भाजपा से वापसी की।

नई राजधानी की कहानी **सोनिया ने किया था शिलान्यास**

भाजपा ने बसाया हमारा अटल नगर

आईआईएम की नींव रखी डॉ. रमन ने

श्रीमती सोनिया गांधी के द्वारा 8 मार्च 2023 को नई राजधानी का शिलान्यास

जिया कुरैशी ⏭ रायपुर

अब से 25 साल पहले छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद इस प्रदेश की राजनीतिक फिजा न केवल बदली, बल्कि इस नवोदित राज्य के लिए नए सपने बुनने का दौर शुरू हो गया था। राज्य बनने के बाद जब नई राजधानी बनाने की बात आई, तो तत्कालीन मुख्यमंत्री अजीत जोगी (2000-2003) ने उस समय आज के नवा रायपुर स्थित चेरिया-पौता गांव में नई राजधानी का शिलान्यास किया था। इसी समय से राजधानी बनाने, उसे सजाने संवारने की जो प्रक्रिया शुरू हुई। तब खूब राजनीति हुई। कांग्रेस चुनाव हार गई और भाजपा सत्ता में आई। उसके बाद भाजपा सरकार में राखी गांव में नई राजधानी का शिलान्यास किया गया। 25 साल के इस सफर में नवा रायपुर एक नए बसते हुए शहर का आकार लेने में सफल हुआ है। अब राज्य सरकार के सभी प्रमुख ⏭ शेष पेज 5 पर

राखी गांव की नई दिशा (2004–2005)

*नवंबर 2003 में भाजपा की सरकार बनी और डॉ. रमन सिंह मुख्यमंत्री बने। नई सरकार ने राजधानी की योजना की भौगोलिक स्थिति बदली। नया स्थान चुना गया—रायपुर से दक्षिण-पूर्व दिशा में स्थित राखी गांव और उसके आसपास का क्षेत्र। सरकार का तर्क था कि यह जगह भूगर्भीय रूप से स्थिर, बेहतर जल निकासी और योजनाबद्ध विस्तार के लिए उपयुक्त है।योजना को नए रूप में ढाला गया, जिसे बाद में नया रायपुर विकास प्राधिकरण (**NRDA**) ने अमल में लाया।यहीं पर 2005 में दूसरी बार शिलान्यास हुआ, और राखी गांव के आसपास के क्षेत्र को धीरे-धीरे राजधानी परियोजना क्षेत्र घोषित कर दिया गया।*

तय हुए मंत्रालय-सचिवालय

उसी समय तय हो गया था मंत्रालय-सचिवालय। पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी सरकार के कार्यकाल के आखिरी वर्ष 2003 में जब चेरिया में नई राजधानी का शिलान्यास किया गया था, तब ही तत्कालीन सरकार के मंत्रियों ने राजधानी की रूपरेखा तैयार करने में बड़ी भूमिका अदा की थी। इस समय यह तय किया गया था कि कहां मंत्रालय होगा, कहां सचिवालय बनेगा। इसके साथ ही राज्य स्तर के बड़े सरकारी भवन मुख्यालय वगैरह बनाने की बात तय हो गई थी। नई राजधानी बनाने के लिए कितनी जमीन की जरुरत होगी, आसपास के कितने और कौन से गांव राजधानी क्षेत्र में शामिल होंगे, यह सब कुछ तय कर लिया गया था। इसके बाद 2003 के अंत में जब विधानसभा चुनाव हुए तो सत्ताधारी कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद सत्ता में आई भाजपा सरकार ⏭ शेष पेज 5 पर

राज्य गठन के पहले पांच जिला अस्पताल के भरोस यहां इलाज होता था, मगर छत्तीसगढ़ अब मध्य भारत का मेडिकल हब बन चुका है। राज्य निर्माण के 25 सालों में यहां शासकीय और निजी मिलाकर 15 मेडिकल कालेज, 33 जिला अस्पताल के साथ एम्स और कई बड़े निजी हास्पिटल के जरिए यहां उपचार सुविधा मिल रही है। यहां के लोगों की गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए दूसरे राज्यों पर रहने वाली निर्भरता खत्म हो चुकी है, उल्टे दूसरे राज्यों से मरीज यहां आकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

सिर्फ पांच जिला अस्पताल थे, अब 15 मेडिकल कॉलेज, एम्स 33 बड़े सरकारी हॉस्पिटल के साथ मेडिकल हब बन चुका

निजी सुपरस्पेशलिटी हास्पिटल की सुविधाओं ने भी कई राज्यों को पीछे छोड़ा

विकास शर्मा ⏭ रायपुर

राज्य गठन के पहले रायपुर में सौ बेड का डीके अस्पताल था, जहां शहर के साथ आसपास के लोग आकर अपना इलाज करवाते थे। इसी तरह दुर्ग, बिलासपुर, रायगढ़ और जगदलपुर के जिला अस्पताल वहां के बीमार मरीजों का एकमात्र सहारा हुआ करते थे। डाक्टर तैयार करने के लिए एमबीबीएस की पढ़ाई केवल रायपुर के शासकीय जवाहरलाल नेहरू स्मृति शासकीय महाविद्यालय में हुआ करती थी। इसके बाद छत्तीसगढ़ अस्तित्व में आया और यहां स्वास्थ्य सुविधाओं ने विकास की राह पकड़ी। शासकीय के साथ निजी क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हुआ और हर तरह की गंभीर बीमारियों का इलाज संभव हो गया। छत्तीसगढ़ अब 25 साल का हो चुका है और यहां शासकीय और निजी मिलाकर 15 मेडिकल कालेज, सात डेंटल कालेज, 33 जिला अस्पताल हो चुके हैं। बड़े और कार्पोरेट स्तर के प्राइवेट अस्पतालों की संख्या भी दर्जनभर से ज्यादा हो चुकी है। वर्ष 2012 में यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना हुई और लोगों को शासकीय सेक्टर में इलाज की आधुनिक सुविधा मिल रही है।

राज्य गठन के समय ऐसा था रायपुर का हमारा डीके अस्पताल।

गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए मेट्रोसिटी पर खत्म हो चुकी निर्भरता, मिल रही आधुनिक सुविधा

हार्ट और कैंसर का इलाज यहीं

पहले हृदय संबंधित बीमारी होने पर मरीजों को मुंबई, हैदराबाद जैसे शहरों की तरफ इलाज के लिये पलायन करना पड़ता था। कैंसर जैसी बीमारी के लिए दूसरे राज्यों के डाक्टरों के भरोसे रहना पड़ता था। स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के बाद शासकीय और प्राइवेट सेक्टर में भी इनका इलाज संभव हुआ है। मरीजों को शासन की आयुष्मान स्वास्थ्य सहायता योजना से निशुल्क इलाज की सुविधा भी मिल रही है।

कई बड़े हास्पिटल आने की तैयारी में

छत्तीसगढ़ को मेडिकल हब के रूप में विकसित करने की योजना पर काम किया जा रहा है। इसके लिए देश के कई बड़े हास्पिटल छत्तीसगढ़ में आने की तैयारी में हैं। प्राइवेट सेक्टर में हास्पिटलों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार उन्हें सब्सिडी प्रदान कर रही है। राजधानी रायपुर के अलावा शासकीय स्तर पर बिलासपुर और जगदलपुर में भी शासकीय सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल खुल चुके हैं।

2000 में थे 19 लाख उपभोक्ता, अब संख्या पहुंची 65 लाख के पार

राज्य बना तब बिजली टिमटिमा रही थी, सिर्फ 1309 मेगावाट की थी खपत

25 सालों में आंकड़ा 7000 पार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ को राज्य बने 25 साल हो रहे हैं। इन 25 सालों में प्रदेश में बिजली के उपभोक्ताओं की संख्या में 46 लाख से ज्यादा बढ़ गई है। राज्य बनने के समय प्रदेश में वर्ष 2000 में बिजली के उपभोक्ताओं की संख्या 19 लाख से भी कम थी। यह संख्या अब 65 लाख के पार हो गई है। इसी के साथ बिजली की खपत में भी पांच गुना इजाफा हो चुका है। पहले खपत 1309 मेगावाट थी, जो अब सात हजार मेगावाट के पार हो चुकी है। कृषि पंपों की संख्या भी छह लाख तक पहुंच गई है। इसी के साथ अस्थाई कृषि पंप भी ढाई लाख के आसपास हो गए हैं।

छत्तीसगढ़ के अलग राज्य बनने के बाद प्रदेश में बिजली की रफ्तार से ही बिजली के उपभोक्ता बढ़े हैं। इसी के साथ सुविधाओं का भी विस्तार हुआ है। जब अपना राज्य अलग हुआ था, तो उस समय प्रदेश में निम्न दाब के महज 1890998 उपभोक्ता थे, जो आज बढ़कर 6521951 हो गए हैं। उच्च दाब के उपभोक्ता महज 530 थे, जो अब बढ़कर 4177 हो गए हैं। यानी राज्य बनने के बाद यहां पर उद्योगों में भी भारी संख्या में इजाफा हुआ है। छत्तीसगढ़ बनने के पहले प्रदेश में महज 73369 कृषि पंप थे। इसकी संख्या में प्रदेश में भाजपा शासनकाल में तब भारी संख्या में इजाफा होना प्रारंभ हुआ, जब कृषि पंपों के लिए मुफ्त बिजली योजना का प्रारंभ किया। इसके बाद से लगातार कृषि पंपों की संख्या में इजाफा हो रहा है। इस समय स्थाई कृषि पंपों की संख्या 594277 है। इसी के साथ अब अस्थाई पंप कनेक्शन भी दिए जा रहे हैं। पहले राज्य में एक भी अस्थाई कृषि पंप नहीं था, लेकिन अब 242390 अस्थाई कृषि पंपों के कनेक्शन हैं। इसी के साथ सोलर कृषि पंपों के कनेक्शन अलग से हैं।

अपना उत्पादन तीन हजार मेगावाट

छत्तीसगढ़ राज्य उत्पादन पॉवर कंपनी की उत्पादन क्षमता 2960 मेगावाट है। मड़वा में 500 मेगावाट के दो संयंत्र हैं। इसी के साथ कोरबा में 210 मेगावाट के चार और एक पांच सौ मेगावाट का संयंत्र है। श्यामा प्रसाद मुखर्जी संयंत्र में 250 मेगावाट के दो संयंत्र हैं। इसी के साथ बांगो में 40 मेगावाट के 3 पानी के संयंत्र हैं। इन संयंत्रों से रोज 25 से 26 सौ मेगावाट का ही उत्पादन होता है। कभी कोई संयंत्र खराब हो गया तो उत्पादन दो हजार से 22 सौ मेगावाट हो जाता है।

तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने एनटीपीसी सीपत के निर्माण का जनवरी 2002 में शिलान्यास किया।

बिजली की खपत पांच गुना बढ़ी

छत्तीसगढ़ राज्य अलग हुआ था, तब प्रदेश में बिजली की खपत महज 1309 मेगावाट थी, तब प्रदेश में बिजली का उत्पादन भी महज 1360 मेगावाट होता था। राज्य के अलग बनने के बाद से ही प्रदेश में जहां एक तरफ तेजी से उपभोक्ताओं की संख्या में इजाफा हुआ, वहीं बिजली की खपत में इजाफा होना प्रारंभ हुआ। पहली बार बिजली की खपत 2003 में दो हजार मेगावाट के पार होकर 2335 मेगावाट तक पहुंची। इसके बाद 2013 में खपत तीन हजार मेगावाट के पार और 2018 में चार हजार मेगावाट के पार गई। 2023 में खपत ने पांच हजार मेगावाट का आंकड़ा पार किया और अब खपत इस साल सात हजार मेगावाट के पार हो गई है।

सेंट्रल सेक्टर से साढ़े तीन हजार मेगावाट का शेयर

प्रदेश में बिजली की जितनी डिमांड रहती है उसको पूरा करने के लिए सेंट्रल सेक्टर से बिजली ली जाती है। सेंट्रल सेक्टर से करीब साढ़े तीन हजार मेगावाट का शेयर है। इस बार गर्मी में खपत 7006 सौ मेगावाट तक गई तो सेंट्रल सेक्टर से चार हजार मेगावाट से ज्यादा बिजली लेकर पूर्ति की गई थी। इसी के साथ पॉवर कंपनी को स्थानीय निजी उत्पादकों से भी बिजली मिलती है। दूसरे राज्यों से भी एक्सचेंज में बिजली लेते हैं। कुल मिलाकर जितनी डिमांड रहती है उसको पूरा करने का काम किया जाता है।

14 हजार मेगावाट बिजली की नई योजनाएं

प्रदेश सरकार राज्य में बिजली का उत्पादन बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। 14 हजार मेगावाट की योजनाओं पर काम चल रहा है। पहले चरण में इस साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरबा में 660 मेगावाट के दो संयंत्रों के निर्माण का उद्घाटन किया है। इसी के साथ इस साल की पहली नई योजना का प्रारंभ हो गया है। अब पॉवर कंपनी का बड़ा फोकस प्रदेश में पानी से 7300 मेगावाट बिजली बनाने पर है। इसमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के गृह जिले जशपुर में पानी से 35 सौ मेगावाट बिजली बनाने के लिए दो संयंत्र लगेंगे। यहां पर 21 और 14 सौ मेगावाट के दो संयंत्रों लगेंगे। इसको लेकर प्रक्रिया भी प्रारंभ हो गई है और एमओयू भी हो गया है।

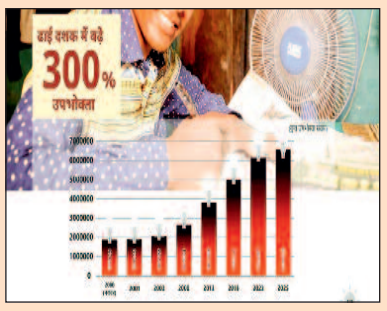

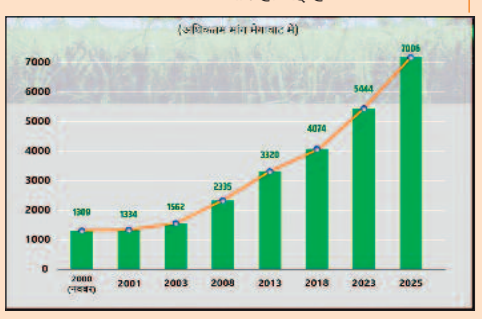

राज्य बनने के बाद 16 साल में ही छग को मिल गए थे राष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थान

2005 में एनआईटी, नींव रखी थी राजेंद्र प्रसाद ने, पहले बैच में थे सिर्फ 15 छात्र

रुचि वर्मा ⏭ रायपुर

2000 के पूर्व यदि प्रदेश के किसी छात्र को राष्ट्रीय स्तर के संस्थान से मैनेजमेंट, इंजीनियरिंग या इस तरह की किसी उपाधि की ख्वाहिश होती थी, तो अध्ययन के लिए राज्य से बाहर जाने के अलावा उनके पास कोई और विकल्प नहीं होता था। अब ऐसे हालात नहीं हैं। राज्य बनने के 16 साल के अंतराल में ही प्रदेश में एनआईटी, आईआईएम, ट्रिपलआईटी और आईआईटी की सौगात लोगों को मिल चुकी थी। कम वर्षों में ही इन संस्थानों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली रैंकिंग में अपना स्थान निर्मित कर लिया है। दूसरे राज्य के छात्र अब यहां अध्ययन के लिए आ रहे हैं।

एनआईटी : 1 दिसंबर 2005

राज्य निर्माण के बाद प्रदेश को जिस पहले राष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक संस्थान की सौगात मिली, वो एनआईटी रायपुर रहा। जिस कैंपस में एनआईटी का संचालन हो रहा है, उसकी स्थापना 1956 में शासकीय खनन एवं धातुकर्म महाविद्यालय के रूप में हुई थी। बाद में 2005 में इसे राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) घोषित कर दिया गया। खास बात यह है कि जिस कैंपस में एनआईटी का संचालन हो रहा है और जो पूर्व में शासकीय खनन एवं धातुकर्म महाविद्यालय था, उसकी स्थापना 1 मई, 1956 को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा की गई थी। इसके पहले बैच में सिर्फ 15 छात्र थे। 1 दिसंबर 2005 को इसे राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान का दर्जा प्रदान किया गया।

आईआईएम: 11 अक्टूबर 2010

आईआईएम का उद्घाटन 11 अक्टूबर 2010 को हुआ था। इसी वर्ष से आईआईएम में स्नातकोत्तर कार्यक्रम की शुरआत कर दी गई थी। प्रारंभ में इसे शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज रायपुर के कैंपस में संचालित किया गया, लेकिन अब आईआईएम के पास नवा रायपुर में अपना भवन है।

ट्रिपलआईटी : अगस्त 2015

नवा रायपुर में स्थित इस अंतर्राष्ट्रीय संस्थान को छत्तीसगढ़ सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय अधिनियम 2013 के तहत मान्यता प्रदान की। अगस्त 2015 से यहां विधिवत कक्षाओं की शुरुआत हुई।

आईआईटी : अगस्त 2016

ट्रिपलआईटी की सौगात मिलने के एक साल बाद ही छत्तीसगढ़ को आईआईटी भिलाई की भी सौगात मिल गई। आईआईएम की तरह इसके भी शुरुआती सत्र शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज रायपुर में ही संचालित हुए। अब भिलाई में संस्थान का अपना कैंपस है, जहां राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत कई तरह के प्रयोग हो रहे हैं।

विभाजन में मिले थे 2 विवि, 25 साल में हो गए 25

वर्तमान में 9 शासकीय, 15 निजी और एक केंद्रीय विवि

एक नवंबर 2000 को जब हमारा प्रदेश मध्यप्रदेश से अलग हुआ, उस वक्त हमारे हिस्से सिर्फ दो ही विवि आए थे। 1964 में रायपुर में स्थापित पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय और 1993 में बिलासपुर में स्थापित गुरु घासीदास विश्वविद्यालय। गुरु घासीदास विवि को स्थापित हुए उस वक्त सिर्फ 7 साल ही हुए थे। पाठ्यक्रमों की विविधता सहित अन्य दृष्टिकोण से यह विवि अधिक समृद्ध नहीं था। कोई भी राष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थान उस वक्त तक छग में स्थापित नहीं हो सका था। ऐसे में प्रदेशभर की शिक्षा का भार मुख्य रूप से पं.रविशंकर शुक्ल विवि पर ही था। पिछले 25 सालों में शिक्षा के क्षेत्र में छग तेजी के साथ आगे बढ़ा और आज यहां 25 विवि हैं। इनमें 9 शासकीय, 15 निजी और एक केंद्रीय विवि शामिल हैं। गुरु घासीदास विवि को ही बाद में केंद्रीय विवि की मान्यता प्रदान की गई। इंजीनियरिंग, मेडिकल, संगीत, पत्रकारिता सहित अन्य सभी पाठ्यक्रमों का एकीकरण रविवि में ही होने के कारण यहां कार्यभार बढ़ता गया। रविवि से पृथक होकर ही 2005 में स्वामी विवेकानंद तकनीकी विवि की स्थापना की गई। आयुष विवि, दुर्ग विवि भी रविवि से पृथक होकर ही स्थापित हुए। आज प्रदेश में मेडिकल, इंजीनियरिंग सहित सभी तरह की शैक्षणिक उपाधियों के लिए पृथक विवि हैं, जो अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं।

335 शासकीय महाविद्यालय

कटऑफ 90% पार

विश्वविद्यालयों के साथ प्रदेश में महाविद्यालयों की संख्या भी पिछले 25 वर्षों में सुखद रूप से बढ़ी है। वर्तमान में यहां 335 शासकीय महाविद्यालय हैं। साथ ही 12 अनुदान प्राप्त अशासकीय महाविद्यालय और 256 अनुदान-अप्राप्त अशासकीय महाविद्यालय अर्थात प्राइवेट कॉलेज हैं। विभाग द्वारा नवीन शासकीय और अशासकीय महाविद्यालयों को मान्यता प्रदान करने संबंधित प्रक्रिया जारी है। इस संख्या में जल्द ही बढ़ोत्तरी होगी। विशेष बात यह है कि इनमें से कई महाविद्यालय ऐसे हैं, जहां प्रवेश के लिए छात्रों में इतनी मारामारी रहती है कि कटऑफ 90% के पार चला जाता है।

खाकी का रुतबा: राज्य गठन के आठ माह बाद पुलिस भर्ती के लिए बस्तर में पहली बटालियन, अब 22 बटालियन

25 साल में संख्या साढ़े चार गुना बढ़कर 56 हजार के करीब पहुंची

गिरीश केशरवानी ⏭ रायपुर

राज्य गठन के बाद छत्तीसगढ़ में खाकी का रुतबा भी बढ़ा है। आबादी, एरिया और क्राइम रेट बढ़ने के साथ पुलिस बल में भी इजाफा हुआ है। राज्य गठन के पहले यहां नौ से दस हजार के करीब पुलिस बल था। अलग राज्य बनने के बाद एक अनुपात तीन की संख्या में छत्तीसगढ़ को मध्यप्रदेश से 12 हजार के करीब पुलिस बल मिला। उनमें से ज्यादातर पुलिसकर्मी छत्तीसगढ़ के बजाय अपने मध्यप्रदेश जाना चाहते थे। राज्य के सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक तथा तत्कालीन डीआईजी प्रशासन डीएम अवस्थी के अनुसार जो पुलिसकर्मी छत्तीसगढ़ से वापस मध्यप्रदेश जाना चाहते थे, उन्हें किसी तरह रोका गया। अब संख्या 56 हजार के करीब पहुंच चुकी है। श्री अवस्थी के अनुसार अलग राज्य बनने के बाद कानून व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं के लिए पुलिस की कमी दूर करने तत्कालीन मुख्यमंत्री अजीत जोगी

के निर्देश पर बस्तर में पुलिसभर्ती के लिए वर्ष 2001 जुलाई-अगस्त में दंतेवाड़ा में पुलिस की नौवीं बटालियन का गठन किया गया। इसके बाद वर्ष 2002 में राज्य शासन ने सरगुजा में पुलिस भर्ती के लिए 10वीं बटालियन का गठन किया। इसके बाद पुलिस भर्ती करने केंद्र सरकार की मदद से आने वाले वर्षों में अलग-अलग जिलों में पुलिस बटालियन का गठन किया गया।

बटालियन की संख्या दो से बढ़कर 22 पहुंची

राज्य गठन के 25 वर्ष का सफर पूरा होने के बाद वर्तमान में पुलिस भर्ती के लिए बटालियन की संख्या दो से बढ़कर 22 तक पहुंच गई है। इन 22 बटालियन के माध्यम से हर वर्ष हजारों की संख्या में नए रंगरूट तैयार हो रहे हैं। तब राज्य में सात जिले थे, जो अब बढ़कर 33 हो गए हैं, साथ ही राज्य में जनसंख्या बढ़ी है।

आईजी, एसएसपी से आयुक्त प्रणाली की ओर अग्रसर

राजधानी में बढ़ते अपराध तथा अपराध के बदलते तरीके को देखते हुए राज्य सरकार रायपुर में पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू करने जा रही है। इसे लेकर पूर्व पुलिस महानिदेशक का कहना है कि अपराधियों से निपटने पुलिस अफसरों को ज्यूडिशयल पावर की जरूरत है। देश के कई बड़े शहरों में अपराधियों से निपटने पुलिस कमिश्नरी प्रणाली लागू की गई है।

छुकछुक नहीं, सुपरफास्ट...

माल लदान से कमाई 450 करोड़ से पहुंची 5 हजार करोड़ के करीब, 70 से ज्यादा नई ट्रेनें

छत्तीसगढ़ और मंडल की स्थापना होने के बाद स्टेशनों में यात्री सुविधा के साथ कमाई भी बढ़ी

छत्तीसगढ़ को राज्य के रूप में स्थापित हुए आज पूरे 25 वर्ष पूरे हो गए हैं। इस बीच हर क्षेत्र में वृहद रूप में प्रदेश विकसित और समृद्ध हुआ है। इसमें भारतीय रेलवे रायपुर मंडल भी शामिल है। रायपुर सन 2003 तक बिलासपुर का हिस्सा रहा, जिसके बाद 1 अप्रैल 2003 से अलग होकर जब मंडल का गठन हुआ, इसके बाद रायपुर ने भी विकास का नया कीर्तिमान हासिल किया।

ललित राठोड़ ⏭ रायपुर

इन 25 वर्षों में जोन के नैरो गेज से ब्रॉड गेज के सफर को याद किया जाए, तो उस समय यात्री मेल एक्सप्रेस ट्रेनों की संख्या लगभग 105 हुआ करती थी और पैसेंजर ट्रेन लगभग 38 हुआ करती थी, जो अब वर्तमान में रायपुर से गुजरने वाली मेल एक्सप्रेस 162 और यात्री पैसेंजर ट्रेन 55 तक पहुंच चुकी हैं। मंडल के गठन समय में माल लदान आय लगभग 450 करोड़ हुआ करती थी, जो अब 4828.88 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है। इसके अलावा यात्रियों का फुटफॉल लगभग 20 हजार से अब मंडल का प्रतिवर्ष 05 करोड़ 09 लाख व रायपुर स्टेशन प्रतिवर्ष 2 करोड़ 51 लाख, इसके अलावा रायपुर स्टेशन पर प्रतिदिन फुट फॉल 69 हजार पहुंच गया है।

रायपुर मंडल की प्रतिदिन की कमाई अब 1 करोड़ 67 लाख

राज्य स्थापना के बाद जैसे रायपुर मंडल बना वैसी ही विकास के साथ-साथ कमाई भी रेलवे की बढ़ती गई है। 25 वर्ष पूर्व मंडल की प्रतिदिन कमाई लाखों में होती थी, लेकिन अब करोड़ में पहुंच चुकी है। रायपुर मंडल प्रतिवर्ष यात्री आय 607 करोड़ 82 लाख तक पहुंच गया है जब प्रतिदिन यात्री आय 1 करोड़ 67 लाख हो चुकी है। बता दें कि रायपुर के रेलवे स्टेशन का इतिहास 130 साल से भी पुराना है। 1888 में इसे बनाया गया था। मुख्य तौर पर खनिज परिवहन के लिए रायपुर की रेल लाइन का इस्तेमाल होता था। बंगाल और नागपुर रेलवे रायपुर स्टेशन का संचालन करते थे। 70 के दशक में इस रेल लाइन को बिजली से जोड़ा गया।

माल लदान में सबसे अधिक राजस्व अर्जित वाला जोन बना बिलासपुर: 22 साल पहले बिलासपुर में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोन की स्थापना हुई थी। इस दौरान बिलासपुर जोन ने 83.02 मिलियन टन माल लदान करते हुए 5344 करोड़ रुपए का राजस्व कमाया था। 22 साल बाद यानि वर्ष 2023-24 में माल लदान बढ़कर 236.02 मिलियन टन हो गया, जिससे 27795 करोड़ की आय रेलवे को हुई है। वर्ष 2003-04 में 83.02 मिलियन टन माल लदान का ग्राफ प्रतिवर्ष बढ़ते गया।

अब दिन में यात्रियों की आवाजाही हुई 60 हजार से अधिक

बिलासपुर जोन के साथ रायपुर मंडल के स्टेशनों में सुविधा भी 25 वर्षों में बढ़ी है इसलिए पहले रायपुर की गनती ए से एफ श्रेणी के स्टेशनों में होती थी, अब ए वन में होती है। पहले मंडल में आरक्षण केंद्र 18 थे अब 42 है। अनारक्षित टिकट केंद्र 21 से 64 बन गए। रूट किलोमीटर 355.8 से 412 तक हो चुका है। ट्रैक किलोमीटर भी 881.8 से 1064 तक पहुंच चुका है। जानकारी मुताबिक 2003 के समय में माल लदान 19.14 मिलियन टन होता थाज जो अब 44.73 मिलियन टन हो चुका है। इस वजह से पहले जहां प्रतिदिन 20 से 25 हजार तक यात्रियों की आवाजाही होती थी, जो अब प्रतिवर्ष यात्रियों की संख्या जाने वाले 1 करोड़ 09 लाख आने वाले 1 करोड़ 37 लाख हो चुकी है। प्रतिदिन में आने और जाने वाले यात्री अब 60 हजार से भी अधिक हैं।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

फैक्ट फाइल

प्रमुख घटनाएं

12 जुलाई 2009, कोरकोट्टी हमला: एसपी विनोद चौबे समेत 29 जवान शहीद

कोहका विस्फोट: आईटीबीपी के 3 जवान शहीद

पुरदौनी मुठभेड़ (2019): सब-इंस्पेक्टर श्याम किशोर शर्मा शहीद, 4 नक्सली ढेर

गातापार हमला: सब-इंस्पेक्टर युगल किशोर वर्मा समेत 3 जवान शहीद

कटेमा नरसंहार (2017): दो ग्रामीणों की जघन्य हत्या

छुरिया क्षेत्र: नक्सलियों ने 9 ग्रामीणों को मौत की सजा सुनाई

मानपुर से कवर्धा और मंडला तक कॉरिडोर

नक्सलियों ने राजनांदगांव से लेकर कवर्धा जिले को दो डिवीजन में विभाजित किया है। जिसमें गोंदिया, राजनांदगांव और बालाघाट (जीआरबी) तथा कवर्धा-बालाघाट (केबी डिवीजन) शामिल है। जीआरबी डिवीजन में मलाजखंड और दर्रेकसा के अलावा टाडा दलम का मूवमेंट रहता है। इसी तरह केबी डिवीजन में भोरमदेव, खटियामोचा दलम सक्रिय है। नक्सलियों ने मानपुर से मंडला तक रेड कॉरिडोर बनाने की साजिश रची थी, लेकिन अब यह पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है।

हमें विभाजन में मिला था रेड कॉरीडोर, 25 साल बाद जंगलों में लौटी मुस्कान

सचिन अग्रहरि ▶▶| राजनांदगांव

राजनांदगांव से मानपुर तक नक्सलियों का था आतंक, अब गोली नहीं हंसी की गूंज

छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के साथ जहा एक ओर छत्तीसगढ़ियों का दशकों पुराना सपना पूरा हुआ, वहीं इस नए राज्य को विरासत में मिला था 'रेड कॉरिडोर'। राजनांदगांव, कवर्धा और बस्तर के घने जंगलों में फैला यह इलाका कभी नक्सलियों का गढ़ माना जाता था। राज्य निर्माण के शुरुआती वर्षों में नक्सल संगठन इतने प्रभावी थे कि कई गांवों में शासन का अस्तित्व लगभग समाप्त हो गया था। अविभाजित राजनांदगांव ▶▶शेष पेज 5 पर

राज्य स्थापना के 25 वर्ष

पहले थे दो दर्जन से ज्यादा नक्सल दलम

घने जंगलों और ऊंचे पहाड़ों वाले राजनांदगांव जिले में नक्सलियों ने अपना ठिकाना बनाया। राजनांदगांव के दक्षिणी इलाके मोहला-मानपुर में महाराष्ट्र के गढ़चिरौली सीमा पर चातगाव दलम, पेंड्री दलम, औंधी दलम, मोहला दलम, मदनवाड़ा दलम समेत अन्य दलम सक्रिय थे। इसी तरह महाराष्ट्र के गोंदिया जिले की सीमा पर देवरी दलम सक्रिय ▶▶शेष पेज 5 पर

बार्डर में सिमटे नक्सल संगठन

लगातार संघर्ष के बीच नक्सल संगठन सिर्फ बार्डर इलाके में ही सीमित है। मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के सीमावर्ती इलाकों में ही नक्सलियो की आवाजाही की जानकारी मिल रही है। हालांकि केंद्र सरकार ने राजनांदगांव, खैरागढ़ और कवर्धा जिले को नक्सल मुक्त कर दिया है। वहीं मोहला-मानपुर जिले को आंशिक की श्रेणी में रखा गया है।

बलिदानों की गाथा

12 जुलाई 2009 की याद आज भी ताजा

राजनांदगांव की धरती ने नक्सलवाद से लड़ते हुए अनेक सपूतों की शहादत देखी है। 12 जुलाई 2009, कोरकोट्टी हमला हुआ था। इसमें एसपी विनोद चौबे समेत 29 जवान शहीद हुए थे। इसके अलावा मुरूम गांव से वापस लौटते कोहका में तैनात आईटीबीपी के 3 जवान भी विस्फोट में शहीद हुए थे। डोंगरगढ़ इलाके में गश्त से लौटते वक्त घात लगाकर नक्सलियों ने एक वाहन को उड़ा दिया था। जिसमें संजय शर्मा नामक नौजवान शहीद हो गया था। इस घटना में एएसपी मनोज खिलाड़ी को भी काफी गंभीर चोट पहुंची थी।

गुजरात के एकता नगर में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के पास राष्ट्रीय एकता दिवस परेड के बाद संबोधन

मोदी गरजे, कहा- पटेल की नहीं मानी बात नेहरू ने करवाया कश्मीर का विभाजन

एजेंसी ▶▶| एकता नगर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि सरदार पटेल अन्य रियासतों की तरह पूरे कश्मीर को भी भारत में मिलाना चाहते थे, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने ऐसा नहीं होने दिया और कश्मीर का विभाजन करवा दिया। सरदार पटेल का मानना था कि इतिहास लिखने में समय बर्बाद नहीं करना चाहिए बल्कि इतिहास बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के एकता नगर में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के पास राष्ट्रीय एकता दिवस परेड के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि अंग्रेजों ने वंदे मातरम् पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की, लेकिन कभी सफल नहीं हुए। मोदी ने कहा- जो काम अंग्रेज नहीं कर पाए, वह कांग्रेस ने कर दिया। कांग्रेस ने धार्मिक आधार पर वंदे मातरम् के एक हिस्से को हटा दिया। इसका मतलब है कि कांग्रेस ने समाज को विभाजित किया और ब्रिटिश एजेंडे को आगे बढ़ाया। मोदी ने कहा कि आजादी के बाद सरदार पटेल ने 550 से अधिक रियासतों का भारत संघ में विलय कराने का असंभव सा लगने वाला कार्य पूरा किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने जो नीतियां बनाईं, जो निर्णय लिए, उन्होंने नया इतिहास रच दिया। मोदी ने कहा, ''एक भारत, श्रेष्ठ भारत का विचार उनके लिए सर्वोपरि था।

नेहरू के कारण कश्मीर का विभाजन हुआ

कांग्रेस पर हमला करते हुए मोदी ने कहा कि कश्मीर और देश को इस मुद्दे से निपटने में पार्टी की गलतियों की भारी कीमत चुकानी पड़ी है। उन्होंने कहा, ''सरदार पटेल अन्य रियासतों की तरह पूरे कश्मीर का एकीकरण करना चाहते थे लेकिन नेहरू जी ने उनकी इच्छा पूरी नहीं होने दी। कश्मीर का विभाजन हुआ, उसे अलग संविधान और अलग झंडा दिया गया और कांग्रेस की इस गलती का खामियाजा देश को दशकों तक भुगतना पड़ा।

छत्तीसगढ़ सहित 10 राज्यों की झांकियां शामिल

गुजरात के केवडिया में गणतंत्र दिवस पर होने वाली परेड की तरह ही राष्ट्रीय एकता परेड हो रही है। इसमें 10 झांकियां निकाली गईं। इनमें एनडीआरएफ, एनएसजी, जम्मू-कश्मीर, अंडमान और निकोबार, पुडुचेरी, महाराष्ट्र, गुजरात, मणिपुर, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड की झांकियां शामिल हुईं। इस दौरान वायुसेना की सूर्यकिरण टीम ने फ्लाई पास्ट किया। एनएसजी का हेल मार्च, सीआरपीएफ और गुजरात पुलिस की महिला विंग राइफल ड्रिल, बीएसएफ का डॉग शो और असम पुलिस का मोटरसाइकिल स्टंट शो भी हुआ।

घुसपैठिए देश की सुरक्षा के लिए खतरा- मोदी

मोदी ने कहा कि आज देश की एकता और आंतरिक सुरक्षा को बहुत बड़ा खतरा घुसपैठियों से भी है। देश के भीतर दशकों से विदेशी घुसपैठिए आते रहे, वो देश के संसाधनों पर कब्जा करते रहे। डेमोग्राफी का संतुलन बिगाड़ते रहे। देश की एकता दांव पर लगाते रहे हैं, लेकिन पुरानी सरकारें इतनी बड़ी समस्या पर आंखें मूंदे रहीं। वोटबैंक की राजनीति के लिए राष्ट्र की सुरक्षा को जान-बूझकर खतरे में डाल दिया।

देश ने निर्णायक लड़ाई लड़ने की ठानी

आगे कहा कि अब देश ने पहली बार इस बड़े खतरे के खिलाफ भी निर्णायक लड़ाई लड़ने की ठानी है। लाल किले से मैंने डेमोग्राफी मिशन का ऐलान किया है, लेकिन आज जब हम इस विषय को गंभीरता से उठा रहे हैं, तो कुछ देशहित से ज्यादा आने स्वार्थ को ऊपर रख रहे हैं। ये लोग घुसपैठियों को अधिकार दिलाने के लिए राजनीतिक लड़ाई लड़ रहे हैं।

राज्य गठन के पहले वर्ष केवल एक नक्सली की हुई थी मौत 25 वर्ष में हुए 1541 ढेर

25 साल बाद बदली बस्तर की फिजा, नक्सल प्रभावित सात जिले में चार हुए मुक्त, सुकमा, बीजापुर व नारायणपुर में गिनती के बचे नक्सल कैडर

राजेश दास ▶▶| जगदलपुर

छत्तीसगढ़ राज्य के गठन को 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं। 2000 में मध्यप्रदेश से विभाजन के बाद अस्तित्व में आए इस राज्य को बस्तर के रूप में वह इलाका मिला था जो दशकों से नक्सल हिंसा का पर्याय बन चुका था। बस्तर की यह यात्रा सिर्फ भूगोल का नहीं, बल्कि मनोबल और परिवर्तन का भी इतिहास है। जहां लाल आतंक की धरती अब विकास की हरियाली और लोगों की मुस्कान में बदल रही है। 25 वर्ष पूर्व मध्यप्रदेश से विभाजन के बाद अस्तित्व में आया छतीसगढ़ का बस्तर संभाग नक्सल ▶▶शेष पेज 5 पर

राज्य स्थापना के 25 वर्ष

3404	मुठभेड़ें हुईं
1541	नक्सली ढेर
1315	जवानों ने शहादत दी
1817	निर्दोष ग्रामीणों की जान गई
13,416	नक्सली गिरफ्तार
7826	ने आत्मसमर्पण किया
3327	हथियार बरामद
4312	जिंदा आईईडी डिफ्यूज
1265	आईईडी ब्लास्ट

तीन जिले में सिमटा नक्सलवाद

18 हजार वर्ग, किमी से अधिक इलाके हुए नक्सल मुक्त

बस्तर संभाग के 43 हजार वर्ग किमी क्षेत्र में से लगभग 35 प्रतिशत इलाके में दशक भर पूर्व तक नक्सलियों का एकछत्र राज हुआ करता था। वर्तमान में लगातार खुल रहे पुलिस कैम्प व नक्सल विरोधी मुहिम के चलते 18 हजार वर्ग किमी से अधिक इलाके को नक्सल मुक्त करा लिया गया है। नक्सलियों के अधिकतर आधार क्षेत्र जो लाल गलियारे के रूप में जाने जाते थे, उसे मुक्त करते हुए नक्सलियों को खदड़ने में फोर्स कामयाब हो चुकी है। कभी नक्सलियों के आधार इलाके माने जाने वाले इलाके में जहां एक ओर लगातार विकास कार्य करते हुए लोगों को विश्वास पुलिस व प्रशासन जीत रही है। वहीं दूसरी ओर फोर्स को आपरेशन में भी लगातार सफलता मिल रही है।

आवारा कुत्तों के मामले में भड़का सुप्रीम कोर्ट

'सभी सचिव सो रहे हैं, आने दीजिये हम निपट लेंगे...'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

आवारा कुत्तों से जुड़ी याचिकाओं पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने राज्यों पर नाराजगी जताते हुए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को

व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा जब 3 नवंबर को इस मामले की अगली सुनवाई होगी, तब सभी मुख्य सचिवों को सशरीर पेश होना ही होगा। कोर्ट ने कहा कि सभी सचिव सो रहे हैं। व्यक्तिगत रूप से जब पेश होंगे तो हम उनसे निपट लेंगे। इसी के साथ कोर्ट ने राज्यों को फटकार भी लगाई।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि शीर्ष अदालत उन समस्याओं से निपटने की कोशिश में समय बर्बाद कर रही है, जिन्हें नगर निगम और राज्य सरकारों द्वारा वर्षों से हल किया जाना चाहिए था।

सभी मुख्य सचिव खुद आकर दें जवाब

सुनवाई के दौरान जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा जब हम मुख्य सचिवों से हलफनामा दाखिल करने के लिए कहते हैं, तो वे इस पर चुप्पी साधे रहते हैं। हमारे आदेश का कोई सम्मान नहीं है। ठीक है, उन्हें आने दीजिए। हम उनसे निपट लेंगे। उन्हें स्वयं आकर बताना होगा कि अनुपालन हलफनामा क्यों दाखिल नहीं किया गया। बता दें कि अब तक केवल दिल्ली, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना ने ही हलफनामे दाखिल किए हैं।

वर्चुअली पेश होने की मांगी थी इजाजत

सुप्रीम कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के इस निवेदन को मानने से मना कर दिया कि पश्चिम बंगाल और तेलंगाना को छोड़कर बाकी राज्यों के मुख्य सचिवों को आवारा कुत्तों के मामले में 3 नवंबर को कोर्ट के सामने वर्चुअली पेश होने की इजाजत दी जाए। मेहता ने जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच के सामने यह मामला उठाया, जिसने यह साफ कर दिया कि मुख्य सचिव को 3 नवंबर को कोर्ट के सामने खुद पेश होना होगा।

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

जांच एजेंसी वकीलों को नोटिस नहीं भेज सकतीं, एसपी से परमिशन लेनी जरूरी

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में कहा, 'जांच एजेंसियां किसी भी वकील को तब तक समन नहीं कर सकतीं, जब तक पुलिस अधीक्षक की लिखित मंजूरी न हो। यह कदम वकील और मुवक्किल के बीच की गोपनीयता के अधिकार की रक्षा के लिए जरूरी है। इस आदेश के साथ ही कोर्ट ने ईडी के सीनियर एडवोकेट अरविंद दातार और प्रताप वेणुगोपाल को भेजे गए समन को भी रद्द कर दिया। सीजेआई बीआर गवई, जस्टिस के. विनोद चंद्रन और जस्टिस एन.वी. अंजरिया की बेंच ने यह फैसला खुद से नोटिस मामले में सुनाया है। दरअसल, यह मामला ईडी के वकीलों अरविंद दातार और प्रताप वेणुगोपाल को मनी लॉन्ड्रिंग जांच में समन भेजने से जुड़ा

दार्जिलिंग महाकाल मंदिर में महिलाओं के लिए ड्रेस कोड

नई दिल्ली। दार्जिलिंग स्थित महाकाल मंदिर में लड़कियों के छोटे कपड़े पहनकर आने पर रोक लगा दी गई है। मंदिर प्रबंधन ने मंदिर की गरिमा और पवित्रता बनाए रखने के

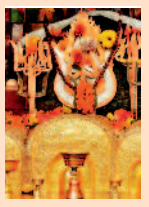

लिए ये निर्णय लिया है। मंदिर समिति ने दक्षिण भारत के मंदिरों की तर्ज पर ड्रेस कोड के इस फैसले को लागू किया गया है। मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर और दिल्ली के कालका जी मंदिर में भी यह नियम लागू हैं। अब दार्जिलिंग का महाकाल मंदिर देश का तीसरा ऐसा मंदिर बन गया है, जहां लड़कियों के छोटे कपड़े पहनकर आने पर रोक लगा दी गई है। मंदिर गेट के बाहर पोस्टर लगाए गए हैं, जिनमें लिखा है कृपया मंदिर में प्रवेश से पहले उचित परिधान धारण करें। शार्ट्स, मिनी स्कर्ट, स्लीवलेस टॉप प्रतिबंधित। इधर, समिति ने भक्तों की सुविधा के लिए डोनेशन काउंटर पर चूड़ीदार और घाघरा रखवाए हैं। जो अनजाने में छोटे कपड़े पहनकर आ जाएं, वे वहां से सस्ते दाम पर किराए पर ले सकते हैं।

चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और ईडी से मांगा जवाब

सुप्रीम कोर्ट ने दिया दस दिन का समय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की उस याचिका पर केंद्र और प्रवर्तन निदेशालय से शुक्रवार को जवाब मांगा, जिसमें धन शोधन निवारण अधिनियम के कुछ प्रावधानों और राज्य में कथित शराब घोटाले में जांच एजेंसी द्वारा की गई उनकी गिरफ्तारी को चुनौती दी गई है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने केंद्र और ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस. वी. राजू को 10 दिन के भीतर

याचिका पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति बागची ने राजू से पूछा, "गिरफ्तारी के आधार से ज्यादा यह कानून की व्याख्या का मामला है... आप आरोपी को कितने समय तक हिरासत में रख सकते हैं?" ईडी ने 18 जुलाई को चैतन्य बघेल को गिरफ्तार किया था।

सॉलिसिटर ने कोर्ट में रखा अपना पक्ष

सॉलिसिटर राजू ने दलील दी कि इस अदालत ने संघीय एजेंसी को जांच पूरी करने के लिए तीन महीने का समय दिया है और ईडी उसी दिशा में काम कर रही है। शीर्ष अदालत ने चार अगस्त को अमीर लोगों द्वारा सीधे कोर्ट में आकर आपराधिक मामलों में राहत मांगने के चलन की निंदा की थी। अदालत ने भूपेश बघेल और उनके बेटे से कहा था कि वे केंद्रीय जांच एजेंसियों द्वारा जांच किए जा रहे मामलों में राहत के लिए उच्च न्यायालय जाएं।

चीन-रूस को दिखाने ट्रंप करवाने जा रहे परमाणु बम टेस्ट

वाशिंगटन। अमेरिका एक बार फिर अपनी परमाणु ताकत का प्रदर्शन करने की तैयारी में जुट गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रक्षा मंत्रालय पेंटागन को जल्द से जल्द न्यूक्लियर टेस्ट शुरू करने का आदेश दिया है। इस

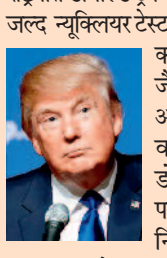

कदम का उद्देश्य चीन और रूस जैसी परमाणु शक्तियों के बराबर अपनी क्षमता को प्रदर्शित करना है। वहीं दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के परमाणु हथियार परीक्षण तुरंत फिर से शुरू करने के निर्देश पर विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यह आदेश वास्तविक विस्फोटक परमाणु परीक्षणों से संबंधित है, तो यह अमेरिका का अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और मानवता के लिए चिंताजनक कदम होगा। अमेरिका ने आखिरी बार 23 सितंबर 1992 को परमाणु परीक्षण किया था, जिसका नाम 'डिवाइडर' रखा गया था। यह उसका 1,030वां न्यूक्लियर टेस्ट था। यह परीक्षण नेवादा रेगिस्तान की रेनियर मेसा पहाड़ियों के नीचे करीब 2,300 फीट गहराई में किया गया था।

राज्य निर्माण के 25 सालों में छत्तीसगढ़ का आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से काफी विकसित

दो फ्लाइट से शुरू हुई थी उड़ान और अब छग के आकाश में 30 विमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

निर्माण के 25 सालों में छत्तीसगढ़ का आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से काफी विकास हुआ है। प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहे इस राज्य में परिवहन के साधन भी उसी रूप में विकसित हुए हैं। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2000 के पहले माना एयरपोर्ट से केवल दिल्ली और मुंबई की फ्लाइट संचालित होती थी। यह विमान भी उन शहरों से आकर क्रमशः नागपुर और विशाखापट्नम होकर लौटता था। आज की स्थिति में यहां से प्रतिदिन तीस विमान सुबह से लेकर रात तक आवाजाही कर रहे हैं। रायपुर हवाई मार्ग के जरिए चारों महानगरों के साथ दर्जनभर शहरों से कनेक्ट हो चुका है। रायपुर से अब राजधानी दिल्ली के लिए रोजाना आठ उड़ानें संचालित हो रही हैं।

राज्य स्थापना के 25 वर्ष

रायपुर में माना एयरपोर्ट अधिकारिक तौर पर 1975 से सक्रिय है। उस दौरान एक छोटी फ्लाइट रायपुर से जबलपुर, इंदौर, ग्वालियर होकर दिल्ली का सफर सात से आठ घंटे में पूरा करती थी। उस दौरान ▶▶शेष पेज 5 पर

2012 में हुआ नामकरण

जानकारों की मानें, तो द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान इसका उपयोग शुरू हुआ और 1942 में इसे विकसित किया गया। वर्ष 1975 में अधिकारिक तौर पर इसे सक्रिय किया गया। वर्ष 2012 में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने इसके नए एकीकृत टर्मिनल भवन का लोकार्पण किया था। करीब डेढ़ सौ करोड़ की लागत से इस डेढ़ हजार यात्रियों की क्षमता वाले इस भवन के उद्घाटन के साथ वर्ष 2012 में विमानतल का नामकरण दार्शनिक स्वामी विवेकानंद के नाम पर किया गया।

पहले दिल्ली और मुंबई से आकर नागपुर और विशाखापट्नम से होती थी वापसी

अब चारों महानगर के साथ दर्जनभर शहरों की नियमित फ्लाइट, सर्वाधिक आठ दिल्ली की

रोजाना 7 हजार यात्री

राज्य निर्माण के पहले रायपुर एयरपोर्ट से गिनती के यात्री सफर करते थे। अब की स्थिति में यहां से प्रतिदिन 6 से 7 हजार यात्रियों की आवाजाही होती है। यहां से कार्गो सेवा की शुरुआत भी की जा चुकी है और आने वाले दिनों में अंतरराष्ट्रीय विमान प्रारंभ करने की तैयारी है। राज्य में रायपुर के इस प्रमुख एयरपोर्ट के अलावा जगदलपुर और बिलासपुर में फ्लाइटों की आवाजाही के लिए विमानतल सक्रिय है। आने वाले दिनों में अंबिकापुर और रायगढ़ में भी विमान सेवा शुरू करने की तैयारी है।

चिंतन

आतंकवाद से निपटने को एकजुट हो दुनिया

विचार
रामविचार नेताम

भारत हमेशा से ही मानता रहा है कि आतंकवाद न केवल पूरी दुनिया बल्कि मानव सभ्यता के लिए घातक है, लेकिन अनेक देश तेरा आतंकवाद, मेरा आतंकवाद की सोच को लेकर इसके पोषण में लगे रहे। यही कारण रहा है कि आतंकी संगठन इतने मजबूत हो गए कि अनेक देशों का राजतंत्र ही उनके हाथों में चला गया। ऐसा ही एक आतंकी संगठन है अलकायदा। ये आतंकी संगठन अब अफ्रीका महाद्वीप में स्थित माली पर कब्जे के करीब पहुंच गया है। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि कुछ ही दिनों में माली की सत्ता अलकायदा के हाथों में होगी। यह देश लंबे समय से आतंकी हिंसा और नाकेबंदी का सामना कर रहा है। माली में नागरिक सरकार के पतन के बाद विद्रोहियों ने रूस और चीन की मदद से सरकार चलाने की कोशिशें की थी, लेकिन वो नाकाम रहे। इस बीच अलकायदा के आतंकवादियों ने मौका देखकर राजधानी बमाको को घेर लिया। उन्होंने राजधानी में ईंधन की सप्लाई रोक दी है। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि जल्द ही बमाको पर अलकायदा कब्जा कर लेगा। इसी के साथ पूरा माली उनके नियंत्रण में होगा। दर्जनों देशों अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, इटली, जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया ने अपने नागरिकों को तुरंत माली छोड़ने को कहा है। पश्चिम अफ्रीका में स्थित माली चारों ओर से जमीन से घिरा देश है जिसकी सीमाएं अल्जीरिया, नाइजर, बुर्किना फ़ासो, कोट डी आइवर, गिनी, सेनेगल और मॉरिटानिया से लगती हैं। अल-कायदा से जुड़े एक आतंकवादी समूह, जमात नुसरत अल-इस्लाम वाल-मुस्लिमीन ने सितंबर में ईंधन नाकेबंदी की घोषणा की थी। इसके बाद से ही माली एक अभूतपूर्व संकट की चपेट में है। किसी भी समय अलकायदा इस पर कब्जे का ऐलान करने वाला है। अलकायदा 1988 में ओसामा बिन लादेन और उसके सहयोगी मोहम्मद अतेफ द्वारा सोवियत आक्रमण के खिलाफ अफगानिस्तान में लड़ने वाले अरबों को एक साथ लाने के लिए बनाया गया था। यह वैश्विक नेटवर्क के लिए एक केंद्र बिंदु के रूप में कार्य करता है। इसके 60 से अधिक देशों में आतंकवादी सेल शामिल हैं। अलकायदा ने अफगानिस्तान, पाकिस्तान और संयुक्त राज्य अमेरिका विशेष रूप से ब्रुकलिन में अलकिफा शरणार्थी केंद्र सहित दुनिया के विभिन्न हिस्सों में कार्यालय बना रखे बताए जा रहे हैं। पश्चिम के प्रभाव के खिलाफ इस्लामिकता को जोर देने वाले इस संगठन की वैश्विक पहुंच है। अल्जीरिया, मिस्र, मोरक्को, तुर्की, जॉर्डन, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, सीरिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश, मलेशिया, म्यांमार, इंडोनेशिया, फिलीपींस का मिंडानाओ, लेबनान, इराक, सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन, यमन, लीबिया, ट्यूनीशिया, बोस्निया, कोसोवो, चेचन्या, दागिस्तान, सूडान, सोमालिया, केन्या, तंजानिया, अजरबैजान, इरिट्रिया, युगांडा, इथियोपिया, इसके सेल बताए जा रहे हैं। हाल की रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि अलकायदा ने रासायनिक और जैविक युद्ध के प्रयोग भी शुरू कर दिए हैं। वो अलग-अलग देशों में अपने कैंप में ऐसे प्रयोगों को कर रहा है, जो पूरी दुनिया के लिए घातक होंगे। इन्हें रोकने के लिए जरूरी है कि पूरी विश्व बिरादरी एकजुट होकर आतंकवाद का विरोध करे और इन संगठनों को खत्म करने के लिए एकजुट हो। नहीं तो वो दिन दूर नहीं, जब ये संगठन दुनियाभर में तबाही का कारण बनेंगे।

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा

> गीतों में, स्मारकों में, कथाओं में और आदिवासी चेतना के हर नारे में। "धरती आबा" यानी धरती का पिता। यह संबोधन केवल सम्मान नहीं बल्कि, उस भाव विश्व का प्रतीक है, जिसमें भूमि, जल, जंगल, समाज और ईश्वर सभी एक ही जीवनचक्र के अविभाज्य अंग हैं। बिरसा मुंडा लोक स्मृति में किसी देवता की तरह प्रतिष्ठित हुए हैं। वे लोकगीतों में "धरती के रक्षक" ''अंधकार में प्रकाश" और "अपनों की अस्मिता के रखवाले" के रूप में गाए जाते हैं। उनकी यह छवि इतिहास से अधिक जन विश्वास में जीवित है, क्योंकि इतिहास उनके संघर्ष को सीमित रूप में लिखता है, लेकिन लोकगीत उसे आत्मा से जीता है।

इतिहास के पन्नों में बिरसा मुंडा का नाम भले ही 25 वर्ष की छोटी आयु में समाप्त हो गया हो, परंतु लोक जीवन में वे आज भी जीवित हैं। गीतों में, स्मारकों में, कथाओं में और आदिवासी चेतना के हर नारे में। "धरती आबा" यानी धरती का पिता। यह संबोधन केवल सम्मान नहीं बल्कि, उस भाव विश्व का प्रतीक है, जिसमें भूमि, जल, जंगल, समाज और ईश्वर सभी एक ही जीवनचक्र के अविभाज्य अंग हैं। बिरसा मुंडा लोक स्मृति में किसी देवता की तरह प्रतिष्ठित हुए हैं। वे लोकगीतों में "धरती के रक्षक" ''अंधकार में प्रकाश" और "अपनों की अस्मिता के रखवाले" के रूप में गाए जाते हैं। उनकी यह छवि इतिहास से अधिक जन विश्वास में जीवित है, क्योंकि इतिहास उनके संघर्ष को सीमित रूप में लिखता है, लेकिन लोकगीत उसे आत्मा से जीता है। झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा और बिहार के जनपदों में बिरसा मुंडा से जुड़ी कई लोककथाएं और लोकगीत आज भी प्रचलित हैं। इनमें उन्हें ईश्वर समान लोकदेव के रूप में स्मरण किया जाता है। एक प्रचलित मुंडारी गीत प्रस्तुत है-

"धरती आबा बिरसा रे,
जंगल-पानी के रखवाला रे।
हुलगुलान में जनम लइला,
दिकू राज के तोड़ डाला रे।"

यह गीत उनके विद्रोह को एक पवित्र कर्म के रूप में प्रस्तुत करता है। यहां "दिकू" शब्द बाहरी शोषक के लिए है और "हुलगुलान" (उलगुलान) सामाजिक-आर्थिक अन्याय के विरुद्ध जनक्रांति का प्रतीक बन जाता है। आदिवासी महिलाओं के गीतों में बिरसा "भाई", "पति", या "धरती के लाल" के रूप में पुकारे जाते हैं। कई गीतों में उनकी गिरफ्तारी और मृत्यु का करुण चित्र मिलता है -

"रांची जेल में बिरसा सोवेला,
ओ धरती आबा उठ जा रे,
हमर खेत, हमर जंगल पुकारत हवे।"

इन गीतों में ऐतिहासिक दुःख लोक-शोक में बदल जाता है। वे केवल बिरसा की मृत्यु नहीं गाते, बल्कि उस भूगोल का विलाप करते हैं, जहां जंगल और आदमी दोनों कैद हो गए। लोक कथाओं में कहा जाता है कि बिरसा जब पहाड़ों में प्रवचन देते थे, तो पेड़-पौधे झुक जाते थे, हवा थम जाती थी और पक्षी उनका नाम जपते थे। कई जनश्रुतियों के अनुसार- मृत्यु के बाद वे "धरती में विलीन" नहीं हुए, बल्कि "धरती में समा गए" यही कारण है कि लोग उन्हें "धरती आबा" कहते हैं। इन जनश्रुतियों में इतिहास मिथक का रूप लेता है और मिथक लोक आस्था का। इस प्रकार बिरसा का व्यक्तित्व इतिहास और धर्म के बीच पुल बन जाता है। एक ऐसा लोक ईश्वर, जो न्याय और अस्मिता दोनों का प्रतीक है। 19वीं सदी के अंतिम दशकों में छोटा नागपुर का भू-सामाजिक ढांचा तेजी से बदल रहा था। अंग्रेजी शासन ने परंपरागत "खूंटकट्टी" भूमि-प्रणाली को तोड़ा और भूमिहीनता फैली। 'दिकू' (बाहरी व्यापारी, महाजन, जमींदार) आदिवासी भूमि पर कब्जा करने लगे। यही वह पृष्ठभूमि थी, जहां बिरसा के नेतृत्व में स्वराज समान चेतना जन्मी। 1895-97 बिरसा ने धार्मिक सुधार आंदोलन शुरू किया, जिसमें शराबबंदी, पशुबलि का विरोध और शुद्ध आचरण का प्रचार। 1897-98 में उन्होंने सामाजिक संगठन को राजनीतिक स्वर दिया। "अबुआ

राज" (अपना राज) की घोषणा हुई। 1899-1900 में उलगुलान अपने चरम पर पहुंचा। सैकड़ों गांवों ने भाग लिया। ब्रिटिश थानों और गिरजाघरों पर हमले हुए। इस चरण में बिरसा के अनुयायी 'बिरसाइत' कहलाए। वे किसी बाहरी शासन को अस्वीकार करते हुए 'धरती के अपने कानून' को सर्वोपरि मानते थे। ब्रिटिश सरकार ने आंदोलन को कुचलने के लिए विशेष सैन्य बल भेजा। सैकड़ों गांव जलाए गए, सैकड़ों लोग मारे गए। मार्च 1900 में बिरसा को जमकोपाई जंगल से गिरफ्तार किया गया और रांची जेल में डाल दिया गया।

09 जून 1900 को उनकी मृत्यु हो गई। केवल 25 वर्ष की आयु में। परंतु इस "पराजय" ने भी आंदोलन को अमर बना दिया। उनकी शहादत ने आदिवासी आत्म-गौरव को वह स्वर दिया जो आगे चलकर स्वतंत्रता आंदोलन में गूंज उठा। बिरसा के आंदोलन ने जो शब्दावली रची वह आज भी आदिवासी राजनीतिक और सांस्कृतिक आंदोलनों की आत्मा है। "अबुआ राज एते जना, महारानी राज तुन्दु जना" (अब हमारा राज होगा, रानी का नहीं)। "जंगल, जल, जमीन" यह तीन शब्द आज भी भारत के आदिवासी आंदोलनों की रीढ़ हैं। लोकगीतों में बिरसा को "धरती का कानून" कहा जाता है अर्थात वह न्याय जो किसी शासन से नहीं बल्कि प्रकृति और समाज से जन्म लेता है। इस नजरिए से उलगुलान केवल विद्रोह नहीं था, बल्कि एक "लोकन्याय दर्शन" था, जिसमें जीवन और प्रकृति की एकता सर्वोपरि थी। बिरसा मुंडा ने धर्म और संस्कृति को प्रतिरोध का आधार बनाया। उन्होंने कहा "ईश्वर एक है और वह धरती में बसता है।" उनकी इस धारणा ने मुंडा समाज में एक नई धार्मिक धारा को जन्म दिया। बिरसाइत पंथ जो आज भी झारखंड और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में जीवित है। इस पंथ की विशेषताएं हैं -

एकेश्वरवाद- जो सत्य, संयम, श्रम और सामुदायिक जीवन का आदर्श है। बाहरी धार्मिक हस्तक्षेप का विरोध, समाज में समानता और नारी-सम्मान। इस पंथ ने आदिवासी समाज को आत्म परिचय का भाव दिया, और " ईसाई या हिंदू " होने के दबाव से मुक्त किया। भारतीय साहित्य, विशेषकर हिंदी, उर्दू और आदिवासी भाषाओं में बिरसा मुंडा एक प्रतीक बन चुके हैं। महाश्वेता देवी के उपन्यास "अरण्योर अधिकार" में बिरसा का जीवन-संघर्ष महाकाव्य रूप में उभरता है। रामदयाल मुंडा, जयपाल सिंह मुंडा, और नंदलाल पुरोहित जैसे रचनाकारों ने उनके जीवन को लोकगाथा और आधुनिक इतिहास के बीच सेतु बनाया। छत्तीसगढ़ी, मुंडारी, नागपुरी भाषा में बिरसा पर अनेक गीत और नाट्य रूपांतरण हुए हैं। इन रचनाओं में बिरसा केवल एक नेता नहीं बल्कि लोकनायक हैं जो धरती के अधिकारों के लिए लड़े और स्वयं धरती का प्रतीक बन गए। आज भारत में जब हम "जनजातीय गौरव दिवस" (15 नवम्बर) मनाते हैं तो यह केवल एक स्मृति दिवस नहीं है। यह लोक समानता की पुकार है। बिरसा का दर्शन हमें बताता है कि विकास का अर्थ जंगल काटना नहीं, बल्कि जंगल के साथ जीना है। उनका संघर्ष हमें यह भी सिखाता है कि संस्कृति का सम्मान किए बिना कोई भी आधुनिकता टिकाऊ नहीं हो सकती। उनकी विचारधारा आज भी भारत के कई आदिवासी आंदोलनों में गूंजती है। जैसे- नर्मदा बचाओ आंदोलन, झारखंड राज्य आंदोलन, डोंगरिया कोंधों का वनाधिकार संघर्ष, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में जल, जंगल, जमीन के अधिकार हेतु जन आंदोलन। इन सबके पीछे बिरसा की दी हुई चेतना आज भी सक्रिय है। एक मौन किंतु जीवंत प्रेरणा के रूप में। मैं उनके लोकगीतों का स्मरण करते हुए यही कहना चाहूंगा कि धरती आबा बिरसा, तोरे नाम से उजियार,

तोरे लहू से जनम लइला, हमर आत्म-अभिमान संसार।

लेखक- मंत्री, आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग, मछलीपालन, पशुधन विकास छ.ग. शासन, नवा रायपुर (छ.ग.)।

सारा संसार

लोहागढ़ किला समुद्र तल से 3400 फीट की ऊंचाई पर स्थित यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल और महाराष्ट्र की प्रमुख ऐतिहासिक धरोहर में से एक है। महाराष्ट्र का यह प्रसिद्ध किला पुणे से लगभग 52 किलोमीटर और लोनावाला हिल स्टेशन से लगभग 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं। महाराष्ट्र के प्रमुख किले में में से एक लोहागढ़ का किला 18 वीं शताब्दी का किला हैं जोकि ऐतिहासिक महत्व के साथ साथ अलग-अलग समय में कई राजवंशों के लिए शक्ति का प्रमुख केंद्र रहा है। लोहागढ़ किला अपने आप में एक विशाल संरचना है जो कभी शक्तिशाली मराठा साम्राज्य के नियंत्रण में था। माना जाता हैं कि यह वही किला हैं जिसमे छत्रपति शिवाजी महाराज अपना खजाना रखते थे।

युवा शक्ति के 25 स्वर्णिम वर्ष

बृजमोहन अग्रवाल

छत्तीसगढ़ की रजत जयंती 'एक गौरवगाथा'

छत्तीसगढ़ अब अपने स्थापना के 25 वर्ष पूरे करने जा रहा है। एक युवा राज्य, जो अपनी संस्कृति, संसाधन और संघर्ष की शक्ति के बल पर नए भारत के विकास का प्रतीक बन चुका है। यह अवसर केवल उत्सव का नहीं, बल्कि उन सपनों को याद करने का भी है, जिनके बीज भारत रत्न श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने बोए थे। उनकी दूरदृष्टि और आत्मविश्वास ने इस धरती को उसकी अपनी पहचान दी, 'छत्तीसगढ़ राज्य' के रूप में।

पौने तीन दशक की यह यात्रा किसी साधारण प्रदेश की कहानी नहीं है। यह उस मिट्टी का गौरवगान है जिसने अपने परिश्रम, अपने विश्वास और अपनी अस्मिता से असंभव को संभव किया। आज जब हम रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, तो यह गर्व से कह सकते हैं कि छत्तीसगढ़ केवल 25 वर्ष का राज्य नहीं, बल्कि 25 वर्षों का अनुभव, ऊर्जा और आत्मविश्वास से भरा हुआ युवा प्रदेश है, जिसकी आंखों में नए भारत का उज्जवल सपना झिलमिला रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में जिस दृढ़ संकल्प से इस प्रदेश ने लाल आतंक पर निर्णायक प्रहार किया है, वह अपने आप में इतिहास बन गया है। कभी भय और असुरक्षा से जूझता यह प्रदेश आज विकास के सूरज से आलोकित है। आत्मनिर्भरता, सुशासन और सुरक्षा, इन तीन स्तंभों पर अब नया छत्तीसगढ़ मजबूती से खड़ा है। 1 नवंबर को जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी रजत जयंती समारोह में सम्मिलित होंगे, तो यह उन सभी स्वप्नदृष्टाओं के प्रति श्रद्धांजलि होगी जिन्होंने छत्तीसगढ़ को उसकी अस्मिता दी। वहीं 5 नवंबर को रायपुर के आसमान में भारतीय वायुसेना की 'सूर्य किरण एरोबेटिक टीम' का भव्य हवाई प्रदर्शन इस उत्सव को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। यह केवल आकाश में रंगों की परतें नहीं होंगी, बल्कि एक संदेश होगा कि छत्तीसगढ़ अब खुले आसमान में आत्मविश्वास के साथ उड़ान भरने को तैयार है इस रजत जयंती पर, एक जनप्रतिनिधि के रूप में मैं यह प्रण करता हूं कि यह यात्रा अब स्वर्णिम युग की ओर अग्रसर होगी। हमारी युवा शक्ति का जोश, मातृशक्ति का संकल्प, किसानों की कर्मनिष्ठा और उद्यमियों का कौशल, ये सभी मिलकर आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ को भारत की विकास गाथा का अग्रदूत बनाएंगे। छत्तीसगढ़ अब सीमाओं में बंधा राज्य नहीं, बल्कि नई संभावनाओं की पहचान बन चुका है। इस रजत जयंती अवसर पर हम सभी यह संकल्प लें कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और नारी सशक्तिकरण के मार्ग पर अपने इस राज्य को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएँगे।

लेखक - रायपुर लोकसभा सांसद एवं पूर्व मंत्री छत्तीसगढ़ शासन

योगः कर्मसु कौशलम

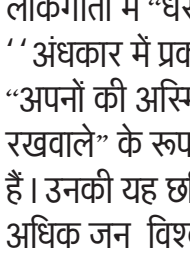

संकलित
दर्शन

चित्तवृत्ति का भगवान में विलीन हो जाना योग है। यह महायोग बनता है भगवान की अहैतुकी कृपा से! श्रीरामचरितमानस में जहां भी योग है, वह केवल ईश्वर विषयक ही है। उसका सात्विक प्रयोजन और कोई नहीं है। श्री भरत चित्रकूट में भगवान के हृदय से मिलकर शून्य स्थिति को प्राप्त हो गए। न बुद्धि की सत्ता रही, न मन की चंचलता। चित्त में कोई संस्कार शेष न रहा। यही स्थिति योगी की होती है। वह योग करते-करते ईश्वर से एकाकार होकर प्रेम रस से भर जाता है। उसकी वाणी अवरुद्ध हो जाती है और मन रिक्त हो जाता है। भक्त का योग जब भगवान से होता है, मन, बुद्धि और चित्त के साथ साधन अहं शून्य हो जाता है। मन, बुद्धि, चित्त और अहं की स्वीकृति केवल साधन काल में ही होती है, पर साध्य की परम प्राप्ति में इनकी विस्मृति ही योग है। श्रीमद्भगवद्गीता के सभी 18 अध्याय योग हैं। अर्जुन विषाद योग से प्रारंभ होकर गीता की 18 योगों की नदियां मोक्ष संन्यास योग बनकर श्रीकृष्ण समुद्र में जाकर पूर्णता को प्राप्त हो जाती हैं। द्वापर में जितना भार श्रीकृष्ण ने उठाया, उतना त्रेता में श्रीराम को नहीं उठाना पढ़ा, क्योंकि श्रीराम के साथ के लोग अनुकूल थे। उनका काल उनके अनुकूल था, जबकि भगवान कृष्ण को तो सारी गीता सुना-समझाकर, अपनी योगस्थिति को बाजी पर लगाकर अर्जुन से कहना पड़ा कि जितने धर्म मैंने तुझे बताए हैं, तू उन सबको छोड़कर मेरी शरण में आ जा, मैं तुझे सारे पापों से मुक्त कर तुझे भी मुक्त कर दूंगा।

तुलसीदास जी द्वारा विप्रचंद ब्राह्मण पर कृपा

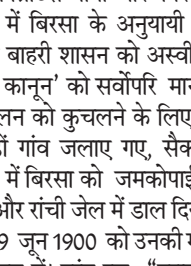

संकलित
प्रेरणा

एक बार एक विप्रचंद नामक ब्राह्मण से हत्या हो गयी और उस हत्या के प्रायश्चित के लिए वह अनेक तीर्थों में घूमता हुआ काशी आया। वह मुख से पुकार कर कहता थाः राम राम! श्री गोस्वामी जी ने उसके मुख से अपने इष्टदेव का अतिसुंदर राम नाम सुनकर उसे अपने निवास स्थान पर बुला लिया और उसे हृदय से लगा लिया। फिर उसे अपनी पंक्ति में बैठकर प्रसाद पवाया, जिससे वह शुद्ध हो गया। काशी के ब्राह्मणों ने जब यह बात सुनी तो उन्होंने एक सभा की और उसमें गोस्वामी जी को बुलवाया। सभी पंडितो ने गोस्वामी जी से पूछा कि प्रायश्चित पूरा हुए बिना ये ब्राह्मण कैसे शुद्ध हो गया? भगवन्नाम के प्रताप से ही यह ब्राह्मण भी शुद्ध हो गया। गोस्वामी जी ने पूछा कि फिर आपको कैसे होगा वह उपाय कहिये? इसपर ब्राह्मणों ने कहाः यदि इस व्यक्ति के हाथ से भगवान शंकर के नंदी जी प्रसाद खा लें तो हम लोग इसे अपनी जाति, पंगति में ले अथवा नहीं। सब लोग काशी में ज्ञानवापी नदी के तट पर पहुंचे जहाँ शर्त रखी गयी थी। श्री गोस्वामी जी ने नन्दीश्वर से कहाः हे नंदीश्वर ! यदि यह ब्राह्मण राम नाम के प्रताप से शुद्ध हो गया है तो आप इसके हाथ से प्रसाद स्वीकार करके नाम की महिमा को प्रमाणित कीजिये। नन्दीश्वर ने प्रसन्नता के साथ प्रसाद स्वीकार कर लिया। इस चमत्कार को देखकर सभी श्री रामचंद्र जी की एवं रामनाम की जय जयकार करने लगे और श्रीतुलसीदास जी की नामनिष्ठा पर बलिहार हो गए।

अंतर्मन

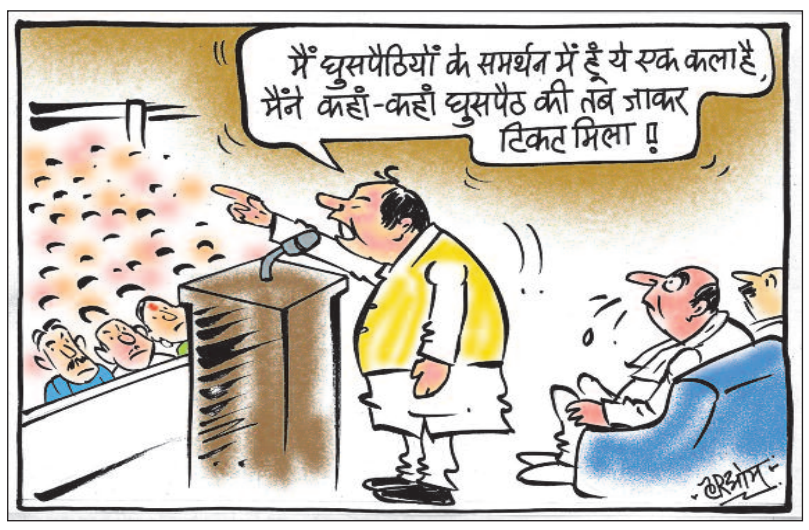

आज की पाती

अपशिष्ट प्रबंधन के ठोस उपाय करना जरूरी

कम करें, पुनः उपयोग करना, रीसायकल करना एक ऐसा टिकाऊ अपशिष्ट प्रबंधन है, जो सामाजिक रूप से स्वीकार्य और पर्यावरण के अनुकूल है। अपशिष्ट उत्पाद आज दुनिया की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है। यह दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित करने वाले प्रदूषण का कारण बनता है। कम करना, पुनः उपयोग करना और रीसायकल करना भूमि, वायु और जल प्रदूषण के सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक को खत्म करने के तीन बेहतरीन तरीके हैं। कम करने का मतलब है कि अपशिष्ट की मात्रा कम हो जाती है। अपशिष्ट में कमी का सीधा मतलब है उन चीजों को कम करना जिन्हें हम उपयोग करते हैं और केवल वही उपयोग करते हैं जो आवश्यक है।

-उमेश वर्मा, भाटापारा

विद्युत विकास : उम्मीद से विश्वास का सफर

राज्य स्थापना की रजत जयंती के उत्साह के बीच प्रदेश के विकास को विभिन्न पैमानों पर मापा जा रहा है। छत्तीसगढ़ ने बीते ढाई दशकों में अनेक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। आधारभूत क्षेत्रों में देश के कई प्रदेशों से हम बहुत बेहतर कर पा रहे हैं यह अहसास उत्साहजनक है। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और रोजगार जैसे प्रमुख पैमानों में राज्य की उपलब्धियों को मजबूत आधार देती है विद्युत ऊर्जा। प्रदेश में ऊर्जा क्षेत्र का विकास सभी को चमत्कृत और उज्ज्वल भविष्य का विश्वास दिलाता है। राज्य गठन उपरांत ढाई दशक में ऊर्जा क्षेत्र की प्रगति की यात्रा में कई मील के पत्थर स्थापित हुए हैं। इस दौरान राज्य में 300 प्रतिशत विद्युत उपभोक्ता तो बढ़े ही पर बढ़ती संख्या के साथ गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति करना विशेष उपलब्धि से कम नहीं। महज 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ में 5 गुना वृद्धि के साथ आज 30,000 मेगावॉट की उत्पादन क्षमता प्राप्त कर ली गई है। विद्युत की अधिकतम मांग 500 प्रतिशत बढ़कर 7000 मेगावॉट के आँकड़े को पार कर आगे निकल चुकी है। 800 प्रतिशत की वृद्धि के साथ लगभग 6 लाख स्थाई कृषि पम्प हों या औद्योगिक उपभोक्ताओं में ढाई गुना बढ़ोतरी के साथ 41 हजार औद्योगिक इकाइयाँ, सभी राज्य के विकास को आधार प्रदान कर रहे हैं। 2211 यूनिट खपत के साथ प्रति व्यक्ति विद्युत खपत के मामले में पूरे देश के पाँच प्रमुख राज्यों में छत्तीसगढ़ शामिल है जो गौरव की बात है और साथ ही ये आँकड़े भविष्य की प्रगति और समृद्धि के लिए हमें आश्वस्त भी करते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विकसित भारत की संकल्पना में ऊर्जा क्षेत्र की सबसे अहम भूमिका है और ऐसे में अगले तीन दशक की ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति करना व्यापक कार्ययोजना से ही संभव है। सच तो यह है कि स्थापना के 25 वें वर्ष में जिस लक्ष्य को लेकर हम आगे बढ़ेंगे वो हमारी स्थापना के 50 वें वर्ष को अधिक सुखमय और समृद्ध बनाने का काम करेगा। देश में विद्युत की खपत अगले दस वर्षों तक लगभग 8 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी और वर्ष 2047 में देश में अधिकतम मांग 750 गीगावॉट तक जा पहुंचेगी। ऐसे में मिशन मोड पर विद्युत ऊर्जा उत्पादन की आवश्यकता होगी जो वर्तमान में 270 गीगावॉट है। छत्तीसगढ़ ने विद्युत विकास की ऐसी रूपरेखा तैयार की है जिससे ऊर्जा की निरंतरता बनी रहे। राज्य बहुत स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ ऊर्जा समृद्धि प्राप्त करने की इस दिशा में बढ़ चुका है। इसके तहत इसी वर्ष तीन लाख करोड़ रुपए के निवेश को आमंत्रित करने में पहली सफलता अर्जित की गई। आने वाले एक दशक में प्रदेश में 31 हजार मेगावॉट अतिरिक्त बिजली उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। छत्तीसगढ़ में विद्युत ऊर्जा का इतिहास तो एक शताब्दी से कुछ ऊपर का है पर ऊर्जा की सार्वजनिक उपयोगिता, सुलभता और आमजन के जीवन को रोशन करने का इतिहास लगभग सात दशक में फैला है। एक प्रदेश के लिए 25 वर्षों की विकास यात्रा बहुत लंबी नहीं लेकिन उसकी दिशा तय करने में यह शुरूआती कालखण्ड सबसे महत्वपूर्ण है। विद्युत क्षेत्र में 25 वर्षों के इस कालखण्ड में जो विकास हुआ है उसे हम अपने स्वर्ण काल की तैयारी के रूप में दर्ज कर सकते हैं।

- विकास शर्मा, प्रबंधक (जनसंपर्क एवं औद्योगिक संबंध)
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी

करंट अफेयर

एपेक नेताओं ने की आर्थिक शिखर सम्मेलन की शुरुआत

एशियाई और प्रशांत क्षेत्र के 21 देशों के नेताओं ने आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने और साझा चुनौतियों से निपटने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए शुक्रवार को अपना वार्षिक शिखर सम्मेलन शुरू किया। इससे एक दिन पहले ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने व्यापार के मामले में बढ़ते तनाव को कम करने के लिए कदम उठाने पर सहमति जताई थी। इस वर्ष दक्षिण कोरियाई शहर ग्योंगजू में आयोजित दो दिवसीय एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन पर ट्रंप-शी बैठक का काफी प्रभाव पड़ा है। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को चिनफिंग के साथ हुई आमने-सामने की मुलाकात को बेहद सफल बताते हुए कहा था कि वह चीन पर लगाए गए शुल्क (टैरिफ) में कटौती करेंगे जबकि बीजिंग ने दुर्लभ धातुओं के निर्यात की अनुमति देने और अमेरिका से सोयाबीन खरीदने पर सहमति जतायी है। ट्रंप एवं चिनफिंग के बीच बनी सहमति वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए राहत की बात है। विशेषज्ञों ने पहले ही चेतावनी दी थी कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार संबंधी तनाव को कम करने में विफलता से वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं और बढ़ेंगी। वर्ष 1989 में बढ़ते वैश्वीकरण के दौर में स्थापित एपेक वैश्विक व्यापार के आधे से अधिक हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है।

ऑफ बीट

क्या तकनीक हमारी हवा को साफ़ कर सकती है?

2018 में, घर में हवा को साफ करने के उद्देश्य से उत्पादों के साथ-साथ वायु-गुणवत्ता सेंसर में रुचि को बढ़ावा मिला। मुझे तब आश्चर्य हुआ कि क्या वायु निस्पंदन यूरोप में गति पकड़ेगा और क्या यह पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ या सामाजिक रूप से न्यायसंगत है। वह पूर्व-कोविड का समय था। जबकि इनडोर एयर फिल्टर अभी भी सर्वव्यापी नहीं हैं, मैंने 2018 में जितना अनुमान लगाया था उससे कहीं अधिक आज मैं देख रहा हूं। मेरा भविष्य का अनुमान लगाने का कौशल बहुत खराब है। यह सब मायने रखता है क्योंकि, विभिन्न इंजीनियरिंग सफलताओं को देखते हुए, अधिकांश अमीर देशों में दहन से "पारंपरिक" वायु प्रदूषण कणों (तथाकथित पीएम 2.5) का उत्सर्जन एक सदी या उससे अधिक में सबसे कम है। वायु प्रदूषण के प्रमुख स्रोत बदल रहे हैं, वाहन उत्सर्जन में सुधार हो रहा है और नियंत्रण के लिए कम बड़े औद्योगिक उत्सर्जक बचे हैं। वायु प्रदूषण सार्वजनिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाला सबसे बड़ा वैश्विक पर्यावरणीय कारक बना हुआ है, लेकिन दैनिक जीवन में प्रदूषण और इसके बारे में क्या करना है, इस पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ की नई पहचान

नवीन विधानसभा भवन का

लोकार्पण

यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय

श्री नरेन्द्र मोदी जी

के कर कमलों से

होने पर समस्त छत्तीसगढ़वासियों को

हार्दिक शुभकामनाएं

शनिवार, 01 नवंबर 2025

नवीन विधानसभा परिसर, नया रायपुर

विनीत : छत्तीसगढ़ विधानसभा सचिवालय

खबर संक्षेप

एसीसी का लाभ पांच गुना बढ़कर 1,119 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। सीमेंट कंपनी एसीसी लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ मजबूत बिक्री के दम पर पांच गुना से अधिक बढ़कर 1,119.26 करोड़ रुपये हो गया। सितंबर तिमाही के इस वित्तीय नतीजे की जानकारी दी। पिछले वर्ष की समान तिमाही में 199.7 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया था।

गेल का दूसरी तिमाही लाभ 18 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड ने शुक्रवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 18 प्रतिशत घट गया। गिरावट पेट्रोकेमिकल मार्जिन में दबाव के कारण आई है। सितंबर तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 2,823.19 करोड़ रुपये रहा, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा 3,453.12 करोड़ रुपये था।

लेखा महानियंत्रक ने जारी किया आंकड़ा

केंद्र का राजकोषीय घाटा पहली छमाही में वार्षिक लक्ष्य का 36.5 प्रतिशत रहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही के अंत में केंद्र का राजकोषीय घाटा समूचे वित्त वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य का 36.5 प्रतिशत रहा। लेखा महानियंत्रक (सीजीए) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी।

पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में राजकोषीय घाटा 2024-25 के बजट अनुमान का 29 प्रतिशत था। राजकोषीय घाटा सरकार के व्यय और राजस्व के बीच का अंतर होता है। मौजूदा कीमतों पर 2025-26 की अप्रैल-सितंबर अवधि में केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा 5,73,123 करोड़ रुपये रहा। केंद्र का अनुमान है कि 2025-26 के दौरान राजकोषीय घाटा देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.4 प्रतिशत यानी 15.69 लाख करोड़ रुपये रहेगा।

- पहली छमाही में राजकोषीय घाटा 29 प्रतिशत रहा
- केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा 5,73,123 करोड़ रुपए रहा

5.78 लाख करोड़ ब्याज भुगतान के लिए थे : कुल राजस्व व्यय में 5.78 लाख करोड़ रुपये ब्याज भुगतान और 2.02 लाख करोड़ रुपये सब्सिडी के लिए थे। पूंजीगत व्यय में 40 प्रतिशत की वृद्धि ने पहली छमाही के दौरान भारत सरकार के राजकोषीय घाटे को 5.7 लाख करोड़ रुपये (बजट अनुमान का लगभग 37 प्रतिशत) तक बढ़ा दिया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 4.7 लाख करोड़ रुपये था।

सितंबर 2025 तक 16.95 लाख करोड़ की प्राप्तियां हुई

सीजीए के आंकड़ों के मुताबिक, सरकार को सितंबर 2025 तक 16.95 लाख करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्तियां हुईं जो 2025-26 के बजट में अनुमानित कुल प्राप्तियों का 49.6 प्रतिशत है। इसमें 12.29 लाख करोड़ रुपये का कर राजस्व (केंद्र को शुद्ध), 4.6 लाख करोड़ रुपये का गैर-कर राजस्व और 34,770 करोड़ रुपये की गैर-ऋण पूंजीगत प्राप्तियां शामिल हैं।

राज्य सरकारों को 6.31 लाख करोड़ दिए

सीजीए के आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान केंद्र सरकार ने करों के हस्तांतरण के रूप में राज्य सरकारों को 6.31 लाख करोड़ रुपये से अधिक दिए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 86,948 करोड़ रुपये अधिक है। समीक्षाधीन अवधि में केंद्र सरकार ने कुल 23 लाख करोड़ रुपये (बजट अनुमान 2025-26 का 45.5 प्रतिशत) खर्च किए। कुल व्यय में 17.22 लाख करोड़ रुपये राजस्व खाते में और 5.8 लाख करोड़ रुपये पूंजीगत खाते में थे।

व्यवसाय तीन साल से लंबित है तो जीएसटी रिटर्न नहीं भर पाएंगे

जीएसटी नेटवर्क (जीएसटीएन) ने शुक्रवार को कहा कि व्यवसाय नवंबर कर अवधि से तीन साल या उससे अधिक समय के लिए देय जीएसटी रिटर्न दाखिल नहीं कर पाएंगे। जीएसटीएन (जो प्रौद्योगिकी क्षेत्र की रीढ़ है) ने एक परामर्श में कहा कि सभी जीएसटी-पंजीकृत व्यवसायों के लिए मासिक, त्रैमासिक और वार्षिक रिटर्न नियत तिथि से तीन साल की समाप्ति के बाद दाखिल करने पर रोक लगा दी जाएगी।

मंच पर नवंबर 2025 कर अवधि से लागू किया जाएगा

जीएसटीएन ने कहा, " यह प्रतिबंध जीएसटी मंच पर नवंबर 2025 कर अवधि से लागू किया जाएगा, जिसका मतलब है कि कोई भी रिटर्न जिसकी देय तिथि तीन साल या उससे अधिक पहले थी और नवंबर कर अवधि तक दाखिल नहीं किया गया है, उसे दाखिल करने से रोक दिया जाएगा।" सरकार ने 2023 में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) कानून में संशोधन कर जीएसटी रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा तय कर दी थी।

एक दिसंबर 2025 से प्रभावी

जीएसटीएन के 29 अक्टूबर को जारी परामर्श में कहा गया कि एक दिसंबर 2025 से प्रभावी, अक्टूबर 2022 को देय मासिक जीएसटी रिटर्न फॉर्म जीएसटीआर-1 और जीएसटीआर-3बी और वित्त वर्ष 2020-21 के लिए वार्षिक जीएसटी रिटर्न जीएसटीआर-9 समय-बाधित हो जाएंगे।

अष्टविनायक हॉस्पिटल के 10 वर्ष : मातृ-शिशु स्वास्थ्य उत्कृष्टता की नई मिसाल पेश

- 3000 से अधिक सुरक्षित प्रसव और 5000 सफल सर्जरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राजधानी रायपुर में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को समर्पित अष्टविनायक हॉस्पिटल ने अपनी स्थापना के 10 वर्ष पूरे कर लिए हैं। एक दशक पहले शुरू हुई यह यात्रा आज विश्वास, संवेदनशील देखभाल और जीवन रक्षा की मिसाल बन चुकी है। हजारों परिवारों को नई उम्मीद देने वाले इस अस्पताल ने मातृ-शिशु चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं।

पिछले वर्षों में अस्पताल ने 3000 से अधिक नवजातों का सुरक्षित जन्म कराया है। 5000 से अधिक सफल सर्जरी और 400 से अधिक जटिल मामलों में जीवन बचाने की उपलब्धि हासिल की। अत्याधुनिक तकनीक, सुसज्जित ओटी और एनआईसीयू सुविधाओं के साथ अष्टविनायक हॉस्पिटल आज प्रदेश में विश्वसनीय स्वास्थ्य संस्थान के रूप में स्थापित है।

अनुभव और विश्वास का संगम संस्थान के संस्थापक एवं वरिष्ठ पीडियाट्रिक सर्जन डॉ. रितेश रंजन (एमबीबीएस, एमएस, एमसीएच) के पास 15 वर्षों का अनुभव है। उन्होंने अब तक 2000 से अधिक सफल सर्जरी कीं और 400 से अधिक जटिल बाल शल्य चिकित्सा मामलों में जीवनदान दिया। नवजात सर्जरी, लैप्रोस्कोपिक सर्जरी और बाल मूत्र रोग के क्षेत्र में उनकी विशेषज्ञता ने अस्पताल को प्रदेश में अग्रणी स्थान दिलाया है।

फर्टिलिटी स्पेशलिस्ट डॉ. अर्चना

सह-संस्थापक एवं स्त्री-प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. अर्चना रंजन (एमबीबीएस, डीजीओ, एफएमएएस) ने भी अपने अनुभव से 3000 से अधिक सुरक्षित प्रसव कराए हैं। फर्टिलिटी स्पेशलिस्ट के रूप में उन्होंने निःसंतानता उपचार में कई परिवारों को मातृत्व का सुख प्रदान किया है। शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. आकाश राय (एमबीबीएस, एमडी पीडियाट्रिक्स) पिछले 8 वर्षों से नवजात एवं बाल्य रोग, एलर्जी, अस्थमा और बाल पोषण में सेवा दे रहे हैं। वहीं निश्चेतना एवं क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ डॉ. ज्योतिर्मय चंद्राकर ने अस्पताल की स्थापना से ही सैकड़ों मरीजों के उपचार में निर्णायक भूमिका निभाई है।

विश्वास ही सबसे बड़ी पूंजीः डॉ. रितेश रंजन

अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. रितेश रंजन ने कहा-"यह सफलता हमारे मरीजों, शुभचिंतकों और सहयोगियों के विश्वास का परिणाम है। आने वाले वर्षों में हम और उन्नत तकनीक व सेवाओं के साथ समाज की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

एयर इंडिया ने टाटा ग्रुप और सिंगापुर एयरलाइंस से मांगे 10,000 करोड़ रुपए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

टाटा ग्रुप की एयरलाइन एयर इंडिया अभी घाटे में चल रही है। एयरलाइन अपने मालिकों टाटा संस और सिंगापुर एयरलाइंस से कम से कम 1.1 बिलियन डॉलर यानी करीब दस हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की मदद मांगने वाली है।

ये पैसा कंपनी के सिस्टम और सर्विसेज को पूरी तरह से ओवरहॉल करने के लिए चाहिए, साथ ही अपना खुद का इंजीनियरिंग और मेंटेनेंस डिपार्टमेंट बनाने के लिए भी। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है। एयर इंडिया को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, खासकर अहमदाबाद में हुए भयानक प्लेन क्रैश के बाद, जिसमें एक को छोड़कर सबकी जान चली गई थी। इसके अलावा मार्केट में कॉम्पिटिशन भी बहुत है और ऑपरेशंस चलाने में दिक्कतें आ रही हैं।

- टाटा ग्रुप के पास एयर इंडिया में 74.9 प्रतिशत हिस्सा है

रिपोर्ट में एयर इंडिया से जुड़ा बड़ा खुलासा

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, ये फंडिंग एयर इंडिया को वित्तीय नुकसान से उबरने में मदद करेगी और ऑपरेशनल रेजिलिएंस के गैप्स को भरने में भी। टाटा ग्रुप के पास एयर इंडिया में 74.9 प्रतिशत हिस्सा है और सिंगापुर एयरलाइंस के पास बाकी का है। कोई भी सपोर्ट हिस्सेदारी के हिसाब से होगा और ये तय करना बाकी है कि पैसा इंटरेस्ट फ्री लोन के रूप में आएगा या इक्विटी बढ़ाकर।

लाभ कमाने की कोशिशों पर दबाव

प्रॉफिट कमाने की कोशिशों पर और प्रेशर पड़ा है क्योंकि मई में पाकिस्तान के साथ बॉर्डर कॉन्फ्लिक्ट की वजह से एयरस्पेस रेस्ट्रिक्शंस लगे, जिससे फ्लाइट रूट्स लंबे हो गए। फिर 12 जून को अहमदाबाद से टेकऑफ के तुरंत बाद बोइंग 787 ड्रीमलाइनर क्रैश हो गया, जिसमें एक को छोड़कर सब मारे गए। सेफ्टी कंसर्न्स की वजह से इंडिया के एविएशन रेगुलेटर ने पूरा सिस्टम ऑडिट किया और जून से अगस्त तक वाइडबॉडी जेट्स पर इंटरनेशनल फ्लाइट्स 15 प्रतिशत कम कर दीं, जिससे रेवेन्यू पर असर पड़ा।

एयर इंडिया के इन फंक्शंस की देखरेख करती है सिंगापुर

अहमदाबाद क्रैश के बाद सिंगापुर एयरलाइंस एयर इंडिया के इंजीनियरिंग, ऑपरेशंस और एयरपोर्ट सर्विसेज जैसे की फंक्शंस में करीब से इन्वॉल्व हो गई है। अभी मेंटेनेंस का काम एआई इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड कर रही है, जो गवर्नमेंट की है और पहले एयर इंडिया की सब्सिडियरी थी। ये फाइनेंशियल सपोर्ट एयर इंडिया को अपना इंजीनियरिंग और मेंटेनेंस कैपेबिलिटी बढ़ाने में मदद करेगा, जैसे देश के बड़े एयरपोर्ट्स पर हैंगर्स बनाना। कुल मिलाकर ये मदद एयर इंडिया को मजबूत बनाने के लिए है ताकि वो फिर से अच्छे से उड़ान भर सके।

सोना 2,200 रुपए प्रति 10 ग्राम तेज, चांदी में आई नरमी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सोने के दाम शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में 2,200 रुपये की तेज बढ़त के साथ 1,25,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गए। अखिल भारतीय सराफा संघ ने कहा कि सोने के दाम में यह तेजी थोक खरीदारों और आभूषण विक्रेताओं की नई खरीद के कारण आई है। बृहस्पतिवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,23,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसके साथ, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 2,200 रुपये बढ़कर 1,25,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर सहित) पर पहुंच गया, जो पिछले कारोबारी सत्र में 1,22,800 रुपये प्रति 10 ग्राम था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ जिंस विश्लेषक सुमिल गांधी ने कहा, "सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन सोने में तेजी आई, जिसका प्रमुख कारण डॉलर के मुकाबले रुपये में आई कमजोरी रही।" इस बीच, चांदी के भाव 2,000 रुपये घटकर 1,53,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) रह गए।

शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन गिरावट, सेंसेक्स 466 अंक फिसला

एजेंसी ▶▶ मुंबई

निजी बैंकों के शेयरों में बिकवाली और वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बीच शुक्रवार को स्थानीय बाजार लगातार दूसरे दिन नुकसान में रहे। सेंसेक्स लगभग 466 अंक गिर गया जबकि निफ्टी में 156 अंकों की गिरावट रही।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 465.75 अंक टूटकर 83,938.71 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 498.8 अंक गिरकर 83,905.66 अंक तक आ गया था। इसके 25 शेयरों में गिरावट और पांच शेयरों में तेजी रही।

निफ्टी 155.75 अंक गिरकर 25,722.10 पर आ गया। विदेशी निवेशकों की बिकवाली, कंपनियों के मिलेजुले नतीजे और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों पर स्पष्टता की कमी ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया।

- निजी बैंकों के शेयरों में रही बिकवाली
- वैश्विक बाजारों में भी सीमित खरीदारी रही

फेड के रुख के बाद वैश्विक सतर्कता बढ़ी

बीएसई में सूचीबद्ध कुल 2,370 शेयरों में गिरावट रही जबकि 1,784 शेयर बढ़कर बंद हुए और 155 शेयरों के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। रेलिगेयर ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के आक्रामक रुख के बाद वैश्विक सतर्कता बढ़ने से कारोबार सुस्त रहा।

रुपया गिरावट से उबरकर 88.69 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले दिनभर गिरावट में रहने के बाद 88.69 प्रति डॉलर पर स्थिर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजारों में कमजोरी और अमेरिकी डॉलर में मजबूती इसकी मुख्य वजह रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 88.60 प्रति डॉलर पर खुला। 88.59 प्रति डॉलर के उच्च और 88.78 प्रति डॉलर के निम्न स्तर को छुआ। कारोबार के अंत में अपने पिछले बंद स्तर से अपरिवर्तित 88.69 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। 47 पैसे टूटकर 88.69 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.39 पर आ गया।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित संस्था में कार्य हेतु सुरक्षा गार्ड, सुपरवाइजर की आवश्यकता है (मेल / फीमेल) संपर्क करें मोबाइल नंबर:- 9981855505, 9131941253.(RO-339)

ऑपरेटर/अकाउन्टेन्ट

आवश्यकता है- दाल मिल में कार्य हेतु कर्मचारियों की आवश्यकता है-टेली डाटा एन्ट्री ऑपरेटर - (वेतन 12,000/-15,000/-), जूनियर एकाउन्टेंट-(15,000/प्रारंभ), सीनियर एकाउन्टेंट-(20,000/प्रारंभ), दाल मिल कार्य हेतु अनुभवी कर्मचारी- (वेतन 13,000 प्रारंभ, कम्प्युटर जानकार को 15,000/) हमाली कार्य हेतु 6 मजदूर। 4 मजदूर कुली कार्य हेतु संपर्क- कन्हैयालाल संतोषकुमार दालमिल बंजरपारा, सड्डु, विधानसभा, रायपुर- 9826141178. (RO-6553)

मिल कार्य

आवश्यकता है- तेल मिल मे काम करने के लिए लड़के लड़की की आवश्यकता है. रायपुरा चौंक. पगार 8 से 10 हजार 8839105162. (RO-398)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- सर्जिकल आफिस में लड़के और लड़कियों की आवश्यकता है। योग्यता 10वी, 12वी, संपर्क करे:- रामा मेडिटेक, गीतांजलि नगर, हाउस नम्बर-15/A, रायपुर, 6269933233.(RO-389)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 5 युवक/युवतियों की आवश्यकता है वेतन 6000 से 15000 तक भिलाई/दुर्ग वाले को प्राथमिकता, मो- 78038-56087, 82694-65640, 91094-79330 (आरो न.-684)

सफाई कर्मचारी

आवश्यकता है- सफाई कर्मचारी नियुक्ति : चंदखुरी रायपुर कुत्तों के अस्पताल में स्वीपर का झाड़ु लगाना, बर्तन, कपड़े धोने का काम है वेतन रू. 10,000/- खाने रहने की सुविधा. नशेड़ी संपर्क न करें- मो. 7225888800. (RO-7000)

ठेकेदार/मिस्त्री

आवश्यकता है- कूलर फैक्ट्री में विंडो कूलर बनाने एवं मिग वेल्डिंग,गैस वेल्डिंग करने के लिए ठेकेदार एवं मिस्त्री की आवश्यकता है। संपर्क - कूलर हाउस,गांधी चौक,रायपुर मोबाइल 9827129211.(RO-353)

मैनेजर/हेल्थ वर्कर

आवश्यकता है- भिलाई-आयुर्वेदिक कंपनी में मार्केटिंग मैनेजर (Event Manager) कार्य हेतु (1-POST) 2- 5 YEAR EXPERIENCE वेतन 30000 + योग्यतानुसार ऑफिस कार्य 2, हेल्थ वर्कर3, युवक-युवतियों की आवश्यकता है। वेतन 7000 - 8000, मो- 62682-79954.(आरो नं.-1681)

डिजाइनर/ऑपरेटर

आवश्यकता है- विज्ञापन एंव प्रिंटिंग ऑफिस हेतु अनुभवी सेल्समैन, ग्राफिक्स डिजाइनर, टेलीकॉलर, हेल्पर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, पी ए, चपरासी, एंव ड्रायवर की आवश्यकता है। संपर्क मां एड एजेंसी रायपुरा चौक। 7974351591.(RO-4024)

हरिभूमि क्लासीफाईड

हेल्पर

आवश्यकता है- राईस मिल हेतु परबाईलिंग में हेल्पर कार्य के लिये कुल 4 पद लड़को की आवश्यकता हैं। सम्पर्क करें- बोरझरा, उरला, रायपुर (छ.ग.), मो. 9826136200. (RO-6999)

ड्रायवर

शीघ्र आवश्यकता- स्कूल बस चालक/ मैजिक चालक- 10 पद, सुरक्षागार्ड- 05 पद संपर्क करे- मो. नं. 7389358588, 7805015500, पता- 01, सुंदर नगर रायपुर. (RO-0070)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ग्वालियर में ऑफिस कार्य हेतु 10वी 12वीं ग्रेजुएट अविवाहित लड़के चाहिए वेतन 10000 + कमीशन + बोनस के साथ कमाए 15000-20000 रहना फ्री + गाड़ी किराया का कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क करे - 9039470547.(RO-512)

आवश्यकता है- ऑफिस में टेलीकॉलर काम के लिए लड़को की जरूरत है केवल अविवाहित 18 से 28 वर्ष आयु वाले ,ऑल इंडिया प्लेसमेंट शुरुआती वेतन 12000 रहने के लिए कमरा दिया जाएगा 7310671995, 6387630593. (RO-522)

क्लीनिक कार्य

आवश्यकता है- क्लीनिक में कार्य हेतु दसवीं/ बारहवीं पढ़े लड़के की आवश्यकता है। दुर्ग निवासी को प्राथमिकता वेतन योग्यतानुसार 6000 से 7000 , संपर्क - डॉ. एच.सी.अग्रवाल मों नं.- 96177-89223, 942555-55659, समय- शाम 5 बजे से 8 बजे तक पताः- स्टेशन रोड स्वरूप टॉकिज के सामने ब्राइट फर्नीचर के पीछे दुर्ग (छ.ग.) (आरो न.-4114)

गोडाऊन कर्मी

आवश्यकता है- मेडिकल होलसेल डिपो में गोडाउन कार्य हेतु मेहनती युवक/ युवतियों की तथा बिलिंग कार्य हेतु अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है। मणिधारी ट्रेडर्स औषधि वाटिका, डूमरतराई रायपुर . मो. 9669164000, 9165929000.(RO-465)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- घरेलू कार्य करने हेतु महिला/ लड़की की आवश्यकता है रहने की सुविधा उपलब्ध बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- पाटलिपुत्र कॉलोनी लोयला स्कूल के बाजू में वसंत विहार चौक बिलासपुर 7974770055, 8889997826.(RO-38966)

थैरापिस्ट

आवश्यकता है- आयुर्वेदिक हॉस्पिटल में काम करने हेतु लड़को (पंचकर्म थैरापिस्ट) की आवश्यकता है संपर्क करें श्री आयुर्वेद, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.) 9827312343, 9406010081.(RO-4030)

इंजीनियर/मैनेजर

आवश्यकता है- दुर्ग/ राजनांदगांव में निम्न पदों के लिए कर्मचारी (युवक/युवतियां) की आवश्यकता है। 5 साल अनुभवी को प्राथमिकता। * बी.ई/ डिप्लोमा सिविल इंजीनियर - 4 पद , * सुपरवाइजर भवन/सड़क निर्माण कार्य हेतु - 4 पद , * फार्म हॉउस मैनेजर -1 पद ,* फार्म हॉउस टेडेसरा साफ-सफाई कर्मचारी (फैमिली सहित) , के.पी.मिश्रा कन्स्ट्रक्शन पता- महाराजा चौक, डी-15, आदर्श नगर दुर्ग - 78698-77505, 70003-43771.(आरो न.-683)

सेल्स एक्जीकेटिव

आवश्यकता है- वाशिंग पाउडर कंपनी शिवशक्ति एंटरप्राइजेस दुर्ग क्षेत्र के लिए अनुभवी सेल्स एग्जीक्यूटिव एवं फैक्ट्री अंदर कार्य हेतु कर्मचारी कि आवश्यकता स्वयं का वाहन आवश्यक वेतन योग्यतानुसार संपर्क 7000169593.(आरो नं.-1679)

सेल्समैन/हेल्पर

आवश्यकता है- थोक कपड़े की दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी सेल्समैन व कपड़े की दुकान में काम किया हुआ व्यक्ति एवं हेल्पर की आवश्यकता है समय 3 से 6 चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर 29-30 प्रथम गेट टेक्सटाइल मार्केट पंडरी रायपुर- 9425506658, 9424200658, 9425206658.(RO-7262)

सर्विस सेन्टर कर्मी

आवश्यकता है- रायपुर में इंडस्ट्रियल मोटर / जनरेटर सर्विस सेंटर में आईटीआई इलेक्ट्रीशियन तथा वाइंडिंग कार्य हेतु वाइंडर, हेल्पर तथा मार्केटिंग कार्य हेतु युवक की आवश्यकता है। संपर्क 7869096500, 7898900131.(RO-465)

सेल्स कार्य

आवश्यकता है- श्रीमारूति कोरियर ऑफिस में लड़कियों एवं डाक-पार्सल बांटने बाइकर 12वीं पास लड़के चाहिए। श्री मारूति कोरियर, रिंगरोड-1, कालीमाता मंदिर के आगे, कुशालपुर, रायपुर, बायोडाटा भेजे 9399676408. (RO-352)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

Business व्यापार

व्यापार- जुड़िये ऐसे आकर्षक व्यवसाय से जो बिना रिस्क आपको घर बैठे दें सकता है 30000- 50000 प्रतिमाह आमदनी, जिसमे ऑटोमैटिक मशीन द्वारा डिस्पोजल दोना पत्तल, प्लेट्स बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का अनुबंध पेशेवर प्रशिक्षण सहित संपर्कः- APS इंटरप्राइजेस, रायपुर- 9111760925, 9977676447, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, अंबिकापुर- 8827848099. (RO-302)

For Rent किराया

किराये से देना है- बंजारी मंदिर के पीछे FMCG में 2250sqft के दो गोदाम पक्की छत, लेट-बाथ, बोर, 3000sqft पार्किंग सहित 22500/- प्रत्येक या 45000/- में दोनों एक साथ किराये से देना है। संपर्क- 9098118228.(11 से 5 बजे) (RO-A)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन बुकिंग टाइम
सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

CLASSIFIED RATE CARD
01 अप्रैल 2025 से लागू
हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	440	560	520	150/- Sq cm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sq cm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sq cm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sq cm
All CG + MP	1280	1750	1600	330/- Sq cm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sq cm

SCHEME
WANTED Display Scheme 2+1, 3+2, 5+4
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100Rs. EXTRA.
COLOUR 20% Extra Charge For Disply
5% GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE 10X1 FIX SIZE

Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

जैकेट के शेष

25 साल का हुआ ....

एवं शिलान्यास भी करेंगे। इसके साथ ही कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

नए विधानसभा भवन का उद्घाटन : प्रधानमंत्री इसके बाद लगभग 11:45 बजे, नवा रायपुर अटल नगर स्थित छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। इसके बाद, वह छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन का उद्घाटन करेंगे। यह भवन ग्रीन बिल्डिंग अवधारणा पर बनाया गया है, जिसे पूरी तरह सौर ऊर्जा से संचालित और वर्षा जल संचयन प्रणाली से सुसज्जित करने की योजना है। इस अवसर पर वह उपस्थित जनसमूह को भी संबोधित करेंगे।

जनजातीय संग्रहालय का उद्घाटन : प्रधानमंत्री दोपहर लगभग 1:30 बजे शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक एवं जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का उद्घाटन करेंगे और उसका अवलोकन करेंगे। यह संग्रहालय राज्य के जनजातीय समुदायों के साहस, बलिदान और देशभक्ति की विरासत को संरक्षित और प्रदर्शित करेगा। प्रधानमंत्री स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान में संग्रहालय पोर्टल और ई-बुक आदि शौर्य का शुभारंभ करेंगे और स्मारक स्थल पर शहीद वीर नारायण सिंह की घुड़सवार प्रतिमा का अनावरण करेंगे।

रजत महोत्सव : श्री मोदी दोपहर लगभग 2:30 बजे छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव में हिस्सा लेंगे। वे सड़क, उद्योग, स्वास्थ्य सेवा और ऊर्जा जैसे प्रमुख सेक्टरों से जुड़ी 14,260 करोड़ रुपये से अधिक की विकासात्मक और रूपांतरकारी परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इसके साथ ही कुछ अन्य कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

प्राकृतिक गैस पाइपलाइन का लोकार्पण : प्रधानमंत्री लगभग 1,950 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 489 किलोमीटर लंबी नागपुर-झारसुगुड़ा प्राकृतिक गैस पाइपलाइन का भी लोकार्पण करेंगे। यह परियोजना भारत के ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी को 15 प्रतिशत तक बढ़ाने और एक राष्ट्र, एक गैस ग्रिड का लक्ष्य अर्जित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह पाइपलाइन छत्तीसगढ़ के 11 जिलों को राष्ट्रीय गैस ग्रिड से जोड़ेगी, जिससे औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्र को स्वच्छ एवं किफायती ईंधन उपलब्ध होगा।

दो स्मार्ट औद्योगिक क्षेत्र की आधारशिला रखेंगे : प्रधानमंत्री औद्योगिक विकास और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए दो स्मार्ट औद्योगिक क्षेत्रों एक जांजगीर-चांपा जिले के सिलादेही-गतवा-बिर्रा में और दूसरा राजनांदगांव जिले के बिजलेटला - की आधारशिला रखेंगे। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री नवा रायपुर अटल नगर के सेक्टर-22 में एक फार्मास्युटिकल पार्क की आधारशिला रखेंगे। यह पार्क औषधि और स्वास्थ्य सेवा विनिर्माण के लिए एक समर्पित क्षेत्र के रूप में कार्य करेगा।

पांच नए मेडिकल कालेज की आधारशिला भी रखेंगे : प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए पांच नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों मनेंद्रगढ़, कबीरधाम, जांजगीर-चांपा और गीदम (दंतेवाड़ा) में और बिलासपुर में सरकारी आयुर्वेद कॉलेज तथा अस्पताल की आधारशिला रखेंगे।

ये सौगातें भी....

करोड़ रुपये के कार्यों को समर्पित करेंगे। इनमें नई बिजली लाइनों का निर्माण, फीडर का विभाजन, ट्रांसफार्मरों की स्थापना, कंडक्टरों का रूपांतरण और ग्रामीण एवं कृषि बिजली आपूर्ति में सुधार के लिए निम्न-दाब नेटवर्क को सुदृढ़ करना शामिल है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र में रायपुर में एचपीसीएल के अत्याधुनिक पेट्रोलियम तेल डिपो का उद्घाटन करेंगे। यह डिपो 460 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित है और इसकी भंडारण क्षमता 54,000 किलोलीटर पेट्रोल, डीजल और इथेनॉल की है।

जब छत्तीसगढ़ के लिए ....

अगाध आस्था से सराबोर, जनादेश परब, विश्वास वर्ष, अटल निर्माण वर्ष, रजत महोत्सव मनाते हुए। इस यात्रा में मोदीजी का साथ हमेशा के तरह अपितु हमेशा से अधिक मिलने के कारण दुगने उत्साह और अनेक गुना अधिक शक्ति के साथ उस यात्रा की ओर कदम बढ़ा चुका है, जिसमें 3 करोड़ नागरिकों का जीवन सुगम और बेहतर हो। समावेशी और सर्वस्पर्शी विकास की यह यात्रा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की संवेदनशीलता और समन्वयकारी नीतियों का परिणाम है। लंबे समय तक गुजरात जैसे महत्वपूर्ण राज्य के मुख्यमंत्री रहे मोदी जी को तमाम राज्यों की परिस्थितियों के बारे में अन्य समकक्षों के मुकाबले अधिक समझ और अनुभव है, इसी अनुभव के कारण उन्होंने पद सम्हालते ही केंद्रीय करों में राज्यों का हिस्सा 32 प्रतिशत से एक तिहाई बढ़ा कर सीधे 42 प्रतिशत कर दिया था। इससे छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों को सबसे अधिक राहत मिली। एक मोटे आकलन के अनुसार केवल इस एक कदम से अभी तक प्रदेश को 1 लाख करोड़ से अधिक की रकम अतिरिक्त मिली है। मोदी जी का छत्तीसगढ़ से विशेष लगाव हम सभी जानते हैं। छत्तीसगढ़ का कोई कोना नहीं, जिससे वे परिचित नहीं हों। मुख्यमंत्री रहते हुए भी मोदी जी ने छत्तीसगढ़ से अपना जुड़ाव बनाए रखा। मेरा सौभाग्य है कि मुझे वर्ष 2014 से 2018 तक प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में केंद्रीय इस्पात, खान, श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री के रूप में कार्य करने का अवसर मिला। मोदी जी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री आवास योजना, धरती आबा योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना, जनधन, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना तथा उज्जवला जैसी अनेक लोककल्याणकारी योजनाओं का बड़ा लाभार्थी छत्तीसगढ़ बना है। मोदी जी द्वारा खनिज प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिएडीएमएफ के गठन से हमारे पिछड़े क्षेत्रों को लाभ मिला है। उन्होंने 2015 में आधार को जन धन योजना और अन्य सरकारी योजनाओं से जोड़कर डिजिटल इंडिया और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दिया। उनके नेतृत्व में ही वर्ष 2015 में भिलाई और अन्य स्टील प्लांट्स के आधुनिकीकरण और विस्तार शुरू हुआ। उनके प्रयासों से सेल के विभिन्न संयंत्रों में 72,134 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अब हम नक्सल मुक्ति के तरफ निर्णायक कदम बढ़ा चुके हैं। अपने नेता के 'विकसित भारत' के संकल्प के अनुरूप, विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए हमने छत्तीसगढ़ विजन डाक्यूमेंट तैयार किया है। हमारा लक्ष्य अगले 5 वर्षों में राज्य की जीएसडीपी को दोगुना करना और 2047 तक इसे 6 लाख करोड़ से बढ़ाकर 75 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचाना है। इससे प्रति व्यक्ति आय में 10 गुना वृद्धि होगी। 'न्यूनतम सरकार - अधिकतम शासन' के मंत्र पर चलते हुए हमनें पिछले डेढ़ साल में 350 बिजनेस रिफॉर्म्स किए हैं।हमारी नई औद्योगिक नीति के कारण पिछले डेढ़ साल में 7.50 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। हमारा प्रदेश भी अब 'डिजिटल क्रांति' से मानवीय जीवन में बदलाव लाने बेहतरीन कहानियां लिख रहा है। इसके पीछे प्रधानमंत्री जी की "ईज ऑफ लाइफ तथा ईज ऑफ बिजनेस" जैसी संकल्पना है, जिसे हम रोजमर्रा के जीवन में साकार होते देखते हैं। भारत को अद्भुत स्थापत्य का उदाहरण नया भारतीय संसद, सेंट्रल विस्टा देने वाले प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा रजत महोत्सव पर छत्तीसगढ़ के नए विधानसभा परिसर का लोकार्पण भी हमारे लिए अतिरिक्त प्रसन्नता की बात है। संयोग से यह वह भारतीय गणतंत्र का भी अमृत वर्ष है। हमें अपना संविधान आत्मार्पित किए हुए भी अब 75 वर्ष पूरे हुए हैं। जनजातीय गौरव को समेटे नवा रायपुर में निर्मित 'स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय' का भी मोदीजी द्वारा लोकार्पण इस रजत वर्ष के एक बड़ी उपलब्धि होगी। 'हमने बनाया है हम ही संवारेंगे' के उद्घोष के साथ सबको साथ लेकर सबका विकास करने को तत्पर, कुलांचे भरते हमारे युवा प्रदेश 'छत्तीसगढ़' के रजत जयंती वर्ष का यह अवसर हमारे सौभाग्य का प्रतीक है। मोदी जी के नेतृत्व में हम निस्संदेह तमाम बाधाओं को पार करते हुए विकसित भारत बनाने के उनके यज्ञ में भागीदार होकर 'विकसित छत्तीसगढ़' बनाने में सफल होंगे। एक ऐसा छत्तीसगढ़ जहां अंत्योदय की संभावनाओं को नया आसमान मिलेगा, जहां हर चेहरे पर मुस्कान और हर आंगन में खुशहाली होगी। शुभकामना।

भय और आतंक के ....

सवाल – चलिए अब नया राज्य बना, आप एक अलग भूमिका में थे, आप केंद्र में मंत्री थे। प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी हुए, उस समय अनुभव कैसे रहे जब आपके 16 विधायक भाजपा से कांग्रेस के हो गए? उस समय लगा नहीं गलती हो गई, छोटा राज्य कई तकलीफें देता है?

जवाब – छोटे राज्य के निर्माण के बाद विधायक दल में बड़ी टूटन हुई और हमारे विधायक कांग्रेस में चले गए। इससे भारतीय जनता पार्टी के अंदर और संगठन में भी और राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा हुई कि यह छोटा राज्य है इस पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। इसके बाद वरिष्ठ नेताओं ने छत्तीसगढ़ पर फोकस किया।

सवाल – जब आप 2003 में अनायास मुख्यमंत्री के रूप में दिखाई दिए तब कई लोग आपके साथ थे, आपने तब क्या अनुमान लगाया था, कितने दिन में मुख्यमंत्री रह लूंगा?

जवाब – इस विषय की भूमिका तब शुरू होती है जब मैं दिल्ली में मंत्री था। वैंकैया नायडू जी हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। उन्होंने मुझे आडवाणी जी के घर पर बुलाया। सारे वरिष्ठ नेता बैठे थे, वहीं बैठकर आमने-सामने बात हुई। मुझे कहा गया डॉ रमन तुम्हें छत्तीसगढ़ जाना है। मैं समझ गया क्या भूमिका मेरी तय कर रहे हैं। मैंने कहा कि मैं केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने तैयार हूं। यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ में जिस भूमिका में भी भेजेंगे मैं तैयार हूं, ऐसा नहीं कि अध्यक्ष ही बनना है। फिर तय हो गया कि मुझे संगठन में जाना है। यहां आने के बाद जो परिस्तिथियां थी, भय और आतंक का वातावरण था, जिसे तोड़ने की जिम्मेदारी थी। एक लंबी यात्रा बस्तर से सरगुजा तक चली। कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा। यहां आकर वरिष्ठ नेताओं ने योगदान दिया। फिर भाजपा की सरकार बनी। उसका कारण था 3 साल में ही लोगों ने महसूस कर लिया कि ये सरकार छत्तीसगढ़ के लिए बेहतर नहीं है।

सवाल – मेरा सवाल अनुत्तरित रह गया कि जब आप मुख्यमंत्री के शपथ ले रहे थे तो कितने दिन के हिसाब से ले रहे थे क्योंकि मध्य प्रदेश में 1977 से 80 में 3 मुख्यमंत्री दे चुकी थी। इसके बाद 1990 में मौका मिला तो ढाई साल में अपनी सरकार अपने ही हाथों से निपटा चुके थे।

जवाब – शपथ की तैयारी में लगा था उसी समय भाजपा के विधायकों को तोड़ने की साजिश चल रही थी, पैसे के लेनदेन की बात हो रही थी। सरकार को न बनने देने की कोशिश हो रही थी। इस घटनाक्रम को देखते हुए केंद्रीय नेतृत्व की ओर से राजनाथ सिंह और अरुण जेटली आए और भाजपा कार्यालय में षड्यंत्र का पर्दाफाश करके थाने में रिपोर्ट दर्ज कराए। पहले दिन से ही षड्यंत्र की भूमिका रखी गई और यह लगता था कि भविष्य में ऐसी दिक्कत आएगी। 5 साल सरकार चलाने की और ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़कर रखने की चुनौती थी।

सवाल – जब आपने पद संभाला उससे पहले जोगी सरकार थी, जोगी दक्ष प्रशासनिक अधिकारी थे। उस समय सरकार की दिशा क्या थी? उस दिशा में चलने को आप तत्पर हुए या अलग दिशा पर चले?

जवाब - जोगी सरकार की दिशा बिलकुल अलग थी, और छत्तीसगढ़ की तासीर के अनुसार छत्तीसगढ़ को विकसित करने की भावना नहीं थी। जोगी जी ने जिस तरह से छत्तीसगढ़ को चलाया, भय-आतंक का माहौल, राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं की हत्या, जातिवाद का जहर घोलने की साजिश हुई। मुझे लगा कि यह रास्ता नहीं है। छत्तीसगढ़ शांति और सद्भावना से चलेगा। सबको गले लगाकर चलना और किसी को भी दुश्मन न मानना। स्पष्ट रूप से पूरे छत्तीसगढ़ को साथ लेकर चलने का फैसला किया, मुझे लगता है कि जो छत्तीसगढ़िया भाव है यह वही भाव है। आप भय और आतंक के बदौलत सरकार नहीं चला सकते।

सवाल – बताया जाता है कि जन आकांक्षाओं के तहत राज्य का गठन हुआ पर जन आकांक्षाओं की ओर कम ध्यान जाता है। नेताओं की आकांक्षा जरूर पूरी हो जाती है, एक मुख्यमंत्री हुए फिर 2 मुख्यमंत्री हुए, मंत्रियों की संख्या बढ़ जाती है पर राज्य कहां पहुंचा, लोग कहां पहुंचे। डॉ रमन सिंह आज दलगत राजनीति से ऊपर उठ चुके हैं, क्या बता सकते हैं छत्तीसगढ़ कहां पहुंचा?

जवाब – जनता के विश्वास के आधार पर राज्य का निर्माण हुआ। मुझे याद है 2003 में जब मैंने मुख्यमंत्री का शपथ लिया तब राज्य का बजट 9400 करोड़ रुपए का था। सीमित बजट में काम करना था। 2000 में क्या था छत्तीसगढ़ और क्या आज है। 9000 से 2018 तक 96 हजार का बजट था, आज वह 1 लाख 65 हजार करोड़ तक जा पहुंचा है। नेशनल हाईवे और ग्रामीण सड़कों का जाल बिछाया गया। 40 से 45 हजार किलोमीटर सड़कें बनी। 15 साल में 42 हजार स्कूल खोले गए, 9 हजार युवाओं की पीएससी के माध्यम से भर्ती हुई। एक लाख शिक्षक 70 हजार पुलिस कर्मी की भर्ती हुई। राज्य निर्माण के समय 23 सौ मेगावाट बिजली पैदा होती थी, आज 42 हजार मेगावाट बिजली पैदा हो रही है। विकसित राज्यों के मुकाबले णें इसलिए खड़ा है क्यों हमारे पास **IIT**, **IIM**, **AIIMS** जैसे राष्ट्रीय संस्थान आए।

सवाल – बहुत लंबा आपने बताया कहां-कहां बेहतर काम किया है, लेकिन विसंगतियों पर भी बात होनी चाहिए ना, अच्छा अच्छा तो आपने बताया। 2008-09 आपने पोषण का अधिकार, एक रुपया किलो में चावल दिया, आपने बताया कि राज्य को आपने कहां से कहां पहुंचा दिया। 2008-09 में 65 लाख परिवारों को जो चावल दिया, आज भी 65 लाख परिवार एक-रुपए दो रुपए किलो चावल के लिए मोहताज है, अगर सब इतना बेहतर हुआ तो ये योजना अभी तक चलानी क्यों पड़ रही है? छत्तीसगढ़ का गठन आम आदमी तक विकास पहुंचा पाया तो इस विसंगति पर डॉ रमन सिंह क्या कहते हैं? क्या दौर चुनाव का है, दौर वोट का है। एक बार जो दे दिया उससे पीछे हटना सरकार के लिए संभव नहीं है, क्या ये कारण है?

जवाब – कारण वो नहीं है, मैं कारण को आपको थोड़ा डिटेल में समझाने का प्रयास करता हूं। ताकि यह प्रश्न हमेशा के लिए समाप्त हो जाए। छत्तीसगढ़ में जो कृषक है और भूमिहीन मजदूर हैं, उनका रेश्यो आप देखेंगे तो एक एकड़ या आधा एकड़ भूमि वालों की संख्या आधे से ज्यादा है। भूमिहीन मजदूरों की संख्या जो खेती करते हैं, मजदूरी करते हैं उनकी संख्या बहुत ज्यादा है। यह वर्ग किसान के लिए काम करता है, उत्पादन करता है पर जमीन उसका नहीं होता। उस वर्ग के लिए योजना बनाई है।

सवाल – सवाल तो आपके साथ जुड़ा रहेगा, डॉ रमन सिंह के समय में लागू हुई योजना 18 साल बाद आज भी उसी स्वरूप में रखने के लिए सरकार बनी है और 2047 में नवा अंजोर का विजन प्रस्तुत कर रही है। क्या डॉ रमन सिंह की दृष्टि जा रही है कि उस समय तक ऐसा विकसित छत्तीसगढ़ होगा जिसमें अनुदान के भरोसे पोषण कराने की स्थिति नहीं रहेगी।

जवाब – 2047 की यात्रा तो लंबी है, मगर छत्तीसगढ़ में आदमी की आवश्यकता केवल चावल नहीं है, उसे हेल्थ फेसिलिटी, बिजली, घर, पानी आदि चाहिए। चावल उसके जीवन एक बहुत छोटा हिस्सा है। सरकार की तरफ से अगर उसे यह सुविधा मिलती है तो वह अपनी मरजी से काम करने का तय करता है। पहले मालिक यह तय करता था कि मजदूरी उसे क्या दिया जाए। आद वह खुद तय करता है, अपनी पसंद से काम में जाता है। पहले अधिया में बाढ़ी में काम होता था। आज बाढ़ी और बेगारी की प्रथा समाप्त हो गई। 6 लाख लोग पहले पलायन करते थे, आज यह घटकर 20 हजार तक पहुंच गई है।

सवाल - चावल वाले बाबा के रूप में पहचान मिली आपको। अभी भी बातचीत में आपको चावल भूलता नहीं है। छत्तीसगढ़ कब तक चावल की सियासत पर आगे बढ़ता रहेगा?

जवाब – पैडी छत्तीसगढ़ की संभावनाओं की धुरी है। यदि हमारे नए विधानसभा में घुसोगे तो देखोगे कि यह धान का कटोरा है, धान की बालियां है, हरियाली है। छत्तीसगढ़ के डीएनए में धान है। पैडी को पॉवर्टी से जोड़ा जाता था, मैंने कहा – नहीं, पैडी ही छत्तीसगढ़ की इकॉनॉमी को परिवर्तन करने में सक्षम है।

सवाल – पैडी को पॉवर्टी से देखा जाता था, डॉक्टर साहब का मानना है कि पैडी को पॉलिटिक्स का महत्वपूर्ण कारण है?

जवाब – कुछ नहीं वह उनके जीवन में परिवर्तन का एक शस्त्र है।

सवाल – क्या आप नहीं मानते कि छत्तीसगढ़ की सियासत में सब कुछ एक तरफ और चावल, चावल का दाम एक तरफ।

जवाब – चावल का दाम ही होता तो सरकार नहीं बदलती। वो भी चावल खरीद रहे थे, हम भी चावल खरीद रहे हैं। सरकार बदलने के कारण दूसरे, बहुत से हैं।

सवाल – क्या डॉ रमन सिंह यह मानने के लिए तैयार आज भी नहीं है कि 2018 में उनकी सत्ता से विदाई चावल के दाम के चलते हुई?

जवाब – देखिए, 2003 में 2008 में, 2013 में 15 साल तक मुख्यमंत्री के रूप में काम करने के बाद एक पड़ाव आया जिसमें कहीं न कहीं हमने घोषणापत्र में जो बातें कही थी उसमें थोड़े से कम रह गए। वो एक कारण हो सकता है। वही चावल, वही सरकार की योजनाएं आज सिर चढ़कर बोल रही है, जो 2003, 08 और 13 में थी। और इस बार का चुनाव इसी में जीतेंगे।

सवाल – भूपेश बघेल जी के नेतृत्व में प्रचंड बहुमत की सरकार आई, जैसी न डॉ रमन सिंह के समय और न ही विष्णुदेव साय के समय आई। उसके बारे में क्या दृष्टि है, आपका काम कितना बढ़ा?

जवाब – जैसे ही कांग्रेस की सरकार आई। नीतियों को तोड़ मरोड़कर लागू किया। कहते हैं कि पॉलिसी से क्या होगा, मैं कहता हूं पॉलिसी से ही सब होता है। अगर हमारी पॉलिसी में चलते रहते तो जितने लोग जेल में हैं, हजारों करोड़ के घोटाले हुए.... कोयले का ही उदाहरण देता हूं उन्होंने ऑनलाइन ट्रांजिट पास देने के प्रावधान को ऑफलाइन कर दिया। इस वजह से 10-15 हजार करोड़ का घोटाला हो गया। इसका दूरगामी परिणाम होता है। हमने शराब के लिए पॉलिसी बनाई थी। इनकी सरकार आई तो पॉलिसी बदल दी। ऐसा कहीं नहीं होता होगा कि सरकारी दुकान में शराब बिके और आधा पैसा शासन के पास जाए और आधा पार्टी में जाए। आज इसका केस चल रहा है। नीति के साथ नीयत भी ठीक होनी चाहिए। 5 साल इसी उलझन का, विवाद का रहा, इसलिए सरकार को जाना पड़ा।

सवाल – भूपेश बघेल जनसंघर्ष से निकले नेता थे। इनके कार्यकाल में दिक्कत किस विषय को लेकर थी?

जवाब – नीति और नीयत। योजना जो बना रहे हैं उसका क्रियान्वयन गलत तरीके से हुआ। नीति भी ठीक बनाते हो नीयत गलत हो तो क्रियान्वयन नहीं हो सकता। नीयत ठीक होनी चाहिए।

सवाल – 2 साल तो विष्णुदेव साय की सरकार को हो गए हैं। ठीक है आपकी पार्टी के नेता हैं, इन दो सालों में छत्तीसगढ़ की कार्यसंस्कृति में बदलाव आया या पुरानी कार्यसंसकृति ही चल रही है?

जवाब – सायजी के नेतृत्व में सरकार बनी है, छत्तीसगढ़ में ट्राइबल मुख्यमंत्री के रूप में सामने आए हैं। 3 बार प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं, अनुभवी हैं। केंद्र में मंत्री रहे, बहुत सारे अनुभव लेकर आए हैं। जो वादा हम सबने घोषणापत्र में किया था, उसके क्रियान्वयन की जवाबदारी मुख्यमंत्री की है। चाहे 31 सौ रुपए में 21 क्विंटल धान खरीदने की बात हो, 2 साल के बोनस, महतारी वंदन योजना की बात हो तो मुझे लगता है कि यह विष्णुदेव साय के स्वभाव का असर है, नीतियों का असर है। ऐसी नीतियां बनाई कि बस्तर शांति की दिशा में जा रहा है।

सवाल – रमन सिंह को अखरता नहीं है कि उन्हें एक मौका और मिलना चाहिए था?

जवाब - मुझे लगता है कि पार्टी ने इतना कुछ दिया है। पार्षद से केंद्र में मंत्री बनाया। प्रदेश अध्यक्ष बनाया, एक बार, दो बार, तीन बार मुख्यमंत्री बनाया। किसी आदमी को राजनीतिक दल इतना बी दे सकता है, मेरी कल्पना नहीं थी। आज एक नए दायित्व में हूं, विधानसभा अध्यक्ष का। मेरा जीवन में हमेशा लक्ष्य रहा है जो भी दायित्व मिले उसको मस्ती, तन्मयता के साथ करूं. आज मैं स्पीकर के रूप में इन्जॉय कर रहा हूं। विधानसभा के भीतर और बाहर खूब किताब पढ़ रहा हूं और किताब भी लिख रहा हूं। मैं पहली पारी की बैटिंग कर चुका हूं, अब दूसरी पारी की कर रहा हूं।

सवाल – अगर आपको इतना ही आनंद आ रहा है तो जब भी कोई पद रिक्त होता है तो डॉ रमन सिंह का नाम क्यों आता है? महाराष्ट्र के गवर्नर का पद खाली होता है या उपराष्ट्रपति के रूप में और राष्ट्रीय अध्यक्ष के संदर्भ में भी नाम आता है। आप अपनी भूमिका से संतुष्ट नहीं हैं या पार्टी?

जवाब – मैं पूर्ण संतुष्ट हूं। पत्रकार मेरे ऊपर ज्यादा मेहरबान हैं। वो कहीं न कहीं मेरा नाम चला देते हैं। मैं दिल्ली जाना कम कर दिया हूं। नहीं तो हर बार कोई न कोई बात चलती है। केंद्रीय नेतृत्व समय-समय पर जिम्मेदारी देता है। अभी विधानसभा अध्यक्ष की जिम्मेदारी है। इस काम को अच्छे से करना मेरा लक्ष्य है।

सवाल – कितनी रास आ रही है ये भूमिका, किताब पढ़ने के लिए विधानसभा अध्यक्ष बने हैं?

जवाब - किताब भी पढ़ना, किताब लिखना भी, जिंदगी को इन्जॉय करना। जो काम मैं मुख्यमंत्री के रूप में करता था। अब मैं 90 विधायकों का अध्यक्ष हूं तो उनसे बात करना, उनकी समस्या को सुनना, समाधान करना। विधानसभा का बेहतर संचालन करना, विधानसभा की प्रतिष्ठा को बढ़ाना। एक नई भूमिका में हूं, उसे अच्छे से करने का प्रयास कर रहा हूं।

सवाल – 90 विधायकों के अध्यक्ष हैं तो किसकी मदद ज्यादा मिल रही है विष्णुदेव साय की या भूपेश बघेल या चरणदास महंत की आजकल मदद ज्यादा मिल रही है?

जवाब – हमारे मुख्यमंत्री साय जी के साथ लंबे समय तक काम किया है। आज भी उनके साथ खड़ा हूं। वे मर्यादा के साथ अपना काम करते हैं। जहां तक चरणदासजी या भूपेश जी के साथ संबंध का सवाल है तो महंत जी नेता प्रतिपक्ष हैं, उनसे अच्छे संबंध स्वाभाविक हैं और भूपेश बघेल से संबंध जैसे थे, वैसे हैं। उनकी अपनी भूमिका है, हमारी अपनी।

सवाल – नई विधानसभा का आप लोकार्पण आप करवा रहे हैं। आजकल नई विधानसभा की जरूरत सरकारें महसूस नहीं करती?

जवाब - मेरी ये मान्यता थी कि आने वाले समय में पुराने भवन से विधानसभा का संचालन नहीं हो पाएगा। नए परिसीमन के बाद विधायकों की संख्या 120 हो जाएगी. जो आने वाले समय में और बढ़ेगी। आने वाले 50-100 साल को ध्यान में रखकर नया भवन बनाया है। छत्तीसगढ़ की विधानसभा यहीं सा लोहा, यहीं का सीमेंट, बस्तर की लकड़ी पूरी तरह से स्वदेशी मॉडल पर बना है।

भाजपा की राष्ट्रीय कार्यसमिति ....

की कांग्रेस सरकार के खिलाफ में राजनीति प्रस्ताव भी पारित किया गया था। उस बैठक के बाद छत्तीसगढ़ की फिजा ही बदल गई। 18 और 19 मई 2003 को भाजपा की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक के बाद भाजपा ने छत्तीसगढ़ डा. रमन सिंह के नेतृत्व में सरकार बनाई।

बदल गई राजनीति ....

डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में लड़ा गया था, ऐसे में भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने डॉ. रमन सिंह को ही मुख्यमंत्री बनाया। इसके बाद तो डा. रमन सिंह लगातार 15 सालों तक मुख्यमंत्री रहे।

भाजपा ने बसाया ....

कार्यालयों से लेकर केंद्र सरकार के कई संस्थान यहां काम कर रहे हैं। भाजपा सरकार ने उसे नाम दिया अटल नगर।

नई राजधानी का सपना रंग लाया : राज्य गठन के बाद वर्ष 2000 में राज्य के पहले मुख्यमंत्री बने कांग्रेस नेता अजीत जोगी। उनके सरकार में आते ही प्रदेश की नई राजधानी बनाने का विचार आकार लेने लगा था। तब की सरकार और उनके मुखिया ने नई राजधानी बनाने के लिए काफी मशक्कत की। पुराने रायपुर व उसके करीब 50 किलोमीटर के दायरे में जगह की तलाश शुरू हुई थी। काफी प्रयास के बाद सिमगा के आगे नांदघाट में राजधानी बनाने के लिए सर्वे किया गया, लेकिन यहां बात नहीं बन पाई। बाद में अब के नवा रायपुर में चेरिया नाम के गांव में नई राजधानी का शिलान्यास कांग्रेस नेत्री सोनिया गांधी के हाथों करवाया गया था। इस दौरान मुख्यमंत्री अजीत जोगी थे।

तय हुए मंत्रालय-सचिवालय...

में डा. रमन सिंह मुख्यमंत्री बने। उनके कार्यकाल में नई राजधानी का केंद्र राखी गांव बना। यहां मंत्रालय, विभागाध्यक्ष भवन, पुलिस मुख्यालय सहित अन्य शासकीय कार्यालय बनाए गए।

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)

द्वितीय रूचि की अभिव्यक्ति

क्र. 14/न.पा.नि./जल विभाग/2025-26 दिनांक 31.10.2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से/अनुभवी फर्मों से निम्नलिखित कार्य हेतु दिनांक 17.11.2025 को सायं 5:30 बजे तक रूचि की अभिव्यक्ति स्पीड पोस्ट के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

क्र.	कार्य का नाम	अमानत राशि
1	कोनी स्थित उच्चस्तरीय जलागार को तोड़ने बाबत्।	9000.00
2	सिरगिट्टी स्थित उच्चस्तरीय जलागार को तोड़ने बाबत्।	9000.00

नगर निगम के विभागीय वेबसाईट www.bilaspurnagernigam.com से विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम, बिलासपुर (छ.ग.)

Green City, Clean City, Dream City.

कार्यालय, नगर पालिक निगम भिलाई, जिला-दुर्ग

द्वितीय रूचि की अभिव्यक्ति ऑफर सूचना

क्र./ जन स्वा. वि./995/2025/291 भिलाई, दिनांकः 31/10/2025

नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रान्तर्गत गोकुल नगर में बायो गैस प्लांट स्थापित करने, रख-रखाव एवं संचालन हेतु द्वितीय रुचि की अभिव्यक्ति दिनांक 14.11.2025 को आमंत्रित की जाती है। संबंधित फर्म/ठेकेदार द्वारा राशि रु. 3000.00 की डी.डी. किसी राष्ट्रीयकृत बैंक से आयुक्त नगर पालिक निगम भिलाई के नाम पर जमा कर दिनांक 07.11.2025 को समय 5:30 बजे तक कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर नियम शर्त की प्रति प्राप्त कर सकते हैं। नियम शर्त के अनुसार ऑफर जमा करने की अंतिम तिथि 14.11.2025 को सायं 5:30 बजे तक स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्राप्त की जावेगी। प्राप्त ऑफर लिफाफा दिनांक 17.11.2025 को समय 11:00 बजे खोली जावेगी। अन्य जानकारी नियम शर्तें नगर पालिक निगम भिलाई के वेबसाईट www.bhilainagarnigam.com अथवा www.uad.cg.gov.in में देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता

// आम-सूचना //

सर्व साधारण आम-जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार यानेश्वरी उम्र 35 वर्ष पति श्री गुलाब राम जैन निवासी ग्राम नारा पोस्ट बागोडार तह. व जिला कांकेर, हाल मुकाम जज कालोनी रूद्री तह. व जिला धमतरी (छ.ग.) के द्वारा भूपेश कुमार यादव, पुरन लाल यादव, भारती, अश्वनी बाई सभी पिता निर्भय राम यादव, सभी निवासी गोकुलपुर वार्ड तह. व जिला धमतरी (छ.ग.) के संयुक्त स्वामित्व एवं अधिपत्य की कृषि भूमि गोकुलपुर वार्ड प.ह.नं. 35 रा.नि.मं. धमतरी तहसील व जिला धमतरी (छ.ग.) में स्थित खसरा नंबर 25/17 रकबा 0.0290 हेक्ट. को मेरे पक्षकार के द्वारा क्रय करने का पक्का सौदा कर लिया गया है तथा मेरे पक्षकार द्वारा उपरोक्त वर्णित भूमि की पूर्ण प्रतिफल की राशि देकर विधिवत रजिस्टर्ड विक्रय पत्र का निष्पादन अतिशीघ्र किया जाना है।

अतः सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संपत्ति के संबंध में किसी व्यक्ति, वारिसान, समीपवर्ती भूमिस्वामी, बैंक, वित्तीय संस्था, शासकीय, अर्धशासकीय संस्था/विभाग कार्यालय नगर निगम अथवा किसी अन्य को किसी भी प्रकार का कोई आपत्ति या उजरदावा करना हो तो वे इस आम-सूचना के प्रकाशन के 15 दिनों के भीतर आपत्ति मय दस्तावेज सहित मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं 15 दिवस की समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्राप्त दावा, आपत्ति मेरे पक्षकार पर मान्य एवं बंधनकारी नहीं होगा एवं मेरे पक्षकार उपरोक्त संपत्ति को क्रयविक्रय, विवादों से मुक्त मान कर अपने पक्ष में पंजीयन करा लेवेंगे।

स्थान-धमतरी
दिनांक-31/10/2025

भवदीय
आशीष तिवारी अधिवक्ता
जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर धमतरी (छ.ग.) मो. नं. 90099-65409

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

विविध कार्य हेतु निविदा सूचना

(1) निविदा संख्या टीआरडी–बीएसपी–289 25–26, दिनांक : 25-10.2025.
कार्यः (1) शहडोल, बधवाबारा अप और डाउन लाइन किमी–912/25–26 से 14/05–07 तक गति को 45 से 75 किमी प्रति घंटे तक बढ़ाने के संबंध में ओएचई का प्रावधान/संशोधन।(2) अंबिकापुर लूप लाइन के संबंध में यात्री प्लेटफार्म के साथ ओएचई का प्रावधान/संशोधन। निविदा मूल्य : ₹ 2,66,65,095.51/–, अमानत राशि : ₹ 2,83,300.00/–।
(2) निविदा संख्या टीआरडी–बीएसपी–290 25–26, दिनांक : 25-10.2025.
कार्यः (1) छादा पैसेंजर हॉल्ट पर फूट ओवर ब्रिज और/या हाई लेवल प्लेटफार्म के प्रावधान/संशोधन। (2) करकेली, रूपौंद, बधवाबारा, अमलाई, बुरहार और मुदरिया रेलवे रेलवे स्टेशनों के प्लेटफार्मों को ऊंचा/उन्नत करने के लिये ओएचई का प्रावधान/संशोधन। निविदा मूल्य : ₹ 1,85,36,848.52/, अमानत राशि : ₹ 2,42,700.00/- । निविदा जमा करने की तिथि व समयः 18.11.2025 के 15:00 बजे तक। पात्रता के मापदंड तथा अन्य विस्तृत जानकारी के लिये कृपया हमारे वेबसाइट– www.ireps.gov.in पर पधारें। निविदा सूचना को वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (क.वि.), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर (छ.ग.) के कार्यालय के नोटिस बोर्ड से भी देखे जा सकते हैं।

वरि.मंडल विद्युत अभियंता (क.वि.)
सीपीआर/10/FL/406 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

पेज एक के शेष

हमें विभाजन में मिला...

जिले में नक्सलियों ने ऐसी घेराबंदी कर रखी थी कि दूर-सुदूर गांवों में प्रशासन के बजाय नक्सल संगठन का राज चल रहा था। केंद्र और राज्य सरकार की फोर्स ने पिछले 25 सालों में लाल आतंक से जूझ रहे इलाकों में तगड़ी मोर्चाबंदी कर नक्सलवाद से जिले को मुक्ति दिलाई है, बल्कि वहां तेजी के साथ विकास काम कर वनांचल के लोगों का भरोसा भी जीत लिया है।

पहले थे दो दर्जन से ज्यादा ...

रहा। यह दलम राजनांदगांव के छुरिया और नेशनल हाईवे को कवर करता था। इसके साथ ही दर्रेकसा, टांडा, मलाजखंड दलम भी राजनांदगांव और खैरागढ़ के अलावा बालाघाट जिले के सरहद पर सक्रिय रहा। 25 साल तक चले संघर्ष में दलम अब बैकफुट पर है और इनकी संख्या भी बेहद कम हो गई है।

राज्य गठन के पहले ...

वारदातों की वजह से हमेशा सुर्खियों में रहता था। उस दौरान समूचा बस्तर नक्सलियों के प्रभाव में रहा वे जब जहां चाहें, वहां वारदात को अंजाम देते थे। यहां तक की राष्ट्रीय राजमार्ग भी सुरक्षित नहीं रहता था दिनदहाड़े माओवादी वाहन रोकना हो या विस्फोट कर उड़ाने जैसे वारदातों को अंजाम देते थे। लेकिन इस 25 साल में बस्तर में काफी बदलाव आया है, अर्धसैनिक बल, राज्य की पुलिस फोर्स व राज्य सरकार की पहुंच नक्सलियों के आधार क्षेत्र तक होने से नक्सल समस्या में काफी कमी आई है। इन 25 साल में लाल गढ़ का आंतक धीरे धीरे विकास में परिवर्तित होने लगा है। इससे पूर्व तक बस्तर संभाग के सभी सात जिले नक्सल प्रभावित थे, लेकिन अब चार जिले नक्सल मुक्त हो चुके है, बचे खुचे नक्सल कैडर सुकमा, बीजापुर व नारायणपुर जिले में पनाह लिए हुए है। **पच्चीस साल नक्सल मुक्ति के साक्षी** : 2001 से 2025 तक का कालखंड बस्तर में माओवादी हिंसा में निरंतर गिरावट का साक्षी रहा है। वर्षवार आंकड़े यह स्पष्ट दशार्ते हैं कि घटनाओं, जनहानि और हथियार बरामदगी में उल्लेखनीय कमी आई है, जबकि सुरक्षा बलों का संचालन और प्रशासनिक नियंत्रण पहले से कहीं अधिक विस्तृत हुआ है। **सामुदायिक सहभागिता और सामाजिक सशक्तिकरण** : आज का बस्तर राज्य और समाज के बीच साझेदारी का प्रतीक है। जो ग्रामीण कभी भय के साए में जीते थे वे अब शांति और विकास के प्रहरी बन चुके हैं। सामुदायिक पुलिसिंग, सिविक एक्शन प्रोग्राम और स्थानीय सांस्कृतिक गतिविधियों ने लोगों और पुलिस के बीच गहरा विश्वास स्थापित किया है। निरपराध आदिवासियों पर माओवादी हमले अब उनकी हताशा के प्रतीक बन गए हैं, न कि शक्ति के। **25 वर्ष में 1541 नक्सली हुए ढेर, 1315 जवानों की शहादत** : छग राज्य गठन के बाद शनिवार को छग प्रदेश रजत जंयती मना रहा है, लेकिन इन 25 वर्षों में नक्सलवाद को खत्म करने के लिए विभिन्न बल के 1315 जवानों को अपनी शहादत देनी पड़ी। वहीं 1817 निर्दोष ग्रामीणों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। सुरक्षाबलों ने राज्य गठन वर्ष के पहले वर्ष में सिर्फ एक नक्सली को मुठभेड़ में मार गिराया था, जबकि सात जवानों को अपनी शहादत देनी पड़ी थी, लेकिन जैसे जैसे समय आगे बढ़ता गया जवानों की बजाए नक्सलियों को अधिक नुकसान हुआ।

टॉप मोस्ट 7 नक्सली समेत 3 सौ टारगेट में : केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के 2026 तक नक्सलवाद के खात्में के डेडलाइन के बाद फोर्स लगातार नक्सियों के आधार इलाकों में आपरेशन चला रही है। समर्पण व ऑपरेशन में मारे जाने के बाद बचे सेण्ट्रल कमेटी के सात नक्सलियों के अलावा डीव्हीसीएम, एसीएम समेत लगभग 3 सौ नक्सलियों को टारगेट किया जाएगा। जिसके लिए रणनीति तैयार कर ली गई है। मोस्ट वांटेड नक्सलियों में शुमार रहे सेंट्रल कमेटी महासचिव नम्वाला केशवराव उर्फगगन्ना उर्फ वसव राजू समेत चार नक्सलियों को सुरक्षाबलों ने बस्तर में मार गिराया इसके अलावा हाल ही में सीसी मेंबर रूपेश ने भी जगदलपुर में अपने साथियों के साथ हथियार डाल दिया था। अब बचे कुछ नक्सलियों को टारगेट करने के लिए फोर्स लगातार प्रयासरत है। इनके मारे जाते ही बचे हुए तीन जिले भी नक्सलमुक्त हो जाएगा।

एक नई पहचान-नया बस्तर : आज का बस्तर साहस, विश्वास और पुनर्निर्माण की कहानी है। यह उसके लोगों के धैर्य और सरकार की प्रतिबद्धता का सजीव उदाहरण है। संघर्ष से विश्वास तक, अलगाव से एकता तक बस्तर की यह यात्रा इस बात का प्रमाण है कि जब शासन, विकास और समाज एक साथ चलें तो दशकों पुराना उग्रवाद भी समाप्त किया जा सकता है। आज बस्तर हिंसा का नहीं, बल्कि संस्कृति, साहस और सामूहिक प्रगति का प्रतीक बन चुका है। एक ऐसा नया बस्तर, जहां हर नागरिक शांति, सुरक्षा और समावेशी विकास की कहानी का सहभागी है।

-सुंदरराज पी, आईजी बस्तर

दो फ्लाइट से शुरू हुई थी ...

गिनती के यात्री ही इस विमानों में सफर करते थे। धीरे-धीरे इसका विकास हुआ और राज्य निर्माण के पहले एयर इंडिया की दो फ्लाइट के जरिए रायपुर एयरपोर्ट चार शहरों से कनेक्ट हुआ। एयर इंडिया की एक फ्लाइट दिल्ली से रायपुर आती और नागपुर होकर वापस दिल्ली जाती। वहीं दूसरी फ्लाइट मुंबई से रायपुर आकर विशाखापट्नम होकर वापस मुंबई का सफर पूरा करती। इसके बाद वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ अस्तित्व में आया। इसके बाद यहां लोगों की आवाजाही बढ़ी और धीरे-धीरे रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय विमानतल का दर्जा मिल गया। यह विमानतल सुबह छह बजे फ्लाइटों के ऑपरेशन के लिए तैयार होता है और रात साढ़े दस बजे के बाद बंद होता है। रायपुर से प्रतिदिन दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और मुंबई यानी चारों महानगरों के साथ पुणे, बेंगलुरु, हैदराबाद, अहमदाबाद, लखनऊ, इंदौर, भोपाल, भुवनेश्वर सहित दर्जनभर शहरों के लिए फ्लाइट का संचालन होता है।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

E-Procurement Tender Notice

Main Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

क्र./न.पा.नि./वा.शा./2025/810/289 भिलाई, दिनांक : 29/10/2025

आयुक्त नगर पालिक निगम, भिलाई की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है -

क्र.	कार्य का नाम	टेण्डर सिस्टम नं.	अनु. लागत (रुपये में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1.	वित्तीय वर्ष 2025-26 में निगम के वाहन शाखा हेतु उच्च कुशल, कुशल एवं अर्द्धकुशल वाहन चालक एवं हेल्पर उपलब्ध कराने का कार्य।	178256	1,72,17,996.00	19/11/2025. शाम 5.30 बजे तक

निविदा हेतु धरोहर राशि FDR के रूप में कार्यपालन अभियंता, नगर पालिक निगम, भिलाई के नाम से तथा शपथ पत्र स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड डाक से वाहन शाखा, भिलाई नगर निगम भिलाई रेलवे स्टेशन के पास कोसा नगर, 490020 में जमा की जावे। उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता

शब्द पहेली - 6034

बाएँ से दाए-
1. पदमाकर, कमल सरोवर-5
4. इस्लामी धर्म ग्रंथ-3
6. देवस्थान, मंदिर-2
7. शिव आवास-3
8. उत्तम, सज्जन-2
10. पति, शौहर-3
11. दमकना-4
14. टीस, पीड़ा-3
16. झरने की आवाज-4
17. आशा, इच्छा-2
18. संध्या, शाम-2
19. निराकार, भगवान-4
21. बुझाना, शांति-3
22. अभिप्राय-4
24. आंचल-3
25. घोड़ागाड़ी-2
27. उष्ण-3
28. पिता के पिता-2
29. पंक्ति-3
30. तहजीबदार-5

ऊपर से नीचे
1. कथा कहने वाला-5
2. चित, जी-2
3. कार्यशाला, यंत्रालय-4
4. माहिर, दक्ष-3
5. आकाश, गगन-2
7. कारावास-2
9. योग-3
12. अनुमान, अंदाज-3
13. झगड़ा, कहासुनी-4
15. मुगल सम्राट जहांगीर का एक नाम-3
16. पक्षियों का शोर-4
17. राहत, विश्राम-3
18. मुसीबत, आफत-3
20. होशियार, चेतावनी-5
21. नगर-3
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर अभिनीत फिल्म
23. मगरमच्छ-3
24. दर, मूल्य-2
26. भूमि, धरती-2
28. पिता के पिता-2

शब्द पहेली -6033 का हल

सूडोकू नवताल - 6044

कठिन

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकू नवताल - 6043 का हल

चश्मदीद ने बताया बच्चों के किडनैपर रोहित आर्या पर कैसे हुआ शक

मुझे चाबी देने से मना किया तो क्लिक हुआ कि 'कुछ तो लफड़ा है'

मुंबई में 17 बच्चों को गुरुवार को बनाया गया था बंधक | पुलिस ने किया सफलतापूर्वक रेस्क्यू, कार्रवाई में मारा गया था किडनैपर

एजेंसी ▶▶| मुंबई

मुंबई, महाराष्ट्र के पवई में बच्चों को बंधक बनाने वाले मामले में चश्मदीद का बयान सामने आया है। गुरुवार को रोहित आर्य नाम के शख्स ने एक स्टूडियो के भीतर 17 बच्चों को बंधक बना लिया था। पुलिस ने सफलतापूर्वक बच्चों को छुड़ा लिया था इस दौरान आरोपी रोहित मारा गया था। इस पूरे घटनाक्रम का चश्मदीद रोहन आहेर है जो कि इस प्रोजेक्ट में आरोपी रोहित के साथ काम कर रहा था। उसकी सूझबूझ से ही कोई अनहोनी नहीं हो पाई। एक चैनल से बातचीत में रोहन ने बताया कि इस पूरे प्रोजेक्ट में मेरी भूमिका टीचर की तरह थी। मैं प्रोजेक्ट कंट्रोलर के तौर पर भी काम कर रहा था। लेकिन स्टूडियो (आरए) रोहित ने ही हायर किया था। ऑडिशन के लिए बच्चों को भी उन्होंने ही बुलाया था।

ऐसे हुआ शक

रोहन ने बताया, 30 अक्टूबर (गुरुवार) को हमारा शेड्यूल था। लेकिन मैं लेट हो गया था। हमारा स्पॉटबॉय दरवाजे पर खड़ा था और रोहित ने स्पॉटबॉय को कह रखा था कि कोई भी आए, उसे अंदर नहीं आने देना. मैंने पूछा तो उसने बताया कि रोहित बच्चों के साथ प्रैक्टिस कर रहे हैं। मैंने समझा कि डायरेक्टर है तो प्रैक्टिस कर रहे होंगे। सबकुछ नॉर्मल लग रहा था लेकिन मुझे शक उस समय हुआ जब मैं लैपटॉप लेके नीचे गया और चाबी लेने ऊपर आया तो रोहित ने मुझे चाबी देने से मना कर दिया। तब मुझे क्लिक हुआ कि कुछ तो लफड़ा है। मैं दौड़कर नीचे आया और अपने रवि भाई को बताया कि कुछ तो गड़बड़ है, ये चाबी लेकर बैठा है। कुछ तो इसके दिमाग में चल रहा है। उस वक्त उसने पागल जैसा बिहेव करना शुरू कर दिया था। तब रवि पुलिस स्टेशन गए।

पेपर स्प्रे से किया हमला

रोहन ने बताया पुलिस ने मुझे बता दिया था कि हम पीछे से आ रहे हैं, तुम तैयार रहना। मैंने पुलिस के घुसने के लिए बाहर का शीशे का दरवाजा हथोड़े से तोड़ दिया था, जिसमें मुझे चोट भी लग गई। लेकिन जैसे ही कांच टूटा रोहित ने मुझ पर पेपर स्प्रे से हमला कर दिया और मैं नीचे गिर गया। मैं ऊपर भागा और मैंने बच्चों को लेकर नीचे भागा और उन्हें बोल दिया कि स्टूडियो अंदर से लॉक करके रखो और जब तक मैं आवाज ना दूं, खोलना नहीं. लेकिन एकदम सही समय पर पुलिस आ गई। करीब एक घंटे पैंतालीस मिनट तक पुलिस, अन्य सुरक्षा टीमों और रोहित आर्या के बीच बातचीत होती रही। लेकिन रोहित का रुख आक्रामक बना रहा और उन्होंने दरवाजा खोलने से इनकार कर दिया। आखिरकार, पुलिस ने बाथरूम की खिड़की से स्टूडियो में प्रवेश किया। बच्चों को बचाते समय ऑपरेशन के दौरान किडनैपर रोहित घायल हो गया था। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया और बाद में मृत घोषित कर दिया गया।

किडनैपिंग की वजह

जानकारी के मुताबिक, रोहित व्यवसायी था, पुणे का रहने वाला है, और उसका महाराष्ट्र शिक्षा विभाग पर पैसा बकाया था। हालांकि, महाराष्ट्र सरकार ने रोहित आर्या के 2.4 करोड़ रुपये के दावों को खारिज किया, जिसके लिए उन्होंने बच्चों को बंधक बनाया। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया कि आर्या की कंपनी को सफाई अभियान के लिए चुना गया था, लेकिन उनके दस्तावेज अधूरे थे और उन्होंने अवैध रूप से शुल्क वसूला था। सरकार ने उन्हें पैसे जमा करने का निर्देश दिया था, जिसका उन्होंने पालन नहीं किया, जिसके कारण योजना रद्द कर दी गई।

खबर संक्षेप

अजहरुद्दीन बने रेवंत सरकार में मंत्री

हैदराबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मोहम्मद अजहरुद्दीन को तेलंगाना सरकार ने अपने मंत्रिमंडल में शामिल कर लिया है। अजहर ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार के मंत्रिमंडल में मंत्री पद की शपथ ली। राजभवन में आयोजित एक समारोह में, राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने मुख्यमंत्री सहित कई महत्वपूर्ण नेताओं की उपस्थिति में पूर्व भारतीय क्रिकेटर को शपथ दिलाई।

पंजाब में आतंकी पन्नू के 3 गुर्गे पकड़े गए

चंडीगढ। पंजाब पुलिस ने आतंकी संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' से जुड़े 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये बठिंडा के गांव भिस्सियाना और मननवाला के स्कूलों की दीवारों पर खालिस्तान समर्थक नारे लिख रहे थे। यह कार्रवाई अमेरिका में बैठे संगठन के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू के इशारे पर की जा रही थी। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। बठिंडा एसएसपी अमनीत कौंडल ने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह विदेश में बैठे पवनप्रीत सिंह उर्फ दीप चाहल (पन्नू का करीबी) के वह टच में थे। उसके कहने पर उन्होंने ये नारे लिखे थे।

निलंबित डीआईजी भुल्लर की न्यायिक हिरासत 14 दिन बढ़ी

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की एक अदालत ने रिश्वत के मामले में गिरफ्तार पंजाब के निलंबित डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर की न्यायिक हिरासत 14 दिन के लिए बढ़ा दी। बुड़ैल जेल में बंद भुल्लर को दो हफ्ते की न्यायिक हिरासत समाप्त होने के बाद वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये अदालत में पेश किया गया। भुल्लर के वकील ने बताया, ''सीबीआई ने न्यायिक हिरासत की अवधि 14 दिनों के लिए बढ़ाने का आग्रह किया था और अदालत ने इसे बढ़ाकर 14 नवंबर तक कर दिया। भुल्लर को 16 अक्टूबर को आठ लाख रुपये की रिश्वत से जुड़े मामले में एक अन्य व्यक्ति के साथ गिरफ्तार किया गया था।

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए ने जारी किया अपना घोषणापत्र

1 करोड़ नौकरियां, फ्री बिजली, हर जिले में फैक्ट्री, लखपति दीदी बनाने का वादा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने शुक्रवार को बिहार चुनाव के लिए अपने घोषणा-पत्र में युवाओं को एक करोड़ सरकारी नौकरियां देने सहित कई बड़े वादे किए हैं। पटना के एक होटल में पीसी में केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री और एचएमए (एस) संरक्षक जीतन राम मांझी, केंद्रीय मंत्री और एलजेपी (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान, आरएलएम प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा, धर्मेंद्र प्रधान, सम्राट चौधरी, दिलीप जायसवाल, संजय झा और ललन सिंह ने इसे जारी किया। एनडीए के पहली बार जारी हुए इस साझा मेनिफेस्टो में 1 करोड़ नौकरियां, फ्री बिजली, हर जिले में फैक्ट्री, 1 करोड़ लखपति दीदी बनाने जैसी कई अहम घोषणाएं हैं।

राज्य में 6 व 11 नवंबर को दो चरणों में वोटिंग व 14 को आएंगे नतीजे

एनडीए घोषणापत्र में किये गए ये वादे

- एक करोड़ महिलाओं को करोड़पति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया है
- बिहार में सड़कों का जाल बढ़ाने के लिए 7 एक्सप्रेए जाएंगे
- किसानों का भी एनडीए के घोषणापत्र में ध्यान रखा गया है। हर फसल पर एमएसपी की गारंटी दी जाएगी
- हर जिले में फैक्ट्री औधोगिक पार्क लगाने की योजना है
- 1 करोड़ सरकारी नौकरी और रोजगार देने का वादा किया गया है
- दरभंगा और पूर्णिया में इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाने की योजना है।
- बिहार में 4 नए शहरों में मेट्रो का निर्माण होगा
- एजुकेशन सिटी का निर्माण किया जाएगा
- गरीब परिवार के लोगों को केजी से पीजी तक मुफ्त

एनडीए का घोषणापत्र दिखावा : तेजस्वी

तेजस्वी यादव ने एनडीए के चुनावी घोषणा पत्र को पुराने वादों का दोहराव बताया। उन्होंने कहा कि सरकार ने पहले जो वादे किए थे, उन्हें पूरा नहीं किया और अब वही बातें फिर से कह दी गईं। तेजस्वी ने तंज करते हुए कहा कि यह घोषणा पत्र सिर्फ 30 सेकेंड में जारी कर दिया गया, जैसे बस दिखावा किया गया हो। तेजस्वी ने कहा, नए वादे करने से पहले पुराने वादे पूरे करने चाहिए थे।

30 सेकंड की प्रेस वार्ता में जारी कर दिया घोषणापत्र

कांग्रेस पार्टी के नेता अशोक गहलोत ने बीजेपी और सहयोगी दलों पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव के लिए एनडीए ने सिर्फ 30 सेकंड की प्रेस वार्ता में घोषणापत्र जारी किया। वे सवालों का सामना करने से डरते हैं।

एनडीए पर बरसे पीके

एनडीए के घोषणापत्र पर प्रशांत किशोर ने कहा, 'पिछले 15-20 सालों में सत्ता में बैठे लोगों को बिहार की जनता ने कई मौके दिए हैं। जनता देख रही है कि वे हर बार एक ही बात कहते हैं।

महागठबंधन जारी कर चुका है 'तेजस्वी प्रण'

बता दें कि गत 28 अक्टूबर को इंडिया महागठबंधन ने अपना घोषणा पत्र 'तेजस्वी प्रण ' जारी किया था जिसमें महागठबंधन की सरकार बनने पर 20 दिन के अंदर सरकारी नौकरी देने, जीविका दीदी को स्थायी दर्ज और 30 हजार प्रति माह वेतन देने सहित कई वादे किए गए थे।

एनडीए की पार्टियां इन सीटों पर लड़ रही चुनाव

बता दें कि बिहार में 243 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव हो रहे हैं। 6 नवंबर और 11 नवंबर को वोटिंग होगी और 14 नवंबर को मतगणना है। एनडीए गठबंधन में शामिल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 101, नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) 101 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। वहीं चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) 29 सीटों पर, जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) 6 और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा 6 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं।

इंडी गठबंधन गरीबों के राशन पर डकैती डालने वाला : योगी

गड़हनी की चुनावी सभा में गरजे यूपी के सीएम

एजेंसी ▶▶| पटना

बिहार के गड़हनी में एक चुनावी रैली के दौरान यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर तगड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि ये इंडी गठबंधन जो आज कम्युनिस्ट, राजद या कांग्रेस के नाम पर आया है, ये इसलिए आया है जिससे वे गरीबों के राशन पर डकैती डाल सकें। पुराना अनुभव है कि पहले आरजेडी के समय में गरीबों को राशन नहीं मिलता था। गरीबों के राशन को तो उन्होंने खाया ही खाया, पशुओं का चारा भी वे खा गए। ये वही लोग हैं जिन्होंने नौकरी नहीं दी बल्कि नौकरी के नाम पर आपके पैरों के नीचे की जमीन को हड़पने का काम किया, ये वही लोग हैं जिन्होंने किसानों की जमीनों पर कब्जा करवाया। इसके पहले सीवान में जनसभा को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस और राजद ने हमेशा हमारी विरासत का अनादर किया है। उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों ने कांग्रेस को खारिज कर दिया क्योंकि उसने सरदार पटेल, आंबेडकर, राजेंद्र प्रसाद, कर्पूरी ठाकुर का अपमान किया।

तेजस्वी महुआ आए तो मैं उनके खिलाफ करूंगा प्रचार : तेज प्रताप

पटना। जनशक्ति जनता दल प्रमुख तेज प्रताप यादव ने कहा कि अगर तेजस्वी यादव महुआ में उनके खिलाफ प्रचार करते हैं, तो वह भी राघोपुर जाकर तेजस्वी के खिलाफ प्रचार करेंगे। लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे और जनशक्ति जनता दल के प्रमुख तेज प्रताप ने साफ कहा कि अगर उनके छोटे भाई तेजस्वी यादव महुआ में उनके खिलाफ प्रचार करने जाएंगे, तो वह भी राघोपुर जाकर तेजस्वी के खिलाफ प्रचार करेंगे। उन्होंने बिहार की कानून व्यवस्था पर भी सवाल उठाए और बहन रोहिणी के बयान का जवाब दिया। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच मुख्यमंत्री पद के दावेदारों की बयानबाजी में नया मोड़ आ गया है। बता दें, तेजस्वी यादव राघोपुर से चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि तेज प्रताप महुआ से चुनाव मैदान में हैं। दोनों के बीच यह चुनाव राजनीतिक और पारिवारिक दोनों स्तर पर चर्चा में है। इसी बीच तेज प्रताप यादव ने साफ कहा कि राजनीति अपनी जगह है और वह अपने सिद्धांतों पर चुनाव लड़ रहे हैं।

प्रिंस का शाही खिताब भी छीना, रेप के आरोप

ब्रिटेन में किंग चार्ल्स ने भाई को घर से निकाला

एजेंसी ▶▶| लंदन

ब्रिटेन के किंग चार्ल्स ने अपने छोटे भाई एंड्रयू से 'प्रिंस' का खिताब और सभी शाही उपाधियां वापस ले ली हैं। उन्हें विंडसर स्थित उनके आलीशान घर 'रॉयल लॉज' को भी खाली करने का आदेश दिया गया है। पीड़िता वर्जिनिया गिफ्रे ने आरोप लगाया था कि 2001 में जब वह 17 साल की थी तब प्रिंस एंड्रू ने उनका यौन शोषण किया था। बकिंघम पैलेस ने इस मामले पर एक बयान जारी कर कहा 'किंग ने आज प्रिंस एंड्रयू की शैली, उपाधियों और सम्मानों को हटाने की औपचारिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। 65 साल एंड्रयू दिवंगत क्वीन एलिजाबेथ के दूसरे बेटे हैं। एंड्रयू का नाम लंबे समय से अमेरिकी अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़ा रहा है, जिस पर नाबालिगों के यौन शोषण के गंभीर आरोप थे।

आरोप लगाने वाली वर्जिनिया की मौत

प्रिंस एंड्रयू पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली वर्जिनिया गिफ्रे की अप्रैल में मौत हो गई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक उसने आत्महत्या की। वर्जिनिया (41 साल) ने साल 2011 में अमेरिका के हाई प्रोफाइल वेश्यावृत्ति नेटवर्क का खुलासा कर पूरी दुनिया को हैरान कर दिया था। वह सिर्फ 15 साल की थी, तभी एपस्टीन के नेटवर्क में फंस गई थीं। उसे कई प्रभावशाली और हाई-प्रोफाइल व्यक्तियों के साथ यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर किया गया। इसी इंटरव्यू में वर्जिनिया ने ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू के साथ अपनी मुलाकातों का भी जिक्र किया था।

सिक्किम सहित कई राज्यों के लिए आईएमडी का रेड अलर्ट

भारत-चीन सीमा पर भारी बर्फबारी, जीरो से नीचे पहुंच गया तापमान

नई दिल्ली। भारत-चीन सीमा के ऊपरी इलाकों में विशेषकर नाथुला दर्रे के आसपास शुक्रवार को ताजा हिमपात हुआ जिससे सिक्किम में तापमान तेजी से गिर गया। राज्य के कई ऊंचाई वाले क्षेत्रों में पारा शून्य से नीचे पहुंच गया, जिससे पर्वतीय मार्गों पर आवाजाही प्रभावित हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, सुबह से ही नाथुला, कुपुप और त्सोमगो (चांगू) झील क्षेत्र में भारी से बहुत भारी बर्फबारी दर्ज की गई। विभाग ने सिक्किम के लिए रेड अलर्ट जारी करते हुए अगले 24 घंटों तक खराब मौसम की चेतावनी दी है।

सैलानियों को चेतावनी

स्थानीय प्रशासन ने पर्यटकों और परिवहन संचालकों को ऊंचाई वाले इलाकों की यात्रा से परहेज करने की सलाह दी है, क्योंकि सड़कों पर बर्फ जमने से फिसलन बढ़ गई है। सीमा सड़क संगठन की टीमें लगातार सड़कों से बर्फ हटाने और आवश्यक संपर्क बहाल रखने में जुटी हुई हैं।

अयोध्या में 14 कोसी परिक्रमा मेले में पहुंचीं ज्योति आमगे

विश्व की सबसे छोटी महिला ने किया रामलला का दर्शन

एजेंसी ▶▶| अयोध्या

महाराष्ट्र के नागपुर की 32 साल की ज्योति किशन आमगे गुरुवार को अपने परिवार के अयोध्या पहुंचीं। उन्होंने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई। वे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड के अनुसार अपने आयु वर्गश्व की सबसे छोटी कद की महिला हैं। कोसी परिक्रमा मेले में आकर ज्योति काफी खुश दिखाई दे रही थीं। ज्योति के साथ माता, पिता, भाई, बहन, जीजा थे। मंदिर की व्यवस्था से जुड़े डॉ. चंद्र गोपाल पांडेय ने बताया कि ज्योति को उनके सहयोगी भोला राम ने गोद में उठाकर रामलला के दर्शन कराए। ज्योति ने कहा, 'मैं बहुत साल बाद भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या आई हूं। यहां आकर बहुत अच्छा लग रहा है। मीडिया से बातचीत में उन्होंने बताया कि वे कई देशों की यात्रा कर चुकी हैं। अयोध्या पहुंची यह विश्व की सबसे छोटी महिला लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी रही।

खास बातें

- गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज है उनका नाम
- अमेरिकी टीवी शो में भी आ चुकी है नजर

दुनिया की सबसे छोटी जीवित महिला

ज्योति की जन्मतिथि 16 दिसंबर 1993 और कद 62.8 सेंटीमीटर (2 फीट 0.7 इंच) है। इनकी इस ऊंचाई का कारण एक आनुवंशिक विकार है जिसे 'प्रिमॉर्डियल इवार्फिज्म' कहते हैं। उन्हें पैदल चलने में दिक्कत है। दरअसल, ज्योति एकोंड्रॉप्लासिया नामक हड्डियों की दुर्लभ बीमारी से पीड़ित हैं। इससे पीड़ित व्यक्ति की लंबाई नहीं बढ़ती।

प्रेरणा का प्रतीक बनी ज्योति

ज्योति आमगे नागपुर के किशन आमगे और रंजना आमगे की बेटी हैं। ज्योति ने ग्रेजुएशन पूरा किया है और दुनियाभर में प्रेरणा का प्रतीक बन चुकी हैं। स्कूल के दिनों में उनकी कुर्सी, डेस्क, यूनिफॉर्म, यहां तक कि बर्तन भी उनके हिसाब से बनाए गए थे। ज्योति ने 18वें जन्मदिन पर अमेरिका की ब्रिगेट जार्डन को पछाड़कर दुनिया की सबसे छोटी जीवित महिला का रिकॉर्ड अपने नाम किया था। 2014 में ज्योति अमेरिकी टीवी शो में भी नजर आ चुकी हैं। 2018 में इजिप्ट टूरिज्म प्रमोशन बोर्ड ने उन्हें एक इवेंट के लिए दुनिया के सबसे लंबे शख्स तुर्किये के सुल्तान कोसेन के साथ इनवाइट किया था।

'हम ऑपरेशन सिंदूर के लिए तैयार और तैनात हैं'

नौसेना के वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन ने दिया बड़ा बयान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारतीय नौसेना के वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन की ओर से बड़ा बयान दिया गया है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, नौसेना पूरी तरह ऑपरेशन सिंदूर के लिए तैयार और तैनात है। उन्होंने साफ कहा कि भारत की रणनीति और योजनाओं में कोई रुकावट नहीं आई है, हम ऑपरेशन सिंदूर के लिए तैयार हैं। हमारी बाकी योजनाएं, अभ्यास और विदेशी देशों से साझेदारी भी जारी रहेगी। यह बहुत ही सिंपल मैसेज है। वाइस एडमिरल वात्स्यायन ने बताया कि हिंद महासागर क्षेत्र में बाहरी देशों की मौजूदगी लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि, यह पहले भी थी और अब और बढ़ गई है। किसी भी समय इस क्षेत्र में 40-50 से ज़्यादा विदेशी जहाज सक्रिय रहते हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भारतीय नौसेना हर एक जहाज पर नजर रख रही है। उन्होंने कहा, 'हमें पता है कौन कब आता है, कब जाता है। क्या कर रहा है और आगे क्या करेगा हम हर गतिविधि की निगरानी कर रहे हैं।'

भारत-यूएस के बीच रक्षा समझौता

10 वर्षीय 'यूएस-इंडिया मेजर डिफेंस पार्टनरशिप फ्रेमवर्क' पर हस्ताक्षर

पीट हेगसेथ और राजनाथ सिंह समझौते के बाद मीडिया को एमओयू दिखाते हुए

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को मलेशिया के कुआलालंपुर में 12 वीं आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक (एडीएमएम-प्लस) के अवसर पर अमेरिका के युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के बाद दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय बैठक की। बैठक के बाद, दोनों नेताओं ने 'अमेरिका-भारत प्रमुख रक्षा साझेदारी की रूपरेखा' पर हस्ताक्षर किए, जो पहले से ही मजबूत रक्षा साझेदारी में एक नए युग की शुरुआत करेगी। वर्ष 2025 की रूपरेखा अगले 10 वर्षों में भारत और अमेरिका के बीच साझेदारी को और भी बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। इसका उद्देश्य रक्षा सहयोग को और मजबूत करना है।

भारत प्राथमिकता वाला देशः यूएस

पीट हेगसेथ ने दोहराया कि रक्षा सहयोग में भारत अमेरिका के लिए एक प्राथमिकता वाला देश है और वे स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि यह ढांचा द्विपक्षीय रक्षा साझेदारी को आगे बढ़ाता है, जो क्षेत्रीय स्थिरता और प्रतिरोध की आधारशिला है। हम अपने समन्वय, सूचना साझाकरण और तकनीकी सहयोग को बढ़ा रहे हैं। हमारे रक्षा संबंध पहले कभी इतने मजबूत नहीं रहे। दोनों नेताओं ने मौजूदा रक्षा मुद्दों और चुनौतियों की समीक्षा की और रक्षा उद्योग एवं प्रौद्योगिकी सहयोग पर विचार-विमर्श किया। साथ ही बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के दौर में चुनौतियों के समाधान के लिए मिलकर काम करने पर सहमति व्यक्त की।

रक्षा क्षेत्र प्रमुख स्तंभ बना रहेगाः राजनाथ सिंह : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि यह हमारे बढ़ते रणनीतिक संबंधों का संकेत है और साझेदारी के एक नए दशक का सूत्रपात करेगा। रक्षा हमारे द्विपक्षीय संबंधों का प्रमुख स्तंभ बना रहेगा। एक स्वतंत्र, खुले और नियमबद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए हमारी साझेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत और अमेरिका के बीच सैन्य अभ्यासों और गतिविधियों, सूचना साझाकरण, समान विचारधारा वाले क्षेत्रीय और वैश्विक साझेदारों के साथ सहयोग, रक्षा औद्योगिक, विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग तथा रक्षा समन्वय तंत्र के माध्यम से रक्षा संबंधों का विस्तार जारी है।

आधुनिक युग में युद्ध बुद्धि तकनीक और नैतिक तैयारी के दम पर लड़े जाएंगे : जनरल द्विवेदी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नई दिल्ली

- सरदार पटेल की 150वीं जयंती के मौके पर आयोजित किए गए एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बोले सेनाप्रमुख

तेजी से बदलते युद्ध के स्वरूप और पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ पश्चिमी सीमा पर जारी सुरक्षा चुनौती के बीच सेनाप्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शुक्रवार को आगाह करते हुए कहा कि आधुनिक दौर में लड़ाई केवल हथियारों के बलबूते पर नहीं लड़ी जा सकती है। बल्कि इसमें बुद्धि, तकनीक, सैन्य ताकत और नैतिक रूप से की गई तैयारी की भी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका होगी। ऐसा इसलिए होगा। क्योंकि अब युद्ध तेजी के साथ गैर-संपर्क वाले और अति-घातक होते जा रहे हैं। जिनकी वजह से उनके साथ आ रहे बहुआयामी कारक एक ऐसे जवाबी प्रतिक्रिया की मांग को बढ़ा रहे हैं, जो उक्त कारकों पर आधारित हो। राष्ट्रीय सुरक्षा केवल सीमा पर तैनात जवानों से ही संबंधित नहीं है। बल्कि इसका सरोकार हमारे नागरिकों और युवाओं से भी है। सेनाप्रमुख ने यह जानकारी सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती यानी एकता दिवस के मौके पर 31 अक्टूबर को राजधानी के मानेकशॉ केंद्र में आयोजित किए गए यंग लीडर्स फोरम नामक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दी है।

यूं बदल गए युद्ध के मायने

सेनाप्रमुख के मुताबिक, आज पारंपरिक युद्ध की परिभाषा पूरी तरह से बदल गई है। जिसके पीछे साइबर और सूचना युद्ध के साथ ही अंतरिक्ष आधारित क्षमताओं की जरूरी भूमिका है। राष्ट्रीय सुरक्षा में सामरिक संतुलन को लेकर की जाने वाली तैयारी, सुरक्षा और जवाबी प्रतिक्रिया या कार्यवाही से बचाव जैसे पहलू शामिल हैं। चुनौतियों से इतर हालांकि हमारे पास बहुतायत में अवसर मौजूद हैं। जिसमें दुनियाभर में मौजूद युवा आबादी की बड़ी तादाद, परिवर्तनकारी तकनीक और सामरिक रणनीति मुख्य हैं।

'पटेल ने लगाया था आरएसएस पर बैन फिर से ऐसा ही हो'

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नई दिल्ली

- भाजपा झूठी, पटेल मानते थे नेहरू को देश का आदर्श नेता : खड़गे
- कांग्रेस अध्यक्ष ने मतभेद के मनगढ़ंत भाजपाई दावों की खोली पोल

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सरदार वल्लभ भाई पटेल द्वारा आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) पर लगाए गए प्रतिबंध की याद दिलाते हुए कहा कि उनकी व्यक्तिगत राय में फिर से संघ पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए, क्योंकि देश में ज्यादातर कानून-व्यवस्था की समस्याएं भाजपा-आरएसएस की वजह से पैदा हो रही हैं। यह बात मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को नई दिल्ली में सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के 41वें बलिदान दिवस के अवसर पर पत्रकारों से बातचीत में कही। इस मौके पर उनके साथ पार्टी के संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश भी मौजूद थे। खड़गे ने कटाक्ष करते हुए कहा कि गांधी जी की हत्या के बाद जिस संस्था को सरदार पटेल ने बैन किया था, अब एनडीए सरकार ने उसी संगठन से सरकारी कर्मचारियों को जुड़ने की छूट दे दी है।

आर्य समाज ने समाज सुधार की महान परंपरा को निरंतर आगे बढ़ायाः मोदी

हरिभूमि ब्यूरो नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि आर्य समाज ने समाज सुधार की महान परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाया है। आर्य समाज अपनी स्थापना से लेकर आज तक प्रबल राष्ट्रभक्तों की संस्था रही है। आर्य समाज निर्भीक होकर भारतीयता की बात करने वाली संस्था रही है। भारत विरोधी कोई भी सोच हो, विदेशी विचारधाराओं को थोपने वाले लोग हों, विभाजनकारी मानसिकता हो, सांस्कृतिक प्रदूषण के दुष्प्रयास हों, आर्य समाज ने हमेशा इनको चुनौती दी है।

दुलारचंद हत्याकांड चुनाव आयोग ने डीजीपी से मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान मोकामा में हुई हिंसक घटना के संबंध में डीजीपी से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने यह कदम दुलारचंद यादव की हत्या और आरजेडी उम्मीदवार वीणा देवी की कार पर हमले के बाद इलाके में पथराव और गोलीबारी की खबरों के बाद उठाया है। मोकामा में गुरुवार को प्रशांत किशोर की दुलारचंद यादव की हिंसा के दौरान हत्या हो गई थी। यादव गैंगस्टर रह चुके थे। घटना के समय यादव जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार पीयूष प्रियदर्शी के लिए प्रचार कर रहे थे।

आर्बिट्रेशन को मजबूती देने होगा कानून में संशोधन

हरिभूमि न्यूजःनई दिल्ली

कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने दो टूक कहा कि देश में आर्बिट्रेशन को मजबूती देने के लिए अब समय आ गया है जब कानून में संशोधन कर इसे मजबूती दी जाए ताकि लोगों को त्वरित और खर्च रहित न्याय समयबद्ध तरीके से मिलने में आसानी हो। कानून मंत्री देश के प्रतिष्ठित इंडियन डिस्प्यूट रिजॉल्यूशन सेंटर के तत्वावधान में आयोजित 'आर्बिट्रेट इन इंडिया कॉनक्लेव 2025' को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण को सबसे बडा और सबसे पुराना आर्बिट्रेटर बताते हुए कहा कि महाभारत की लडाई में भगवान श्रीकृष्ण ने आर्बिट्रेटर की भूमिका निभायी थी।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, राँची

ई-प्रोक्योरमेंट सूचना
टेन्डर रेफरेंन्स नं०-प०नि०वि०/राँची-39/2025-26
दिनांक :- 31.10.2025

1.	कार्य का नाम	IRQP Workin Mandar Chowk (on NH-75) to Burmu Road (कुल लम्बाई-14.80 कि०मी०) कार्य वर्ष 2025-26
2.	प्राक्कलि राशि (रू० लाख में)	रू० 1142.22 लाख (रूपये ग्यारह करोड़ ब्यालीस लाख एवं बाईस हजार) मात्र।
3.	अग्रधन की राशि (रू० लाख में)	रू० 11.43 लाख (रूपये ग्यारह लाख तेतालीस हजार) मात्र।
4.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	07 (सात) माह
5.	वेबसाईड पर निविदा प्रकाशन की तिथि	03.11.2025 10.30 बजे पूर्वाह्न
6.	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि/समय	24.11.2025 12.00 बजे दोपहर तक
7.	निविदा खोलने तिथि/समय	25.11.2025 12.30 बजे
8.	निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल राँची, मोहराबादी, राँची-834008.
9.	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	0651-2361018
10.	ई-प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या	0651-2401010

- प्राक्कलित राशि एवं अग्रधन की राशि घट-बढ़ सकती है, जिसे *Tender Online Upload* में देखा जा सकता है, एवं किसी भी प्रकार का बदलाव *http://jharkhandtenders.gov.in* पर देखा जा सकता है।
- नियम एवं शर्ते के लिए वेबसाईट *http://jharkhandtenders.gov.in* पर देखें।

कार्यपालक अभियंता
पथ निर्माण विभाग,पथ प्रमंडल, राँची।

PR.NO.364965 Road Construction Dept Road Division Ranchi(25-26):D

Nava Raipur Atal Nagar Vikas Pradhikaran

Paryavas Bhawan, North Block, Sector- 19, Nava Raipur Atal Nagar, Raipur- 492 002, Chhattisgarh. Tel No: +91 771 2512500; Fax No.: +91 771 2512400. Website: www.navaraipuratalnagar.com

NIT No.8698/R-20/PRJ/NRANVP/2025 — Nava Raipur Atal Nagar, Dated: 31/10/2025

Notice Inviting Tender (2nd Call)

Online Tenders are invited for **"Allotment of Plot for 3-Star and above Hotel at Plot LI/S37/R2-B, Sector 37 in Nava Raipur Atal Nagar"**. Details of the projects are as below:

S. No.	System Tender No.	Notice Inviting Tender No.	Location of Project	Plot Area (In Sq.mt.) approx.	Reserved Land Premium (INR/Sq.mt.)	EMD (INR Lakhs)
1	178304	8698	3-star and above Hotel Plot LI/S37/R2-B, Sector - 37 (2nd Call)	**8,098.5421** (2.0 Acre)	9,833.00	80.00

Tenderers shall download tender from e-Procurement website. The tender processing fee is INR. 5,900/- only (Including GST) per tender.

- Date and Time of Pre-bid meeting at **at 12:00 PM on 17th November 2025**
- Last Date for Online submission of Tender - **up to 03:00 PM on or before 1st December 2025**
- Last Date for Hard copy Submission of Technical Bid - **up to 03:00 PM on or before 3rd December 2025**
- Opening of Technical Bid after **03.30 PM on 3rd December 2025**

The details of tender and terms & conditions are available on **the e-Procurement website https://eproc.cgstate.gov.in**

Any amendment/modification in the tender documents, will only be uploaded on the e-Procurement website and shall not be published in any newspaper.

Note: If the date of Hard copy submission falls on public holiday, then the next working day shall be considered. (Approved by CEO)

Manager (Estate)
NRANVP, Nava Raipur Atal Nagar

S-45748/1

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमंडल, गोड्डा

ई०-निविदा आमंत्रण सूचना

e-Tender Reference No.-WRD/MID/GODDA/ F2-09/2025-26 — Date-30.10.2025

1. विज्ञापनदाता का नाम : कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमंडल, गोड्डा।
2. वेबसाइट में ई०-निविदा प्रकाशन की तिथि : 13.11.2025
3. ई०-निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : 25.11.2025 अपराह्न 03:00 बजे तक
4. ई०-निविदा खोलने की तिथि एवं स्थान : 26.11.2025 अपराह्न 04:30 बजे मुख्य अभियंता का कार्यालय लघु सिंचाई, दुमका।

ग्रुप सं०	कार्य का मद	योजना का नाम	प्रखण्ड	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	राज्य सम्पोषित योजना	बेदीय नदी पर श्रृंखलाबद्ध चेक डैम निर्माण।	पथरगामा	142.086	2,85,000.00	10,000.00	11 माह
2	राज्य सम्पोषित योजना	कौवा नदी में गड़ी पडवारा के पास चेक डैम निर्माण।	ठाकुरगंगटी	111.026	2,23,000.00	10,000.00	11 माह
3	राज्य सम्पोषित योजना	कर्णपुरा जोरिया में चेक डैम निर्माण।	गोड्डा	75.703	1,52,000.00	10,000.00	11 माह
4	राज्य सम्पोषित योजना	गुणघासा नदी में श्रृंखलाबद्ध चेक डैम निर्माण।	पोड़ैयाहाट	182.926	3,66,000.00	10,000.00	11 माह

नोटः-
1. केवल ई-निविदा ही स्वीकार किया जायेगा।
2. प्राक्कलित राशि घट-बढ़ सकती है।
3. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा ही स्वीकार्य होगी।
4. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई-भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।
5. Work performance :- पूर्व से आवंटित कार्य 90 प्रतिशत से अधिक पूर्ण नहीं रहने तथा समानुपातिक प्रगति नहीं पाये जाने पर अन्य कार्यों में डाली गई निविदा विचारणीय नहीं होगा।
6. विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in पर लॉग आन करें।

कार्यपालक अभियंता,
लघु सिंचाई प्रमंडल, गोड्डा
Mob.- 9939708923

PR 364929 Minor Irrigation (25-26)_D

कार्यालय जिला आयुष अधिकारी जिला बस्तर, जगदलपुर (छ.ग.)

ई-मेल :- cgayushjagdalpur@gmail.com
दूरभाष एवं फैक्स क्र. :- 07782-227927

क्रमांक / स्टोर / भोजन निविदा / 2025 / 1707
जगदलपुर, दिनांक 29/10 /2025

-:: चतुर्थ निविदा सूचना ::-

वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु 30 शैय्या युक्त जिला आयुर्वेद चिकित्सालय कुम्हारपारा जगदलपुर में भर्ती मरिजों को मेडिकल मेन्यूअल अनुसार भोजन आपूर्ति हेतु **राशि रूपये 100000/- (एक लाख रू. मात्र)** प्राप्त हुआ है। इच्छुक व्यक्ति पंजीकृत स्थानीय संस्थाओं एवं स्वसहायता समूह से निविदा आमंत्रित की जाती हैं संबंधित पंजीकृत फर्म शासन के, **शीर्ष मद :- (0210 चिकित्सा और लोक स्वास्थ्य, 03 चिकित्सा शिक्षा प्रशिक्षण और अनुसंधान, 101 आयुर्वेद, 0753 विविध)** बैंक में चालान के माध्यम से **राशि रू. 500/- (पाँच सौ रू. मात्र)** जमा कर, चालान की एक प्रति प्रस्तुत कर, निविदा प्रपत्र नियम एवं शर्तें की जानकारी कार्यालयीन दिवस में कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

1. निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि - 13.11.2025, शाम 05:30 बजे तक
2. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 14.11.2025 दोपहर , 02:00 बजे तक,
3. निविदा खोलने की तिथि - 14.11.2025 शाम 04:00 बजे तक।

जिला आयुष अधिकारी
जिला बस्तर, जगदलपुर (छ.ग.)

G-252604431/2

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION CO. LTD.

(A Government of Chhattisgarh Undertaking) CIN- U40108CT2003SGC0158200 GSTIN-22AADCC5773E1ZX
OFFICE OF THE EXECUTIVE DIRECTOR (SUB-STATION)
Quarter No. OA-01, Old CSEB Colony, Tifra, Bilaspur (C.G.) 495223
Website- www.cspc.co.in e-mail:- cessonm.bilaspur@cspc.co.in Ph. No. 07752-493537 Fax No. 07752-493537

No. 02-17/Pur/T-559/1689 — Bilaspur, Date: 22/10/2025

NOTICE INVITING TENDER

Sealed tenders are invited from experienced Contractors for following work:-

SN	Tender No.	Particulars	E.M.D
01.	02-17/PUR/ T-559/1698 Dtd. 22.10.2025 (Rfx. No. 8100046895)	Supply of Conference Table (Mingle-Modular), Revolving Chair for Conference Hall, Sofa for Visitors and Furnitures Make:- Godrej or Equivalent for Office of ED(S/s) CSPTCL Bilaspur.	13,650.00
Cost of Tender Documents (Non-refundable) incl. GST@18%			2,000.00
Last Date & Time of Sale of Tender: -	11/11/2025		15:00 Hrs
Last Date & Time of Submission of Tender:-	12/11/2025		15:00 Hrs
Date & Time of Opening of Tender :-	12/11/2025		15:30 Hrs

Note:- (i) In case any of the above date is declared as holiday, then the particular date will automatically get shifted to next working day.(ii) Any notice for extension of due date of tender opening shall not be published in newspapers. It will be displayed only on official website of the company.(iii) The tender will be processed through e-bidding module of SAP-SRM. Bidders are advised to visit our web site www.cspc.co.in/csptcl for viewing detailed instructions regarding submission of offer through SAP-SRM

SAVE ELECTRICITY

Executive Director (S/s)
CSPTCL Bilaspur

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग दुर्ग (छ.ग.)

Email id: ee-res.durg@gov.in

ई-निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक-13

ज्ञा.क्रं. 2745 / व.ले.लि. / ग्रा.यां.से. / 2025-26 — दुर्ग, दिनांक 30/10/2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
01	ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग दुर्ग अंतर्गत विभिन्न मदों में वर्ष 2025-26 एवं पूर्व वित्तीय वर्ष में स्वीकृत कार्य हेतु स्वीकृत रूपये 25.00 लाख तक लागत के छोटे-छोटे विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्य का सम्पादन करना। (जोनल निविदा ग्रुप क्र. 14, 22, 26 एवं 27) STN. 178311, 178313, 178314, 178315	40.00 लाख प्रति ग्रुप

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी http://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 30.10.2025 से देखी जा सकती है एवं ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 08.11.2025 तक है।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग
दुर्ग (छ.ग.)

G-252604465/2

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग

नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर (छ.ग.)
दूरभाष (का.) 0771-2439564, 0771-2331204, वेबसाईटः www.psc.cg.gov.in

क्रमांक/2101/5475/2025-CGPSC/EXAM/1169 नवा रायपुर, दिनांक 30/10/2025

व्यवहार न्यायाधीश (मुख्य) परीक्षा 2024 के आयोजन की संक्षिप्त सूचना

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा विज्ञापन क्रमांक 04/2024/परीक्षा/ दिनांक 23/12/2024 एवं शुद्धि पत्र क्रमांक 01/2025/परीक्षा/दिनांक 23.01.2025 द्वारा व्यवहार न्यायाधीश (कनिष्ठ श्रेणी) परीक्षा 2024 हेतु विज्ञापन जारी किया गया था। परीक्षा के अगले चरण में व्यवहार न्यायाधीश (कनिष्ठ श्रेणी) मुख्य परीक्षा 2024 का आयोजन दिनांक 21.12.2025 को किया जाना है। मुख्य परीक्षा में शामिल होने हेतु अभियर्थियों को ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य है। व्यवहार न्यायाधीश (कनिष्ठ श्रेणी) परीक्षा 2024 के आधार पर मुख्य परीक्षा हेतु चिन्हांकित अभ्यर्थी दिनांक 31.10.2025 से 15.11.2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते है।

ऑनलाइन आवेदन संबंधी जानकारी तथा व्यवहार न्यायाधीश (कनिष्ठ श्रेणी) मुख्य परीक्षा 2024 के आयोजन की सूचना आयोग के वेबसाइट www.psc.cg.gov.in पर उपलब्ध है, साथ ही रोजगार एवं नियोजन के आगामी अंक में भी उक्त जानकारी का अवलोकन किया जा सकता है।

परीक्षा नियंत्रक
छ.ग. लोक सेवा आयोग
नवा रायपुर, अटल नगर

G- 252604469/1

कार्यालय नगरपालिका परिषद चांपा, जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

cmochampa@rediffmail.com, cmochampanp@gmail.com
07819-245180

क्रमांक /2305/रा.वि./न.पा. 2025-26 — चांपा, दिनांक 30/10/25

रुचि की अभिव्यक्ति (Expression of Interest)

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि नगरपालिका परिषद् चांपा क्षेत्रान्तर्गत गौरव पथ विवेकानंद उद्यान में स्थित मिलेट कैफे को एक वर्ष संचालन / संधारण किए जाने के लिए निर्धारित अर्हरताधारी पंजीकृत अशासकीय संस्थानों / एन.जी.ओ. / सामाजिक संगठनो / स्वसहायता समूह से रुचि की अभिव्यक्ति त्रिलिफाफा पद्धति में दिनांक 21.11.2025 दिन शुक्रवार को अपरान्ह 3:00 बजे तक स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से आमंत्रित की जाती हैं, निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त लिफाफा/आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किया जायेंगा। आफर दर उसी दिनांक 21.11.2025 दिन, शुक्रवार को सायं 04:00 बजे उपस्थित- एन.जी.ओ./सामाजिक संगठनो/ स्वसहायता समूह के अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोला जाएगा। उक्त दिनांक को अवकाश होने पर आगामी कार्य दिवस को कार्यवाही की जाएगी। आफर दर के साथ राशि रु. 50000/- (पचास हजार रुपये) धरोहर / अमानत राशि, एफ.डी.आर. के रुप में अकेले मुख्य नगरपलिका अधिकारी नगरपालिका परिषद चांपा के नाम से जमा करना अनिवार्य होगा। लिफाफा ''अ'' में धरोहर राशि, लिफाफा ''ब'' में अशासकीय संस्थानों/एन.जी.ओ./ सामाजिक संगठन /स्वसहायता समूह के पंजीयन प्रमाण पत्र, सदस्यता सूची, पेन कार्ड/आयकर प्रमाण पत्र, जी.एस.टी. पंजीयन, किसी संस्था द्वारा ब्लैक लिस्टेड नहीं किए जाने के संबंध में शपथ पत्र एवं अन्य अर्हता संबंधि दस्तावेज व संचालन / संधारण हेतु सामान्य शर्त तथा लिफाफा ''स'' में आफर दर संस्था/एन.जी.ओ. सामाजिक संगठन / स्वसहायता समूह की लेटरपेड प्रारुप में प्रस्तुत करना होगा। तीनो लिफाफा के ऊपर स्पष्ट रुप से अंकित कर मुख्य लिफाफा में भरकर कार्यालय नगरपालिका परिषद् चांपा को प्रेषित किया जाना होगा, जिस पर कार्य का नाम स्पष्ट रुप से अंकित किया जाना अनिवार्य होगा। नियम एवं शर्त तथा विस्तृत जानकारी कार्यालयीन समय में राजस्व शाखा एवं विभागीय वेबसाईट www.uad.cg.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

''स्वच्छ भारत स्वस्थ्य भारत के निर्माण में योगदान दें''

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् चांपा

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल प्रबंध संभाग क्र.-1, रायपुर, (छ.ग.)

रूचि की अभिव्यक्ति

क्र. 4879/लेखा / 2025 — रायपुर, दिनांक 28/10/2025

रूचि की अभिव्यक्ति के अंतर्गत जिसका विवरण निम्नानुसार दर्शाया जा रहा है एवं जिस फर्म को छ.ग. शासन जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर अटल नगर जिला रायपुर के पत्र क्र. 2421 / एफ-7-15-31/एस-2/2014, अटल नगर रायपुर दिनांक 30.05.2023 के द्वारा सूचीबद्ध किया गया हैं उनसे स्पीड पोस्ट के माध्यम से निविदा दर आमंत्रित किया जाता हैं।

स. क्र.	कार्य का नाम	जिला एवं ब्लॉक का नाम	कार्य की अनुमानित लागत	कार्य की अवधि	आवेदन पत्र की राशि
01	महादेवघाट एनीकट परिक्षेत्र का सुरक्षा विकास एवं सौदंर्गीकरण कार्य में सम्मिलित केवल एन.जी.टी. के अंतर्गत किये जाने वाले विस्तृत सर्वेक्षण कार्य का स्टेज 2	रायपुर धरसींवा	714.30	12 माह वर्षा ऋतु सहित	3000.00

1. आवेदन की राशि रू. 3000/- का डिमाण्ड ड्राफ्ट / अथवा बैकर्स चेक कार्यपालन अभियंता, जल प्रबंध संभाग, रायपुर के नाम से देय हो दर लिफाफे के साथ प्रस्तुत करें तथा वित्तीय एवं भौतिक बंद लिफाफे के साथ अलग-अलग जमा करें।
2. सूचीबद्ध संस्थान को उल्लेखित कार्य की निविदा राशि का लिफाफा दिनांक 14.11.2025 तक इस कार्यालय में केवल रजिस्टर्ड पोस्ट (ए/डी) स्पीड पोस्ट के माध्यम से ही प्राप्त की जायेगी।
3. सूचीबद्ध संस्थानों से प्राप्त निविदा लिफाफा को दिनांक 17.11.2025 को सांयकाल 4.30 बजे खोला जावेगा।
4. इच्छुक निविदाकार कार्य से संबंधित विस्तृत विवरण प्राप्त करने कार्यपालन अभियंता, जल प्रबंध संभाग क्र. 1, रायपुर (छ.ग.)

कार्यपालन अभियंता
जल प्रबंध संभाग क्र.-1,
रायपुर (छ.ग.)

G-252604437/5

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) रायपुर छत्तीसगढ़

e-mail: miningraipur@gmail.com

क्रमांक 1672/खनि/ नीलामी (रिवर्स ऑक्शन)/2025 रायपुर दिनांक 30.10.2025

// नीलामी सूचना //

रायपुर जिला अंतर्गत नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) के माध्यम से रेत खदानों के आंबटन हेतु एन.आई.टी. का वेबसाईट एवं सूचना पटल पर प्रकाशन दिनांक 30.10.2025 से किया जावेगा। जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	Event No.	खदान का नाम	ग्राम/ ग्राम पंचायत	तहसील	खसरा नं.	रकबा (हे. में)
1	MSTC/RPR/Chhattisgarh/RaipurTender/4/25-26/39812	हरदीडीह (बी)	हरदीडीह	आरंग	703	10.00
2	MSTC/RPR/Chhattisgarh/RaipurTender/5/25-26/39813	कुरूद (सी)	कुरूद	आरंग	2742	10.00
3	MSTC/RPR/Chhattisgarh/RaipurTender/6/25-26/39814	राटाकाट (बी)	राटाकाट	आरंग	887	10.00
4	MSTC/RPR/Chhattisgarh/ RaipurTender/7/25-26/39815	टीला (बी)	टीला	गोबरा नवापारा	1891 का भाग	10.00
5	MSTC/RPR/Chhattisgarh / Raipur Tender/8/25-26/39816	चांपाझर (ए)	चांपाझर	गोबरा नवापारा	3103 का भाग	5.00
6	MSTC/RPR/Chhattisgarh/Raipur Tender/9/ 25-26/39818	चांपाझर (बी)	चांपाझर	गोबरा नवापारा	1112 का भाग	5.00

** **बोली लगाने की आरंभिक तिथि - दिनांक 20.11.2025**
बोली लगाने की अंतिम तिथि - दिनांक 26.11.2025

विस्तृत विवरण-खदान वार निम्नानुसार ऑनलाईन लिंक पर प्राप्त किया जा किया सकता है :- https://www.mstcecommerce.com/auctionhome/container.jsp?title_id=Notice%20Inviting%20Tenders&linkid=0&main_link=y&sublink=n&main_link_name=565&portal=mmb/sandcg&homepage=index&arcDate= 30-11-2021

सूचनार्थ।

खनिज अधिकारी
जिला रायपुर (छ.ग.)

G- 252604457/3

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मुंगेली (छ.ग.)

(न्यु कम्पोजिट बिल्डिंग भवन प्रथम तल कलेक्टोरेट परिसर जिला - मुंगेली छत्तीसगढ़)
Room No. 222,223 Email ID- mungeliminingoffice@gmail.com

क्रमांक / 883 / खलि. 02 / रेत ई-नीलामी / 2025-26 — मुंगेली, दिनांक 30/10/2025

-:: शुद्धि-पत्र ::-

सर्वसाधारण के लिए सूचना है कि इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 853 / रेत / 2025 दिनांक 24.10.2025 के माध्यम से Event No.-MSTC/RPR/ Chhattisgarh/Mungeli Tender/ 2/25-26/39608 से ग्राम लुकउकापा, तहसील सरगांव, जिला मुंगेली में रेत खदान लुकउकापा- C3 हेतु उत्खननपट्टा आबंटन किये जाने हेतु निविदा आमंत्रण सूचना जारी किया गया है जिसमें संलग्न परिशिष्ट-दो में त्रुटिवश टोपोशीट नंबर एवं अक्षांश / देशांश गलत लिखा गया है।

उपरोक्तानुसार रेत खदान लुकउकापा-C3 हेतु जारी निविदा आमंत्रण सूचना के परिशिष्ट-दो में टोपोशीट नंबर एवं अक्षांश / देशांश को निम्नानुसार पढा जावे।

पुराना टोपोशीट नंबर - 64 F/16 पुराने कोऑर्डिनेट

BP1	22°2'12.87'N	81°57'4.20'E
BP2	22°2'13.10'N	81° 57'4.58'E
BP3	22°1'41.82'N	81°57'14.77'E
BP4	22°1'42.20'N	81°57'14.28'E

नया / संसोधित टोपोशीट नंबर - 64K/1 नये / संसोधित कोऑर्डिनेट

BP1	21°57'48.65'N	82°0'34.24'E
BP2	21°57'47.96'N	82°0'35.03'E
BP3	21°58'25.78'N	82°0'30.03'E
BP4	21°58'25.20'N	82°0'29.30'E

यह शुद्धि पत्र निविदा क्रमांक 853 / रेत / 2025 - 26 मुंगेली दिनांक 24.10.2025 एवं Event No.- MSTC/RPR/Chhattisgarh/Mungeli Tender / 2/25-26/39608 का हिस्सा है और सभी बोलीदारों को सलाह दी जाती है कि वे निविदा पत्र और शुद्धि पत्र (Corrigendum) को ध्यान से पढे एवं इसका पालन करे। उपरोक्त जानकारी (एमएसटीसीलिंक- https://mstcecommerce.com/ auctionhome/mmb/ sandcg/index.jsp) से प्राप्त कि जा सकता है। अन्य सभी शर्ते एवं विवरण निविदा पत्र के अनुसार ही रहेंगी।

खनि अधिकारी
जिला मुंगेली (छ.ग.)

G-252604472/2

खबर संक्षेप

शानदार प्रदर्शन, जेमिमा और हरमनप्रीत : तेंदुलकर

नवी मुंबई। सचिन तेंदुलकर ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की जमकर तारीफ की है, जिसने महिला वनडे विश्व कप सेमीफाइनल में रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करके आस्ट्रेलिया पर यादगार जीत दर्ज की। तेंदुलकर ने जीत के बाद एक्स पर लिखा,'शानदार जीत। शानदार प्रदर्शन जेमिमा रौड्रिग्स और हरमनप्रीत कौर। श्री चरणी और दीप्ति शर्मा ने गेंदबाजी से मैच को जीवंत बनाए रखा।' उन्होंने आगे लिखा,' तिरंगे का परचम लहराते रहो।'

अंडर-16 में रोनाल्डो के बेटे ने किया डेब्यू

अंताल्या। सुपरस्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बड़े बेटे ने पुर्तगाल की अंडर 16 टीम के लिए पदार्पण किया। क्रिस्टियानिन्हो के नाम से मशहूर पंद्रह वर्ष के क्रिस्टियानो डोस सांतोस को तुर्की के खिलाफ फेडरेशंस कप टूर्नामेंट के मैच में 90वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर उतारा गया। पुर्तगाल ने यह मैच 2-0 से जीता। सउदी अरब में अल नासर की युवा अकादमी के लिए खेलने वाले क्रिस्टियानिन्हो को पहले पुर्तगाल की अंडर 15 टीम में भी शामिल किया गया था।

नार्थ कोस्ट ओपन के क्वार्टर फाइनल में रतिका

नई दिल्ली। भारत की रतिका एस सीलान आस्ट्रेलिया में नॉर्थ कोस्ट ओपन स्क्वाश के महिला वर्ग के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। सातवीं वरीयता प्राप्त तमिलनाडु की इस खिलाड़ी ने 6 हजार डॉलर ईनामी राशि के टूर्नामेंट में कीवी मैडेन ली को को प्री क्वार्टर फाइनल में 9-11 11-8 11-8 11-2 से हराया। अब वह तीसरी वरीयता प्राप्त हांगकांग की बोबो लैम से खेलेंगी।

भारत को चार विकेट से हराकर ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला में 1-0 से आगे

टीम इंडिया को 17 साल बाद मिली मेलबर्न में हार, अभिषेक की टी20 में छठी फिफ्टी

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

जॉश हेजलवुड की कमाल की बॉलिंग के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने भारत को दूसरे टी20 मुकाबले में चार विकेट से हरा दिया। मेलबर्न में खेले गए मैच में भारतीय बैटिंग 18.4 ओवर में 125 रन पर ढेर हो गई। अभिषेक शर्मा ने 68 रन की पारी खेलकर टीम को 100 के पार पहुंचा दिया। इस दौरान अभिषेक शर्मा ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना पहला अर्धशतक जड़ा। इसके साथ ही टीम इंडिया को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में 17 साल के बाद टी20 में हार का सामना करना पड़ा है। इससे पहले भारत मेलबर्न में आखिरी बार 2008 में टी-20 मैच हारा था। ऑस्ट्रेलिया ने कप्तान मिचेल मार्श के 46 रनों की पारी के दम पर 13.2 ओवर में ही जीत हासिल कर ली। भारत की तरफ से केवल अभिषेक और हर्षित राणा (35) ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। इन दोनों के बाद सात रन के साथ अक्षर पटेल सर्वोच्च स्कोरर रहे। चार भारतीय बल्लेबाजों के खाते नहीं खुले। अभिषेक ने इस बीच जबरदस्त बैटिंग की। उन्होंने टी20 इंटरनेशनल में छठी फिफ्टी ठोकी और 37 गेंद में आठ चौकों व दो छक्कों से 68 रन की पारी खेली।

2008 में हारा था आखिरी बार

इसके साथ ही टीम इंडिया को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में 17 साल के बाद टी20 में हार का सामना करना पड़ा है। इससे पहले भारत मेलबर्न में आखिरी बार 2008 में टी-20 मैच हारा था। इस मैदान पर सबसे छोटे फॉर्मेट में टीम इंडिया का रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। यहां भारत ने अब तक 7 मैच खेले हैं, जहां उन्हें 4 मैचों में जीत मिली है और दो में हार का सामना करना पड़ा। वहीं एक मैच का कोई नतीजा नहीं निकला था। टीम इंडिया ने इस मैदान पर ऑस्ट्रेलिया को दो बार और पाकिस्तान और जिम्बाब्वे को एक-एक बार हराया है।

टूट गया सूर्या का विनिंग स्ट्रीक

इसके साथ ही टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव का भी लगातार 9 मैचों का विनिंग स्ट्रीक टूट गया। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ने लगातार 9 मैचों में जीत दर्ज की है और अब 10वें मैच में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। भारत के लिए कप्तान के तौर पर लगातार सबसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड रोहित शर्मा के नाम है। रोहित की कप्तानी में टीम इंडिया ने 2019-2022 तक लगातार 14 मैच जीते थे। उनके ही कप्तानी में टीम इंडिया ने 2024 में 11 मैच अपने नाम किए थे।

साल्ट-सूर्यकुमार के क्लब में शामिल हुए अभिषेक

इस मैच में अभिषेक शर्मा ने अपना अर्धशतक 23 गेंदों पर पूरा किया और टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में ये 7वां मौका था जब उन्होंने अपना अर्धशतक 25 से कम गेंदों पर पूरे किए। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में इससे पहले सूर्यकुमार यादव और फिल साल्ट ने 7-7 बार 25 से कम गेंदों पर अर्धशतक लगाने का कमाल किया था। अब अभिषेक शर्मा इन दोनों खिलाड़ियों की बराबरी पर आ गए। अभिषेक ने इस मैच में 37 गेंदों पर 2 छक्के और 8 चौकों की मदद से 68 रन की पारी खेली। ये टी20आई में कंगारू टीम के खिलाफ उनका बेस्ट स्कोर भी रहा।

मार्श-हेड की तूफानी बैटिंग

लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया को पहले दो ओवर में रन जुटाने में दिक्कत हुई। लेकिन इसके बाद ट्रेविस हेड (28) और मार्श ने हाथ खोले। दोनों ने कुछ बड़े शॉट्स लगाते हुए पांचवें ओवर में टीम को 50 के पार पहुंचा दिया। खतरनाक अंदाज में खेल रहे हेड तीन चौके व एक छक्के से सजी पारी खेलकर वरुण चक्रवर्ती की गेंद को उड़ाते हुए बाउंड्री पर तिलक वर्मा के हाथों लपके गए। मार्श ने पावरप्ले के बाद भारतीय स्पिनर्स के आने पर गियर बदला। उन्होंने आठवें ओवर में कुलदीप यादव को निशाने पर लिया और दो चौके व दो छक्के लगाकर कुल 20 रन बटोरे। लेकिन आखिरी गेंद पर अभिषेक शर्मा को कैच दे बैठे। उन्होंने 46 रन की पारी खेली। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई मिडिल ऑर्डर लड़खड़ा गया. टिम डेविड (1), मैथ्यू शॉर्ट (0) सस्ते में निपट गए। हालांकि जॉश इंग्लिस (20) और मिचेल ओवन (14) की छोटी लेकिन उपयोगी पारियों से टीम लक्ष्य के करीब पहुंच गई। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 26 रन, चक्रवर्ती ने 23 और कुलदीप यादव ने 45 रन देकर दो-दो शिकार किए।

भारत फिर हारा टॉस

टॉस के मामले में भारतीय कप्तान एक बार फिर से अनलकी रही। ऐसे में टीम इंडिया को पहले बैटिंग करने का मौका मिला। जॉश हेजलवुड ने पहली गेंद से बता दिया कि भारत के लिए मुश्किल होने वाली है। शुभमन गिल डीआरएस के चलते एलबीडब्ल्यू से बचे। लेकिन तीसरे ओवर में हेजलवुड ने उन्हें फंसा ही लिया। भारतीय टीम के उपकप्तान 10 गेंद में पांच रन बनाकर आउट हुए। संजू सैमसन तीसरे नंबर पर भेजे गए लेकिन दो रन बना पाए और नाथन एलिस की गेंद पर एलबीडब्ल्यू करार दिए गए।

स्कोर बोर्ड

भारत	रन	गेंद	4	6
गिल का मार्श बो हेजलवुड	05	10	0	0
अभिषेक पगबाधा बो एलिस	68	37	8	2
सैमसन पगबाधा बो एलिस	02	04	0	0
यादव का इंग्लिस बो हेजलवुड	01	04	0	0
तिलक का इंग्लिस बो हेजलवुड	00	02	0	0
अक्षर पटेल रन आउट	07	12	0	0
राणा का डेविड बो बार्टलेट	35	33	3	1
दुबे का इंग्लिस बो बार्टलेट	04	02	1	0
कुलदीप का सब बो स्टोइनिस	00	05	0	0
वरुण चक्रवर्ती नाबाद	00	01	0	0
जसप्रीत बुमराह रन आउट	00	01	0	0
अतिरिक्त : 03, कुल योग : 18.4 ओवर में 125/10रन				
गेंदबाजी : हेजलवुड 4-0-13-3, बार्टलेट 4-0-39-2, एलिस 3.4-0-21-2, स्टोइनिस 4-0-24-1, ओवेन 1-0-13-0, कुहनेमैन 2-0-14-0				
ऑस्ट्रेलिया	रन	गेंद	4	6
मार्श का अभिषेक बो कुलदीप	46	26	2	4
हेड का तिलक बो चक्रवर्ती	28	15	3	1
इंग्लिस पगबाधा बो कुलदीप	20	20	1	0
डेविड का एवं बो चक्रवर्ती	01	02	0	0
ओवेन का सैमसन बो बुमराह	14	10	0	1
मार्कस स्टोइनिस नाबाद	06	06	0	0
मैथ्यू शॉर्ट बो बुमराह	00	01	0	0
जेवियर बार्टलेट नाबाद	00	01	0	0
अतिरिक्त : 11 , कुल योग : 13.2 ओवर में 126/6 रन				
गेंदबाजी : जसप्रीत बुमराह 4-0-26-2, हर्षित राणा 2-0-27-0, वरुण चक्रवर्ती 4-0-23-2, कुलदीप यादव 3.2-0-45-2.				

म्हात्रे ने लगाया तूफानी अर्धशतक, टेस्ट में की टी20 जैसी बल्लेबाजी

बेंगलुरु। युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने इंडिया ए के लिए खेलते हुए साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ पहले अनाधिकारिक टेस्ट में तूफानी अर्धशतक लगाया। बेंगलुरु में खेले जा रहे मुकाबले के दूसरे दिन उन्होंने 76 गेंद में 65 रन की पारी खेली, जिसमें 10 चौके शामिल रहे। आयुष म्हात्रे ने ओपनिंग करते हुए अर्धशतक का आंकड़ा तो केवल 46 गेंद में पार कर लिया। इस दौरान नौ चौके वे लगा चुके थे। तब भारत का स्कोर 64 रन था। उनके और साई सुदर्शन के बीच पहले विकेट के लिए 22 ओवर में 90 रन की साझेदारी हुई। इनमें से 65 रन अकेले म्हात्रे के थे। मुंबई से आने वाले इस बल्लेबाज को पहली बार इंडिया ए टीम में चुना गया है। उनकी उम्र केवल 18 साल है और इंडिया अंडर 19 टीम के साथ हाल ही में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नाकाम रहे थे। लेकिन सेलेक्टर्स ने भविष्य को देखते हुए म्हात्रे पर भरोसा जताया और उन्हें इंडिया ए में जगह दी।

संधू को प्लेऑफ में हराकर शौर्य ने जीता खिताब

पुणे। तीसरे दौर के बाद दो शॉट से पिछड़ रहे गोल्फर शौर्य भट्टाचार्य ने प्रबल दावेदार युवराज संधू को पूना क्लब ओपन के प्लेऑफ में हराकर जीत हासिल की। शौर्य (69-63-67-64) ने अंतिम दौर में सात अंडर 64 का शानदार स्कोर बनाया और यह दिन का सर्वश्रेष्ठ स्कोर भी रहा। उन्होंने कुल 21 अंडर 263 का स्कोर बनाया और प्लेऑफ में बर्डी लगाकर युवराज को पछाड़ दिया। इस तरह शौर्य ने इस सत्र का दूसरा और कुल मिलाकर तीसरा खिताब था। इस जीत से उन्हें 15 लाख रुपये का चेक मिला और उन्होंने पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में अपना चौथा स्थान मजबूत किया। उनकी इस सत्र की में उनकी कमाई 83,02,392 रुपए हो गई। संधू (65-67-65-66) का भी कुल स्कोर 21 अंडर 263 रहा। उन्होंने चौथे दौर में 66 का कार्ड खेला। लेकिन प्लेऑफ में हारकर उप विजेता रहे। वीर अहलावत और शिवेंद्र सिंह सिसोदिया 12 अंडर 272 से संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे।

भारत-ए बनाम साउथ अफ्रीका-ए : 3 महीने बाद खेलने उतरे पंत, सिर्फ 17 रन पर आउट

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

ऋषभ पंत की चोट से उबरने के बाद मैदान पर वापसी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। इंडिया ए की कप्तानी करते हुए वह बल्लेबाजी में सस्ते में निपट गए।

ऋषभ पंत ने साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ पहले अनाधिकारिक टेस्ट में 17 रन बनाए। उन्होंने 20 गेंद खेली और दो चौके लगाए। ऋषभ पंत को तेज गेंदबाज ओकुहले सेले ने आउट किया। यह इंग्लैंड के खिलाफ जुलाई में चौथे टेस्ट के बाद भारतीय कीपर बल्लेबाज का तीन महीने बाद पहला प्रतिस्पर्धी मैच था। पंत पांचवें नंबर पर बैटिंग के लिए उतरे थे। तब टीम इंडिया का स्कोर तीन विकेट पर 124 रन था। हालांकि इसके बाद भारतीय पारी ढह गई। पंत चौथे विकेट के रूप में 157 के कुल स्कोर पर आउट हुए। दो रन बाद रजत पाटीदार भी चलते बने, वे 19 रन बना सके। उन्होंने 35 गेंद खेली और एक चौका लगाया। वह स्पिनर प्रेनेलन सुब्रायन की गेंद पर बोल्ड हो गए। उनसे पहले देवदत्त पडिक्कल भी छह रन बनाकर आउट हुए। उनका विकेट भी सुब्रायन ने ही लिया।

एस्पेनयोल ने एटलेटिक लिडा को 2-1 से हराया

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

कोपा डेल रे के पहले दौर के मैचों के तीसरे दिन कोई बड़ा उलटफेर देखने को नहीं मिला। एक ओर एस्पेनयोल ने एटलेटिक लिडा को हराया, तो दूसरी तरफ लेवांटे ने जीत दर्ज की। एस्पेनयोल ने स्पेनिश खेल के चौथे टियर में खेलने वाली एटलेटिक लिडा के खिलाफ 2-1 से जीत दर्ज की। इस टीम के लिए दोनों गोल किके गार्सिया ने दागे। किके ने दूसरे मिनट में पेनाल्टी के साथ स्कोरिंग की शुरुआत की, लेकिन एटलेटिक लिडा ने एल्डो वन की बदौलत तीन मिनट बाद ही स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद किके ने हाफटाइम से ठीक पहले एस्पेनयोल को फिर से बढ़त दिलाई, लेकिन शीर्ष स्तर की टीम को अंतिम मिनटों में तनावभरे पलों का सामना करना पड़ा।

आज से फिडे विश्व कप

प्रज्ञानानंदा, अर्जुन और गुकेश करेंगे छाप छोड़ने की कोशिश

एजेंसी ▶▶| पणजी

ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा शनिवार से शुरू हो रहे फिडे विश्व कप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दोहराने की कोशिश करेंगे, जिसमें दुनिया की शीर्ष तीन रैंकिंग में काबिज खिलाड़ी अनुपस्थित रहेंगे।

नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन के अलावा अमेरिका के हिकारु नाकामुरा और फैबियानो कारुआना की जोड़ी इस टूर्नामेंट में नहीं खेलेगी। विश्व चैंपियन गुकेश और अर्जुन एरिगेसी 20 लाख अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि के इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ने की कोशिश करेंगे।

पर सबसे अहम चीज यह है कि इस टूर्नामेंट से 2026 फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए तीन क्वालीफिकेशन स्थान सुनिश्चित होंगे। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट से अगले साल होने वाले विश्व चैंपियनशिप मैच का खिलाड़ी तय होगा।

गोवा में 80 देशों के 206 शीर्ष शतरंज खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

गोवा में अगले चार हफ्तों तक 80 देशों के 206 शीर्ष शतरंज खिलाड़ी आठ दौर वाले एकल एलिमिनेशन नॉकआउट टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। प्रत्येक मैच में निश्चित समय में दो क्लासिकल बाजियां होंगी। अगर क्लासिकल बाजियों के बाद स्कोर बराबर रहता है तो खिलाड़ी तीसरे दिन रैपिड और ब्लिट्ज टाई-ब्रेक की एक श्रृंखला खेलेंगे, जिससे यह तय होगा कि कौन आगे बढ़ेगा। भारत के शीर्ष तीन खिलाड़ियों में गुकेश विश्व चैंपियन हैं और उन्हें अगले साल के अंत में विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने के लिए कैंडिडेट्स चक्र से गुजरने की जरूरत नहीं है, जिससे उन पर दबाव कम होगा। प्रज्ञानानंदा की अगले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह लगभग पक्की है जबकि एरिगेसी अगले साल की शुरुआत में होने वाले इस टूर्नामेंट में जगह बनाने की कोशिश में जुटे हैं।

भगवान पर अटूट आस्था से उबरने में मिली मदद : जेमिमा रौड्रिग्स

नवी मुंबई। अपने नाबाद शतक से भारत को वनडे विश्व कप फाइनल में ले जाने के बाद भावनाओं पर काबू पाने की कोशिश करते हुए जेमिमा रौड्रिग्स ने कहा कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में हरमनप्रीत कौर के आउट होने के बाद उन्हें फिर से फोकस करने में मदद मिली। दबाव में बेहतरीन पारी खेलते हुए जेमिमा ने 134 गेंद में नाबाद 127 रन बनाए, जिसकी मदद से भारत ने रिकॉर्ड 339 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आस्ट्रेलिया को हराया। अब फाइनल में सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा। जेमिमा ने कहा,' मैं हैरी दी से कह रही थी कि हम दोनों को जीत तक ले जाना है।' उन्होंने कहा,' जब वह आउट हुई तो मुझे फिर से फोकस करने में मदद मिली क्योंकि थकान के कारण मेरी एकाग्रता टूट रही थी।

हरिभूमि
HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपेथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
सभी प्रकार की एलर्जी | डेंटल सुविधा भी उपलब्ध
छाती रोग • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर
डॉ. सूरज कुमार चौधरी MD (Physician, Pathology)
डॉ.सुधा अग्रवाल चौधरी MBBS, MS (OBG) FRM सभी रोग विशेषज्ञ, इंफर्टिलिटी कंसल्टेंट
• पुरुष और महिला बांझपन परीक्षण • आईवीएफ, आईयूआई, पीसीओएस, सोनोग्राफी, • सभी पैथोलॉजी परीक्षण (रक्त, मूत्र, मल और वीर्य विश्लेषण) • गर्भवती महिला एवं गर्भाशय की सोनोग्राफी (टीवीएस, डॉपलर 3डी, 4डी)
C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: • लेजर हेयर रिमूवल • हाइड्रोफेशियल • कार्बन फेशियल • केमिकल पीलिंग • रेडियोफ्रिक्वेंसी • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ष पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
ओपीडी 50% Off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

समस्त प्रदेशवासियों को
छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस
एवं
रजत महोत्सव
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।
छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25
छत्तीसगढ़ के पावन धरा में देश के
यशस्वी प्रधानमंत्री
माननीय
नरेन्द्र मोदी जी
का हार्दिक
स्वागत... वंदन... अभिनंदन...
इंद्रकुमार साहू
(विधायक)
अभनपुर विधानसभा क्षेत्र
रोहित साहू
(विधायक)
राजिम विधानसभा क्षेत्र
अभिषेक सिंह
(पूर्व सांसद)
राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र
श्रीमती तारणी पुष्पेन्द्र चंद्राकर
(अध्यक्ष)
जिला पंचायत बालोद
शिवरतन शर्मा
सदस्य प्रथम, चतुर्थ, एवं पंचम विधानसभा
भाटापारा छत्तीसगढ़
श्रीमती चंद्रिका जितेन्द्र बंजारे
(अध्यक्ष)
जनपद पंचायत, अभनपुर
विजय सिन्हा
(अध्यक्ष)
नगर पालिका परिषद, बेमेतरा
विद्यानंद कुशवाहा
(अध्यक्ष)
नगर पालिका परिषद अहिवारा,जिला दुर्ग
गौकरण साहू
(उपाध्यक्ष)
जिला पंचायत धमतरी
रूपसिंग साहू
(सामाजिक कार्यकर्ता)
जिला गरियाबंद
भरत बैस
(मंडल अध्यक्ष भाजपा अभनपुर)
सरपंच ग्राम पंचायत-तुता
ब्रम्हानंद साहू
(सभापति)
जनपद पंचायत अभनपुर
महेश अग्रवाल
(पूर्व अध्यक्ष)
नगर पालिका, तिल्दा-नेवरा
विकास कोटवानी
(मंत्री)
भाजपा रायपुर जिला ग्रामीण
नटवरलाल ताम्रकार
(पूर्व अध्यक्ष)
नगर पालिका परिषद- अहिवारा, जिला - दुर्ग
हर्षवर्धन तिवारी
(पूर्व डायरेक्टर)
जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. बेमेतरा
श्रीमती प्रज्ञा निरवाणी
(पूर्व सदस्य)
जिला पंचायत -बेमेतरा
तोरण पुन्नी यादव
(पूर्व मंडल अध्यक्ष)
भाजपा थानखम्हरिया
मुद्रिका राय
(भाजपा कार्यकर्ता)
बिलाईगढ़ विधानसभा क्षेत्र
रमेश अग्रवाल (रिंकू)
(प्रदेश मंत्री)
छ.ग. चेम्बर ऑफ कामर्स इंडस्ट्रीज

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ^Basis data available in public forum for products in 100cc Motorcycle segment. ˇOffer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts. $Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs, Available at select dealerships. *Limited period offer, T&C apply. +As per cumulative sales numbers till August 2025. #Ex-showroom price of HF Deluxe Pro in Chhattisgarh.

TOLL FREE 1800 266 0018

डाउन पेमेंट @ ₹999$ से शुरु

प्रतिदिन EMI ₹59$ से शुरु

अधिकृत डीलरः रायपुरः छत्तीसगढ़ हीरो, 9289922351, आरसन हीरो, 9289922864, राजधानी हीरो, 9289922414, राजनांदगांवः जय हीरो, 9289922357, धमतरीः सत्योम हीरो, 9289922525, कांकेरः राहुल हीरो, 9289922834, महासमुंदः वत्स हीरो, 9289922623, बलौदाबाजारः अग्रवाल हीरो, 9289922959, आरंगः श्री राम हीरो, 9289922968, बेमेतराः श्री सांई हीरो, 9289922835, कवर्धाः सरस्वती हीरो, 9289922958, जगदलपुरः विजयपाल हीरो, 9289923064, दंतेवाड़ाः जय विजय हीरो, 9289922990, दल्लीराजहराः लक्ष्मी हीरो, 9289922983, भाटापाराः कुशल हीरो, 9289923052, भिलाईः इंडियन हीरो, 9289922355, चौहान मोटर्स, 9289233817, दुर्गः उत्सव हीरो, 9289923114, उत्सव हीरो (स्टेशन रोड), 7000595300, एसोशिएट डीलरः रायपुरः संजय ऑटोव्हील, 9289924245, 0771-4266555, पंडरियाः ललित सर्विसेज़, 8770383767, भनपुरीः ओम ऑटो एजेंसी, 6261535855, दोनुहानीः किरण मोटर्स, 9754069392, लवनः गणपति ऑटो, 9926601111/9340379300, भिंभौरीः श्री राम मोटर्स, 8462900028/9340005833, गुरुरः श्री गुरुनानक ऑटो, 8349484458/7224880123, बोड़लाः विक्की मोटर्स, 9755583102, पांडातराईः शक्ति ऑटोमोबाइल्स, 9179035073, अभनपुरः राजधानी ऑटोमोबाइल्स, 9325529033, छुरियाः अंकित ऑटो, 9425240565, नवागढ़ः श्री मोटर्स, 9165525555/9009866899, राजिमः गुरुदेव ऑटोमोबाईल्स, 9977280000, खरोराः अग्रवाल मोटर्स, 9424212141, सरायपालीः बंसल ऑटो, 9425513611, डोंगरगढ़ः युवराज मोटर्स, 8085160380, तिल्दाः आरसन मोटर्स, 9340335266, नगरीः हर्ष ऑटो, 8109502100, पाटनः दिव्या ऑटो, 9893492107, बागबाहराः प्रियंका ऑटोकेयर, 9131058752, कोण्डागांवः आहुजा ऑटोमोबाईल्स, 9131794017/9993861888, नारायणपुरः गुरुनानक ऑटो, 9425596290, केशकालः साहिल ऑटो सेल्स, 9893199247, झगंडीः किरन ऑटोकेयर, 9754069392, फरसगांवः राजा ऑटोमोबाईल्स, 9425594144, बेरलाः कोन्हा मोटर्स, 98931058752/6260472025, कसडोलः बजरंग मोटर्स, 9425511973, बालोदः नैन ऑटोकेयर, 9425563502, लिमतराः माँ सरवेश्वरी ऑटोमोबाईल्स, 9301361155, गरियाबंदः छत्तीगढ़ ऑटो केयर, 8319358443, परोदाः सत्यम ऑटोमोबाईल्स, 9977155055, गुंदरदेहीः एम.एम. ऑटो, 9893542300/ 8720051135, जामुलः जय अम्बे ऑटो एजेंसी, 9826386346, रिसालीः भारत मोटर्स, 9993417123, फिंगेश्वरः अभिषेक ऑटो, 9977737000/9300093200, भिलाई-3: महावीर मोटर्स, 8109100019, कुरुदः शिव ऑटो, 8305711110/ 9993454103, इटपिनार- कांकेरः अंशू ऑटो, 9406054292, पखांजूरः रिशान सर्विसेज, 6267323235, गोहारा पादरः गोविंद ऑटो केयर , 9303664769, कुड़कुदुरः दिलीप मोटर्स, 7869151152, सुकमाः आशुतोष ऑटोमोबाइल, 9425260291, भानुप्रतापपुरः संस्कार मोटर्स, 9406203600, मानपुरः दिलीप ऑटो केयर, 7999054324, लाखोलीः शुभम ऑटो केयर, 9754000069, अम्बागढ़ चौकीः अमर मोटर्स, 9827969901, सालेवाड़ाः साई मोटर्स, 9754329434, राजिमः राजीव लोचन ऑटोमोबाइल्स, 7000186678, सारागांवः जी वी मोटर्स, 7566666243, सरसीवाः श्रीराम ऑटो, 6260060443, बीजापुरः माँ भवानी ऑटोमोबाइल्स, 9301683268/7987037477, चारामाः श्री करणी ऑटोमोबाइल, 9827894444, गुड़िहारीः श्री राम मोटर्स, 7697966999/9425502611, भखाराः प्रेम ऑटो, 8770027422, डीलर एक्सटेंशन काउंटरः रायपुरः आरसन हीरो (फाफाडीह), 7428587575, 0771-4000233, भिलाई (सुपेला): इंडियन हीरो, 0788-4911301, 8305597651, ऐडिशनल वर्कशॉपः रायपुरः आरसन मोटर्स (फाफाडीह), 7697868545/0771-4000233, आरसन मोटर्स (टिकरपारा), 2274333/666, राजधानी ऑटो केयर, (रिंग रोड नं.1, तेलीबांधा चौक) 0771-2420037, जेन्युईन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्टः संजय ऑटोमोबाईल्स, 2226732/7474, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) रायपुरः आरसन हीरो, 9285052266, भिलाईः इंडियन हीरो, 9289922355, दल्लीराजहराः लक्ष्मी हीरो, 9289922983.

VML.5840.2025HIN

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रम्हवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com